मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	38.7	25.2
जमशेदपुर	37.6	21.0
डालटनगंज	39.4	19.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

चुनावी समर 2024

बुधवार 10 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल पक्ष 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 2

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मंदिर निर्माण से इंडी को नफरत है

भगवान राम के अपमान को कभी न भूले जनता

पीलीभीत (उप्र)। पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर भगवान राम का अपमान करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि यह पार्टी तुष्टीकरण के दलदल में इतना डूब गई है कि उससे कभी बाहर नहीं निकल सकती. मोदी ने चुनावी रैली में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडिया पर तीखे प्रहार किये. कहा कि सपा और कांग्रेस के इंडी गठबंधन को विरासत की परवाह ही नहीं है. इंडी गठबंधन वालों को राम मंदिर के निर्माण से, पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है. आपने मंदिर बनने से रोकने के लिए कोर्ट में जो करना था, कर लिया. मंदिर न बने, इसके लिए लाख कोशिश भी कर ली. लेकिन देश की जनता ने इतना भव्य मंदिर बना दिया. जब आपको प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में निमंत्रित किया गया तो आपने निमंत्रण ठुकरा दिया. आपने प्रभु राम का अपमान कर दिया. मोदी ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि मैं समझ नहीं पाता कि उनके मन में इतना जहर क्यों भरा है?

असम की रैली में बोले गृहमंत्री शाह

मोदी सरकार में एक इंच भी जमीन न कब्जा सका चीन

लखीमपुर (असम)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह असम के दौरे पर हैं. उन्होंने राज्य के लखीमपुर में मंगलवार को एक चुनावी सभा में कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार में चीन भारत की एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सका. उन्होंने कहा कि लोग यह कभी नहीं भूलेंगे कि देश के पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू ने 1962 में चीन के आक्रमण के दौरान असम और अरुणाचल को अकेले छोड़ दिया था. शाह ने कहा, जब चीन का हमला हुआ. लड़ने की जगह नेहरू ने असम को बाय-बाय कह दिया था. असम को छोड़ दिया था. लेकिन मोदी की सरकार में चीन देश की जमीन पर एक इंच भी कब्जा न कर सका. इस तरह का शासन मोदी ने दिया है. अरुणाचल और असम 1962 को कभी नहीं भूल नहीं सकता. मोदी के समय में उसने (चीन) डोकलाम में थोड़ी हिम्मत की. उसे 43 दिन तक रोककर रखा और नरेंद्र मोदी ने वापस जाने के लिए मजबूर कर दिया.

जयराम रमेश ने बीजेपी पर कसा तंज

हम लोग तो राम के पुजारी हैं, वो ही राम के व्यापारी हैं

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को जनवरी में अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को सम्मानपूर्वक अस्वीकार करने के पार्टी के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक व्यक्ति के लिए राजनीतिक कार्यक्रम था. उन्होंने कहा कि कांग्रेसी राम के उपासक हैं. रमेश ने एक साक्षात्कार में भाजपा पर धर्म का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए कहा, यह धर्म और राजनीति को भी नीचे लाता है. भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि वे राम के व्यापारी हैं जबकि कांग्रेस सदस्य देवता के पुजारी हैं. अयोध्या का जश्न राजनीतिक था. यह एक व्यक्ति के लिए किया गया था. हम राम के उपासक हैं और वे (भाजपा) राम के व्यापारी हैं. आज मेरा जन्मदिन है. मेरा नाम-जयराम रमेश है - दोनों भाग मेरे नाम में राम है. कोई भी हमें राम विरोधी नहीं कह सकता. धर्म का राजनीतिकरण धर्म और राजनीति को भी नीचे लाता है.

कल्पना सोरेन ने शुरू किया प्रचार

गांडेय की जीत गुरुजी, हेमंत व आपकी सब की जीत होगी

रांची/गांडेय। हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय उपचुनाव में प्रत्याशी कल्पना सोरेन मंगलवार को अपने क्षेत्र पहुंची. उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की. कहा कि आप यह कभी न समझें कि मैं चुनाव लड़ रही हूं. यह चुनाव आपके दिशुम गुरु शिबू सोरेन और आपके नेता हेमंत का है. हेमंत को यह नहीं लगना चाहिए कि वो जेल हैं तो उनके लोग सोए हुए हैं. आप यह जान लें कि यह हमारी जीत नहीं होगी, यह आपकी जीत होगी. कल्पना ने कहा कि ये भाजपा के लोग घर-फोड़वा हैं. भाई को भाई से, परिवार को परिवार से लड़ाना चाहते है. मैं अपनी बात नहीं करूंगी. आपकी बात और आपके सुझावों को सुनना है. बाबा दिशुम गुरु की यह कर्मभूमि है. इसलिए मैंने भी बाबा की कर्मभूमि से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की है. बाबा के समय से जो लोग जुड़े हैं, वे अपने अनुभवों को साझा करें, अपने हिसाब से काम करें. उन्हें कुछ बताने की जरूरत नहीं है.

ईडी की जांच में पूर्व सीएम के कब्जे वाली सीएनटी नेचर जमीन की जनरल डीड मिली

मास्टरमाइंड सद्दाम भी हुआ गिरफ्तार

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम के केस में मो. सद्दाम को ईडी ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है. उससे एजेंसी चार दिनों तक पूछताछ करेगी. ईडी ने मो सद्दाम के ठिकाने पर जब पिछले वर्ष छापेमारी की थी, उस दौरान करीब 36 डीड बरामद किए थे. यह सभी डीड रांची के अलग-अलग इलाकों में स्थित भूखंडों के हैं, जिसका कुल रकबा लगभग 500 एकड़ है.

छापेमारी के क्रम में ईडी को सद्दाम के ठिकाने से कुछ ऐसे दस्तावेज भी मिले थे, जो बड़गाईं अंचल की स्थित उस भूमि से संबंधित हैं, जिसपर कब्जा करने से जुड़े लैंड स्कैम केस में ईडी ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया है. बड़गाईं अंचल की भूमि का कुल रकबा 8.46 एकड़ है. जानकारी के मुताबिक, उक्त भूखंड के एक बड़े हिस्से का डीड किसी व्यक्ति के नाम पर बना दिया गया है, जो संदिग्ध है. ईडी, सद्दाम से पूछताछ करना चाहती है कि पूर्व सीएम से जुड़ी भूमि के दस्तावेज उसके पास कहां से और क्यों आए? ईडी यह भी जानने की कोशिश करेगी कि दस्तावेज फर्जी तो नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल भविष्य में किया जाना था.

फर्जी डीड बनाने का मास्टरमाइंड माना जाता है सद्दाम : ईडी ने जिस सद्दाम को गिरफ्तार किया है, वह फर्जी डीड बनाने का मास्टरमाइंड माना जाता है. गिरफ्तारी के बाद एजेंसी ने सद्दाम को पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में कड़ी सुरक्षा के बीच पेश किया. इस दौरान ईडी के विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार उर्फ काका जी ने कोर्ट से यह आग्रह किया कि आरोपी से सात दिनों तक पूछताछ की अनुमति दी जाए. इसका आरोपी की अधिवक्ता स्नेह सिंह ने विरोध किया. हालांकि, कोर्ट ने ईडी की अर्जी स्वीकार करते हुए चार दिनों की रिमांड की मंजूरी दे दी है. बता दें कि सद्दाम ईडी के कांड संख्या 05/2023 और 01/2023 में भी आरोपी है.

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

- पीएमएलए कोर्ट ने चार दिनों की ईडी रिमांड पर भेजा
- बड़गाईं अंचल की भूमि के एक हिस्से की डीड संदिग्ध

एजेंसी ने बरामद किये थे तीन दर्जन से ज्यादा डीड

मो सद्दाम के पास से एजेंसी ने लगभग तीन दर्जन से ज्यादा डीड बरामद किये थे, जो अलग-अलग भूमि से जुड़े हैं. दरअसल लैंड स्कैम की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान को गिरफ्तार कर चुकी है. फिलहाल, सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं.

हेमंत से जुड़ी जिस भूमि की जांच कर रही ईडी, सिर्फ 15 दिन में ही एसएआर अधिकारी ने निपटा दिया केस

रांची। रांची में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमीन पर कब्जा और खरीद-बिक्री के कई मामलों की जांच ईडी कर रही है. इस वर्ष लैंड स्कैम से जुड़ा सबसे चर्चित मामला बड़गाईं अंचल का है. जिसमें पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और उनके करीबी विनोद सिंह पर आदिवासी भूमि को कब्जा करने का आरोप लगा है. जैसे-जैसे एजेंसी इस मामले की जांच कर रही है, कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं. मामला चर्चित होने के बाद भूमि वापसी के लिए एसएआर कोर्ट में वाद दायर किया गया था. लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि एसएआर कोर्ट पहुंचने के सिर्फ 20 दिन के अंदर केस की सुनवाई पूरी कर आदेश पारित कर दिया गया. यह केस एसएआर कोर्ट में 9 जनवरी को आया था और 29 जनवरी को इस मामले में फैसला सुना दिया गया. इस केस का नंबर 81/2023-2024 है. झारखंड सरकार के कैलेंडर के मुताबिक, इन 20 दिनों में सिर्फ 15 दिन ही कार्य दिवस थे. बाकी पांच दिन सरकारी अवकाश था. रांची एसएआर कोर्ट ने इस भूमि से जुड़े मामले की सुनवाई जितनी तेजी से की उसे देख कर कहना गलत नहीं होगा कि एसएसआर कोर्ट की अफसर उनके यहां लंबित मामलों के निष्पादन में काफी संजीदा हैं. -शेष पेज 7 पर

अंबा से छह घंटे पूछताछ, आज फिर बुलाया

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष विधायक अंबा प्रसाद मंगलवार को फिर उपस्थित हुईं.दोपहर के करीब तीन बजे अंबा प्रसाद ईडी ऑफिस पहुंचीं. जिसके बाद ईडी के अधिकारियों ने उनसे करीब छह घंटे तक पूछताछ की. ईडी ने अंबा प्रसाद से हजारीबाग में जमीन पर अवैध कब्जा, बालू कारोबारियों से उगाही और रंगदारी के जरिए मनी लॉन्ड्रिग मामले से संबंधित कई सवाल पूछे. जिसके बाद ईडी ने उन्हें जाने दिया और फिर बुधवार ईडी के समक्ष उपस्थित होने को कहा है. ईडी ने अंबा के जब्त सारे मोबाइल का डाटा रिट्रीव कराया. वहीं ईडी ऑफिस के बाहर मीडिया से अंबा प्रसाद ने कहा कि ईडी ने ज्यादातर प्रश्न उन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से किए, जो उनसे जब्त किए गए थे. अंकित के मोबाइल का डाटा भी रिट्रीव करा बालू कारोबार से हुई आय पर सवाल किए गए. मालूम हो कि ईडी ने अंबा को चार अप्रैल को बुलाया था, पर स्वास्थ्य कारणों से वह नहीं आ सकी थीं.

बड़ा झटका — सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया पूरा मामला

ईडी नहीं साबित कर सकी छत्तीसगढ़ का 2000 करोड़ का शराब घोटाला

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ का शराब घोटाला हुआ था. इनफोर्समेंट डाइरेक्टोरेट (ईडी) इस घोटाले को साबित नहीं कर सकी. सुप्रीम कोर्ट ने मामले को रद्द कर दिया है. यह ईडी के लिए बड़ा झटका है. ऐसे वक्त में जब लोकसभा चुनाव सामने हैं. और इनफोर्समेंट डाइरेक्टोरेट (ईडी) की चर्चा सबसे अधिक है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईडी का बचाव करते हैं. कहते हैंः भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई हो रही है, तो विपक्ष बिलबिला रहा है. विपक्ष के नेता कहते हैंः भाजपा ईडी का इस्तेमाल कर विपक्ष को तोड़ रही है, कमजोर कर रही है. ताकि विपक्ष खत्म हो जाए. पिछले 21 मार्च को ईडी ने दिल्ली में हुए कथित शराब घोटाला में वहां के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया. अभी वह जेल में हैं. दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया अभी भी जेल में हैं. इससे पहले जमीन घोटाले के आरोप में ईडी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को भी गिरफ्तार किया था. कोर्ट ने ईडी को झटका देते हुए इस शराब घोटाले के मामले को रद्द कर दिया है. इस मामले में ईडी घोटाला साबित नहीं कर सकी. इस कारण सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आइएएस अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश के खिलाफ मामला दर्ज किया था. न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा है कि अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश के खिलाफ कोई मामला नहीं बनता. चूंकि कोई अपराध हुआ ही नहीं, इसलिए पीएमएलए की धारा-2(यू) के तहत परिभाषित अपराध में संपत्ति अर्जित नहीं हो सकती. यदि अपराध में संपत्ति अर्जित नहीं की गयी, तो पीएमएलए के तहत अपराध का मामला नहीं बनता.

बघेल ने भाजपा पर साधा निशाना

अपने सोशल मीडिया अकाउंट से छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि ईडी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को बदनाम करने और भाजपा को राजनीतिक हथियार देने के लिए 2023 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कथित शराब घोटाले में मामला दर्ज किया. ईडी जैसी एजेंसियों की प्रतिबद्धता संविधान के प्रति होनी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक दल के प्रति. ईडी का शर्मनाक राजनीतिक दुरूपयोग साबित हो गया है और मोदी सरकार का पर्दाफाश हो गया है. सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने साबित कर दिया है कि भाजपा के इशारे पर ईडी हर मामले को मनी लॉन्ड्रिंग का केस बना कर विपक्षी दलों को बदनाम करने की साजिश कर रहा है. पूर्व सीएम ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि भाजपा केवल झूठ फैला रही है. लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरूपयोग करके अपने राजनीतिक विरोधियों को बदनाम करने के बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की साजिश का पर्दाफाश हो गया है. जनता देखेगी कि बचाव के लिए दर्ज मामलों को खारिज कर दिया गया है.

दिल्ली हाईकोर्ट से केजरीवाल को बड़ा झटका

गिरफ्तारी वैध, याचिका खारिज

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली शराब घोटाला मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को सीएम अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी है. केजरीवाल ने ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और न्यायिक हिरासत को चुनौती दी थी. जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने फैसला सुनाते हुए कहा कि यह केंद्र सरकार और केजरीवाल के बीच का मामला नहीं है, बल्कि ईडी और केजरीवाल बीच का मामला है. हाईकोर्ट ने कहा, सीएम को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एजेंसी ने गिरफ्तार किया है. -शेष पेज 7

अप्रूवर का बयान ईडी नहीं बल्कि कोर्ट लिखता है

दिल्ली हाईकोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किये जाने के संदर्भ में कहा, ईडी की दलील है कि याचिकाकर्ता इस पूरे मामले में शामिल है. कई बयान दर्ज किये गये हैं. उदाहरण स्वरूप राघव मुंगटा और शरत रेड्डी के बयान का जिक्र किया. जान लें कि केजरीवाल की ओर से दायर याचिका में सरकारी गवाहों के बयान पर प्रश्नचिह्न खड़े किये गये थे. इस पर हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि अप्रूवर का बयान ईडी नहीं, बल्कि कोर्ट लिखता है.

केजरीवाल के पास अधिकार, वह गवाहों को क्रॉस कर सकें

कोर्ट ने कहा कि अगर आप गवाह पर सवाल उठाते हैं तो आप जज पर सवाल उठा रहे हैं. रेड्डी के बयान पर भी सवाल उठाये गये हैं. केजरीवाल के पास अधिकार है कि वह गवाहों को क्रॉस कर सकें. लेकिन ये निचली अदालत में हो सकता है, न कि हाईकोर्ट में. दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जांच किसी व्यक्ति के सुविधा के अनुसार नहीं चल सकती. जांच के क्रम में एजेंसी किसी के भी घर जा सकती है.

सुप्रीम कोर्ट जाएगी आप

केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट से तगड़ा झटका मिलने के बाद अब आम आदमी पार्टी जल्द ही इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी. यह जानकारी आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने दी. उन्होंने कहा कि हम हाईकोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं, लेकिन केजरीवाल के मामले में सहमत नहीं हैं.

चांद नहीं दिखा ईद कल

रांची। दारुल कजा इमारत-ए-शरया रांची के काजी शरीअत मुफ्ती मो. अनवर कासमी ने एलान किया है कि 29 रमजानुल मुबारक 1445 हिजरी मुताबिक मंगलवार को ईद का चांद नहीं दिखा. झारखंड समेत देश के किसी भी क्षेत्र से चांद नजर आने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है. इसलिए अप्रैल बुधवार को रमजान महीने की 30 तारीख है, और गुरुवार 11 अप्रैल को शव्वाल उल मुर्करम महीने की पहली तारीख यानी ईद उल फित्र का दिन है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,900
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

महंगाई आसमान छू रही है: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है और महंगाई आसमान छू रही है तथा ग्रामीण भारत के गंभीर संकट से जूझने के साथ ही असमानता चरम पर पहुंच चुकी है.

पिता दे रहे बेटे को हार का आशीर्वाद

तिरुवनंतपुरम/पत्तनमथिट्टा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी ने मंगलवार को कहा कि केरल की पत्तनमथिट्टा लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहा उनका बेटा अनिल के. एंटनी चुनाव में जीतना नहीं चाहिए. उन्होंने कहा कि मेरा आशीर्वाद है कि मेरा बेटा चुनाव हरहाल में हारे.

डेरा प्रमुख की हत्या का शूटर मुठभेड़ में ढेर

देहरादून। उत्तराखंड के ऊधमसिंहनगर के नानकमत्ता गुरुद्वारे के डेरा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की कथित तौर पर हत्या करने वाला शूटर अमरजीत सिंह बिट्टू उर्फ गंडा को एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने हरिद्वार जिले के कलियर में हुई एक मुठभेड़ में मार गिराया.

सेंसेक्स फिर फिसला मामूली नुकसान में बंद

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में रिकॉर्ड तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 59 अंक के नुकसान में रहा. हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स एक समय पहली बार 75,000 अंक के स्तर को पार कर गया था. वहीं निफ्टी ने भी अपना नया सर्वकालिक उच्चस्तर छुआ था.

ऐश्वर्या का कांस्य रजत में बदलेगा

नयी दिल्ली। भारतीय एथलीट ऐश्वर्या मिश्रा का एशियाई चैंपियनशिप 2023 की 400 मीटर स्पर्धा का कांस्य रजत पदक में बदलेगा क्योंकि इसमें शुरुआत में दूसरे स्थान पर रही सोलियेवा डोप परीक्षण में विफल रही हैं.

जताई चिंता — चीफ जस्टिस बोले- अदालतों में बिना फैसले के मामलों को रिजर्व रखना गलत

मौखिक दलीलें मायने नहीं रखतीं, जज भी भूल जाते हैं

चीफ जस्टिस का वर्जनज्यूडिशियरी ने बार-बार अपनी स्वतंत्रता और गैर पक्षपातपूर्णता दर्शाई है. हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ज्यूडिशियरी की स्वतंत्रता और बार की स्वतंत्रता के बीच घनिष्ठ संबंध है.- ***डीवाई चंद्रचूड़,*** *चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया*

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों द्वारा लंबे समय तक अदालती मामलों को रिजर्व रखे जाने पर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो इतने समय के बाद मौखिक दलीलें मायने नहीं रखती. कोर्ट की सुनवाई और फैसलों पर रिपोर्ट करने वाली बार एंड बेंच के मुताबिक सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, चिंता का विषय यह है कि जज बिना फैसलों के 10 माह से भी अधिक समय तक मामलों को रिजर्व रखते हैं. मैंने सभी हाईकोर्ट को इस बाबत लिखा है. पत्र लिखे जाने के बाद भी मैंने देखा है कि कई जज केवल मामलों को रिजर्व कर रहे हैं और सूचीबद्ध कर रहे हैं. वे आंशिक सुनवाई भी कर रहे हैं. सीजेआई ने कहा, इतने लंबे समय के बाद केस पर दोबारा सुनवाई हो तो पिछली सुनवाई के दौरान रखी गयी मौखिक दलीलें मायने नहीं रखतीं. जज भी कई बातें भूल जाते हैं.

कोर्ट के बोझ से अवगत हैं

सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक मामले की सुनवाई करते हुए उम्मीद जताई कि देश के ज्यादातर उच्च न्यायालयों में यह चलन नहीं है. कहा कि हम मानते हैं कि किसी भी मामले की पर्याप्त अवधि तक सुनवाई होने के बाद उसे इस स्तर पर जारी करने से देरी, दुर्दशा और वादकारियों की कानूनी फीस बढ़ जाती है. सीजेआई के नेतृत्व वाली बेंच ने हाईकोर्ट से मामले का शीघ्र निपटारा करने और पहले संक्षिप्त सुनवाई के लिए कार्यवाही को फिर से सूचीबद्ध करने का आदेश दिया . हालांकि, जस्टिस चंद्रचूड़, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच ने यह भी कहा कि हम हाईकोर्ट के बोझ से अवगत हैं.

वकील कोई अपवाद नहीं हैं

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'हमारे जैसे जीवंत और तर्कशील लोकतंत्र में, अधिकतर व्यक्तियों की एक राजनीतिक विचारधारा और झुकाव होता है. अरस्तू के शब्दों में, मनुष्य राजनीतिक प्राणी हैं. वकील कोई अपवाद नहीं हैं. हालांकि, बार के सदस्यों के लिए, किसी की सर्वोच्च निष्ठा पक्षपातपूर्ण हित के साथ नहीं बल्कि अदालत और संविधान के साथ होनी चाहिए. बता दें कि पिछले दिनों नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समारोह में सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकीलों को अहम संदेश दिया था. सीजेआई ने वकीलों से कहा था कि वे किसी राजनैतिक दल के लिए नहीं, बल्कि संविधान के प्रति वफादार रहें. कहा था कि वकीलों को कोर्ट और भारतीय संविधान को अपने राजनीतिक झुकाव और विश्वास से ऊपर रखना चाहिए.

हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा- सीएए के तहत हो सकती है कार्रवाई?

बांग्लादेशी घुसपैठ की जांच वाली पीआईएल पर सुनवाई

संवाददाता। रांची

बांग्लादेशियो द्वारा झारखंड में घुसपैठ कर संथाल में लैंड जिहाद किये जाने की जांच की मांग को ले दायर जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से यह जानना चाहा कि सीएए में निहित प्रावधानों के तहत संथाल में घुसपैठ मामलों में कार्रवाई की जा सकती है या नहीं. कोर्ट ने तीन सप्ताह में इस पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया.

इस संबंध में डेनियल दानिश ने जनहित याचिका दाखिल की है.

हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की बेंच में इस पर सुनवाई हुई. प्रार्थी ने याचिका में कहा है संथाल के जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज और गोड्डा जैसे झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी लोग घुसपैठ कर झारखंड आ रहे हैं. इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसे स्थापित किये जा रहे हैं, साथ ही जनजातीय युवतियों के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है, फिर स्थानीय बनकर जमीन हड़पने व आरक्षण समेत कई लाभ उठाए जा रहे हैं.

सूरत-ए-हाल : रांची सहित झारखंड की तमाम जेलों में प्रशासनिक छापों में कभी-कभार मिल जाती है खैनी और गुटखा

जेलों से अपराधी कॉल कर वसूलते हैं रंगदारी, रेड में जेल प्रशासन रह जाता है खाली हाथ

सौरभ सिंह। रांची

रांची सहित झारखंड की तमाम जेलों में बंद कुख्यात अपराधी मोबाइल फोन इस्तेमाल कर रहे हैं, यह जगजाहिर है. जेल से अपराधियों के द्वारा रंगदारी मांगे जाने के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं, लेकिन यह जानकर हैरानी जरूर होगी कि जेलों में जब पुलिस प्रशासन की टीम छापेमारी करने जाती है, तो मोबाइल फ़ोन बरामद नहीं होते हैं.

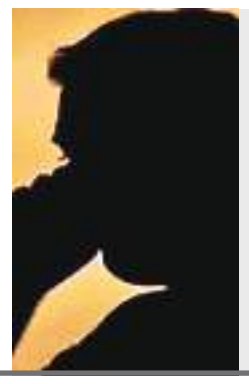

कभी-कभार मिलता है छोटा-छोटा सामान

छापेमारी के दौरान कभी कभार खैनी और गुटखा बरामद हो जाते हैं. जेलों में बंद रह कर भी ये अपराधी रंगदारी वसूलने का काम कर रहे हैं. इतना ही नहीं वो जेल से हत्याओं की साजिश भी रच रहे हैं. कई बड़े अपराधी जेल के अंदर से ही मोबाइल फोन के सहारे अपने गुर्गों के सहयोग से आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवाते हैं.

कई हत्या और रंगदारी की घटनाएं, जिसके तार जेल के अंदर बंद अपराधियों से जुड़े थे

1. रांची पुलिस ने अमन साहू गिरोह के प्रमोद सिंह और अमजद को गिरफ्तार किया था. प्रमोद ने पुलिस को बताया कि मेरे ही गांव के चंदन साव जो रांची जेल में बंद है, उसने 923498*94 से मेरे मोबाइल 834037079* पर व्हाट्सएप कॉल मैसेज किया था. बताया था कि मयंक सिंह उर्फ सुनील सिंह मीना और पलामू जेल में बंद अमन साहु ने ओरमांझी में भारत माला सड़क निर्माण कंपनी को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज कर जान से मारने की धमकी दी थी. उनसे 50 लाख रुपए प्रोटेक्शन मनी की मांग की थी.

2. हजारीबाग के बड़कागांव स्थित एनटीपीसी कोल परियोजना चट्टी में कोयला उत्खनन का काम कर रही ऋत्विक कंपनी के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर शरद कुमार की 9 मई 2023 को हत्या कर दी गयी थी. इस हत्या की साजिश पश्चिम बंगाल की कोलकाता जेल, दुमका सेंट्रल जेल और हजारीबाग सेंट्रल जेल में अप्रैल माह में बनी थी.

3. रांची के जमीन कारोबारी कमल भूषण के अकाउंटेंट संजय सिंह की हत्या की साजिश भी जेल में बंद डब्लू कुजूर और राहुल कुजूर ने रची थी.

4. रांची के बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातु के टोंटे चौक स्थित अखड़ा के पास छह जून 2023 की देर शाम बिट्टू खान उर्फ तनवीर आलम की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी. इस हत्याकांड की साजिश बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद राज वर्मा ने रची थी.

5. सरायकेला स्थित आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती के फिरोज अंसारी की हत्या मुस्तफा अंसारी ने करायी थी. मुस्तफा अंसारी ने अपने पिता साबिर हुसैन की हत्या का बदला लेने के लिए घाघीडीह सेंट्रल जेल में बंद अपनी बुआ ड्रग पेडलर डॉली परवीन के साथ मिल कर साजिश रची थी.

1989 के बाद जमशेदपुर से आठ बार कुरमी प्रत्याशी ही रहे विजयी

84 के बाद से जमशेदपुर में गुम हो गयी कांग्रेस, झामुमो-भाजपा का रहा दबदबा

आठ बार गैर कुरमी भी पहुंचे संसद

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में जमशेदपुर सीट बहुत ही हॉट सीट के रूप में जानी जाती है. 1989 तक इस सीट पर कांग्रेस की तूती बोलती थी. मगर जमशेदपुर में 89 तक ही कांग्रेस का दबदबा रहा. इसके बाद से जमशेदपुर में झामुमो और भाजपा का ही दबदबा रहा. वैसे 19 84 से ही जमशेदपुर से कांग्रेस की नैया डूबनी शुरू हो गयी थी. मगर सन 84 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उपजी सहानुभूति लहर में कांग्रेस के गोपेश्वर ने झामुमो के भारी-भरकम कुरमी नेता शैलेंद्र महतो को मात दे दी. अंततः अंतिम बार कांग्रेस वहां सन 84 में ही जीत पायी. आजादी के बाद जमशेदपुर सीट से आठ बार कुरमी एवं आठ बार गैर कुरमी सांसद बने. जमशेदपुर में करीब 5 लाख कुरमी और 3 लाख के करीब आदिवासी मतदाता ही किसी भी प्रत्याशी की जीत-हार तय करने में अहम भूमिका अदा करते हैं.

1989 में शैलेंद्र महतो ने कांग्रेस प्रत्याशी को दी मात : 1989 के आम चुनाव में झामुमो ने फिर से कुरमी नेता शैलेंद्र महतो को उम्मीदवार बनाया. उन्होंने कांग्रेस के उस समय के बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे चंदन बागची को हरा दिया. इसके बाद कांग्रेस ने वहां से कभी वापसी नहीं की.

1989 के बाद आठ बार से कुरमी प्रत्याशी ही विजयी होते आए हैं

लोकसभा चुनाव में जीत का जो सिलसिला शैलेंद्र महतो से शुरू हुआ वह केवल 2009 के आम चुनाव और 2011 के उपचुनाव में टूटा. नहीं तो 1989 के बाद वहां सबसे अधिक कुरमी प्रत्याशी ही विजयी रहे. 2019 में झामुमो ने वर्तमान सीएम चंपाई सोरेन को मैदान में उतारा. 2014 में टाटा स्टील के अधिकारी रहे निरूप मोहंती को टिकट दिया. मगर दोनों चुनाव में झामुमो की हार हुई.

झामुमो के सुनील महतो ने भाजपा को हैट्रिक बनाने से रोका था

2004 में झामुमो ने जमशेदपुर से सुनील महतो को प्रत्याशी बनाया. सुनील महतो ने भाजपा की आभा महतो को हैट्रिक बनाने से रोक दिया. इतना ही नहीं 1991 के बाद पुनः सुनील महतो ने यह सीट झामुमो के खाते में डाल दी. 2007 में सुनील महतो की हत्या के बाद झामुमो ने उनकी पत्नी सुमन महतो को टिकट दिया. सहानुभूति की लहर में सुमन महतो जीत दर्ज करने में सफल रहीं. इसके बाद 2009 में सुमन महतो भाजपा के अर्जुन मुंडा से हार गयीं.

2009 अर्जुन मुंडा और 2011 के उपचुनाव में गैर कुरमी रहे विजयी

भाजपा ने पहली बार नया प्रयोग करते हुए पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा को 2009 में चुनाव मैदान में उतारा. अर्जुन मुंडा पहली बार आदिवासी के रूप में वहां से चुनाव जीते. मगर बाद में उन्होंने मुख्यमंत्री बनाए जाने के कारण सांसदी से इस्तीफा दिया और 2011 में उपचुनाव हुए. इस समय भी पूर्व आईपीएस डॉ. अजय कुमार को पूर्ववर्ती झाविमो प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने मैदान में उतारा और विजयी रहे. वहीं 1996 में भाजपा ने झामुमो के शैलेंद्र महतो को हराने के लिए महाभारत के कृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज को मैदान में उतारा. इन्होंने शैलेंद्र महतो को पटकनी दे दी.

आठ बार रहे कुरमी प्रत्याशी बने सांसद

झामुमो से दो बार	: शैलेंद्र महतो
झामुमो से एक बार	: शैलेंद्र महतो
झामुमो से एक बार	: सुमन महतो
भाजपा से दो बार	: आभा महतो
भाजपा से दो बार	: विद्युतवरण महतो
गैर कुरमी भी रहे आठ बार विजयी	
भाकपा	: उदय शंकर मिश्रा
कांग्रेस	: एससी प्रसाद
कांग्रेस	: स्वर्ण सिंह
बीएलडी	: रुद्र प्रताप षाडंगी
कांग्रेस	: गोपेश्वर
भाजपा	: नीतीश भारद्वाज
भाजपा	: अर्जुन मुंडा
झाविमो	: डॉ. अजय कुमार

क्या इस बार विद्युतवरण महतो को हैट्रिक बनाने से रोक पाएगा झामुमो

कुरमी नेता विद्युत वरण महतो दो बार से भाजपा के सांसद हैं. इस बार यह सीट झामुमो के खाते में गयी है. इस बार इंडिया गठबंधन के पास विद्युत वरण महतो को हैट्रिक बनाने से रोकने का एक बड़ा कारण है. कुरमी समाज प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर भाजपा से नाराज चल रहा है. अगर ऐसे में झामुमो ने वहां पर दमदार प्रत्याशी उतारा, तो निश्चित तौर पर वह विद्युत वरण महतो को हैट्रिक बनाने से रोकने में सफल हो जाएगा.

2019 में किसको मिले कितने मत

- 2019 में इस सीट पर कुल 1703279 मतदाता थे. उस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बिद्युत वरण महतो को 679632 वोट हासिल हुए थे. इन्हें कुल मतदाताओं में से 39 .9 प्रतिशत का समर्थन प्राप्त हुआ, जबकि इस सीट पर डाले गए वोटों में से 59 .39 प्रतिशत इन्हें मिला. जीत का अंतर 302090 रहा था.
- दूसरे स्थान पर रहे झामुमो प्रत्याशी चंपाई सोरेन को 377542 वोट मिले थे. जो संसदीय सीट के कुल मतदाताओं में से 22 .17 प्रतिशत का समर्थन था. उन्हें कुल डाले गए वोटों में से 32 .99 प्रतिशत वोट मिले थे.

2014 में किसे मिले कितने मत

- 2014 के चुनाव में1581665 वोटर थे. भाजपा के विद्युत वरण महतो ने कुल 464153 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी. उन्हें कुल वोटरों में से 29 .35% ने समर्थन दिया था, और उन्हें उस चुनाव में डाले गए वोटों में से 44 .24% वोट मिले थे. जीत का अंतर 99876 रहा था.
- दूसरे स्थान पर रहे थे झाविमो के अजय कुमार, जिन्हें 364277 मतदाताओं का समर्थन हासिल हो सका था, जो लोकसभा सीट के कुल वोटरों का 23 .03 प्रतिशत था और कुल वोटों का 34 .72 प्रतिशत रहा था.
- जमशेदपुर में कुरमी करीब 5 लाख और आदिवासी 3 लाख बड़ा फैक्टर हैं. ये ही जमशेदपुर सीट में हार-जीत में अहम भूमिका अदा करते हैं.

घर वापसी के बाद कांग्रेस के नेताओं से मिल रहे गिरिनाथ

संवाददाता। रांची

भाजपा के टिकट की आस में लगे रहे गिरिनाथ सिंह ने आखिरकार फिर से राजद में घर वापसी कर ली. मगर अब उनके लिए राह आसान नहीं है. राजद भी वे चतरा से टिकट की आस में गए. मगर इस सीट पर कांग्रेस अपना दावा कर रही है. ऐसे में फिर से गिरिनाथ फंसे हुए नजर आ रहे हैं. अब वे खुद निजी तौर पर प्रयास में जुट गए हैं. गिरिनाथ सिंह दिल्ली पहुंच चुके हैं. वे दिल्ली में कांग्रेस नेताओं से मिलने के प्रयास में जुटे हैं. मंगलवार को वे झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर से मिलने पहुंचे. अब दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई. इसका खुलासा नहीं हो पाया है. मगर मिल रही जानकारी के अनुसार, गिरिनाथ सिंह इस प्रयास में जुटे हैं कि कांग्रेस उन्हें सिंबल दे दे. मगर यह कहां तक लॉजिकल हो पाएगा, यह आगे देखना होगा. क्योंकि चतरा से पहले से ही कांग्रेस के कई नेता ताल ठोक रहे हैं.

झामुमो ओडिशा के मयूरभंज, बंगाल के झारग्राम से उतारेगा अपना प्रत्याशी

संवाददाता। रांची

बिहार में भले ही झामुमो को एक भी सीट गठबंधन के तहत नहीं मिला. मगर झामुमो बंगाल और ओडिशा में प्रत्याशी उतारेगा. पार्टी स्तर पर इसका निर्णय हो चुका है. पार्टी ओडिशा में मयूरभंज और बंगाल में झारग्राम से प्रत्याशी उतारेगा. इसकी घोषणा जल्द की जाएगी. इतना ही नहीं साथ ही 19 विधानसभा में भी प्रत्याशी जेएमएम उतारेगा. बंगाल में वैसे भी इंडिया गठबंधन के बीच सीटों का तालमेल नहीं हो पाया है. बंगाल में टीएमसी, वामदल और कांग्रेस अकेले-अकेले चुनाव लड़ रही है. ओडिशा में भी इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ रही है. इसलिए झामुमो ने यह निर्णय लिया है.मयूरभंज लोकसभा सीट से वर्ष 2004 में झामुमो के सुदामा मरांडी सांसद चुने गये थे. इसके बाद झामुमो वर्ष 2009, 2014 व 2019 में वहां जीत दर्ज नहीं कर सकी. हालांकि वर्ष 2019 के चुनाव में झामुमो की अंजनी सोरेन 1.35 लाख से अधिक वोट लाकर तीसरे स्थान पर रही थी. इस बार झामुमो वहां फिर अंजनी सोरेन को ही उतारने पर विचार कर रहा है. संभावना है कि शुक्रवार तक बंगाल के झारग्राम व ओड़िशा के मयूरभंज सीट से प्रत्याशियों की घोषणा कर दी जाये.

लॉ यूनिवर्सिटी की स्टूडेंट के रेपिस्ट को हाईकोर्ट ने नहीं दी बेल

रांची। रांची के कांके में स्थित लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने वालों को हाईकोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया है. हाईकोर्ट ने लॉ कॉलेज की छात्रा के दुष्कर्मी राजन उरांव की ओर से दाखिल की गई जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है. प्रार्थी और सरकार का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका को ठुकराते हुए दोषियों को बेल देने से इंकार कर दिया. रांची के कांके स्थित लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा के साथ वर्ष 2019 में सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी. जिसके बाद जनवरी माह में रांची सिविल कोर्ट ने इस केस का स्पीडी ट्रायल के तहत निष्पादन करते हुए अपना फैसला सुनाया था. रांची सिविल कोर्ट के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश ने इस केस में 12 युवकों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी. इनमें षि तिर्की, सुनील उरांव, कुलदीप उरांव, संदीप तिर्की, राजन उरांव, नवीन उरांव, अमन उरांव, रोहित उरांव, बसंत कच्छप, रवि उरांव और अजय मुंडा का नाम शामिल है. सभी दोषी फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में सजा भुगत रहे हैं.

50 हजार घूस मांगने वाला अमीन गिरफ्तार, एसीबी ने की कार्रवाई

संवाददाता। रांची

खास बातें

- श्रवण कुमार को 10 हजार रुपये लेते रंगेहाथ पकड़ा
- 10 मिनट की कार्रवाई के बाद रांची ले आयी एसीबी टीम

जमीन की मापी के लिए 50 हजार घूस मांगने वाले अमीन को एसीबी ने गिरफ्तार किया है. एसीबी रांची ब्रांच की टीम ने मंगलवार को गुमला जिला के भरनो अंचल कार्यालय के अमीन श्रवण कुमार को गिरफ्तार किया. एसीबी ने श्रवण कुमार को दस हजार रूपया लेते रंगे हाथ उसके आवास से पकड़ा. करीब 10 मिनट की कार्रवाई के बाद एसीबी की टीम अमीन को अपने साथ रांची ले गई. भरनो का रहने वाला अनिल उरांव नाम के व्यक्ति ने एसीबी से शिकायत करते हुए कहा था कि अपनी 16 एकड़ 39 डिसमिल जमीन को ऑनलाइन कराने के लिए सीओ के पास आवेदन दिया था. सीओ द्वारा अनिल के आवेदन को अंचल निरीक्षक व कर्मचारी के पास भेजा गया. अंचल निरीक्षक और कर्मचारी द्वारा जमीन से संबंधित प्रतिवेदन दिया गया. दोबारा सीओ द्वारा जमीन मॉपी और जांच के लिए अनिल के आवेदन को अमीन श्रवण कुमार के पास भेजा गया. लेकिन इस काम के लिए अमीन श्रवण कुमार ने अनिल से 50 हजार रूपये घूस की मांग की थी.

सरेंडर करने वाले दो नक्सलियों को आर्थिक मदद देने का निर्देश

रांची। आत्मसमर्पण करने वाले दो नक्सलियों को आर्थिक सहायता मिलेगी. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के द्वारा रांची डीसी को दोनों नक्सलियों को आर्थिक सहायता की राशि आवंटित करने का निर्देश दिया गया है. नक्सली प्रेमनाथ उरांव के आश्रित को मकान का किराया देने के लिए 13,500 रुपए और नक्सली रश्मि महली के पुत्र के शिक्षण शुल्क के 23400 रुपए की आर्थिक सहायता दी गयी है. बता दें कि इन दोनों नक्सलियों ने रांची पुलिस के समक्ष सरेंडर किया था. रश्मि महली ने 18 मई 2011 को एक अन्य महिला नक्सली गीता गंझू के साथ रांची के तत्कालीन एसएसपी साकेत सिंह के समक्ष आत्मसमर्पण किया था. वहीं 5 जुलाई 2016 को माओवादियों के सिमडेगा सब जोन के सदस्य व कोलेबिरा के एरिया कमांडर प्रेमनाथ उरांव उर्फ प्रेमनाथ भगत ने दशम फॉल थाना के उद्घाटन के मौके पर तत्कालीन डीजीपी डीजीपी डीके पांडेय के समक्ष सरेंडर किया था.

छत्तीसगढ़ में अडाणी को इंटर कराने के लिए एक लोकप्रिय सरकार को बदनाम किया : भट्टाचार्य

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ आईएएस को सुप्रीम कोर्ट से क्लीनचिट मिलने पर झामुमो हुआ हमलावर

विशेष संवाददाता। रांची

छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और उनके पुत्र यश कोदो हजार करोड़ के शराब घोटाले में सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चीट मिलने पर झामुमो केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा पर जोरदार राजनीतिक हमला किया. झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केवल और केवल छत्तीसगढ़ के बस्तर और हसदेवा जंगल में अडाणी को माइनिंग के कराने के लिए एक लोकप्रिय सरकार को बदनाम किया गया.

अब जाकर हसदेवा जंगल में देखें, पेड़ काटे जा रहे हैं, जंगल का सफाया किया जा रहा है. पहले चंढ़ीगढ़ मेयर चुनाव, फिर इलेक्ट्रॉल बांड और बघेल को क्लीन चीट देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का बहुत-बहुत आभार. अब यह साबित होता रहा है किस प्रकार से केंद्र की मोदी सरकार अपने बिजनेश पार्टनरों को धंधा देने के लिए, विपक्षी दलों को अपने पाले में करने के लिए ईडी, सीबीआई और आईटी का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है. आज चुनाव में भाजपा का हर तीसरा प्रत्याशी दूसरे दल से आए हैं जो भ्रष्टाचार के आरोपी हैं. इसलिए इस देश में मोदी जी सबसे बड़े भ्रष्टाचारियों और परिवारवाद के पोषक के रूप में उभरे हैं. यह बातें भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

- झारखंड में भी एक सिविल नेचर के मामले को मनी लॉन्ड्रिंग का मामला करार देकर लोकप्रिय नेता हेमंत को जेल भेज दिया गया
- नरेंद्र मोदी देश के सबसे बड़े भ्रष्टाचारियों और परिवारवाद के पोषक, भाजपा का हर तीसरा प्रत्याशी दूसरे दल से आए भ्रष्टाचार के आरोपी

धीरज साहू को भी बदनाम करने का हुआ प्रयास

भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड के एक अंतर्राज्यीय व्यवसायी धीरज प्रसाद साहू को बदनाम और परेशान करने का काम इनकम टैक्स के माध्यम से कराया. इसको लेकर पीएम मोदी भी कुद गए. कहा कि 300 करोड़ की इतनी बड़ी रकम अपने जीवन में नहीं देखी है. मगर क्या हुआ? क्योंकि धीरज साहू ने एक-एक पाई का हिसाब-किताब आईटी को दे दिया. कैसे विपक्षी नेताओं का केंद्रीय एजेसियों के माध्यम से परेशान किया जाए, उनके चरित्र का चीरहरण किया जाए. यह भाजपा कर दिखा रही है.

हेमंत सरकार को बदनाम करने की रची गयी साजिश

भट्टाचार्य ने कहा कि ठीक इसी प्रकार से झारखंड के लोकप्रिय सरकार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को परेशान करने, उन्हें और झारखंड को बदनाम करने के लिए साजिश रची गयी. पहली बार देश में एक सिविल नेचर के मामले को मनी लाऊंड्रिंग का मामला बताते हुए उन्हें गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया. केवल इसलिए कि भाजपा एक आदिवासी मुख्यमंत्री को पचा नहीं पा रही थी. उसके कार्यों को हजम नहीं कर पा रही थी. हेमंत सोरेन लोकसभा चुनाव में प्रचार नहीं कर पाएं, इसकी पूरी सोची समझी रणनीति के तहत उन्हें गिरफ्तार किया गया.

निर्देश लोकसभा चुनाव को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की बैठक

अवैध नकदी, शराब व मादक पदार्थ पर रखें कड़ी नजर

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक की. निर्वाचन भवन के कॉन्फ्रेंस कक्ष में आयोजित बैठक में उन्होंने स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त निर्वाचन संपन्न कराए जाने के लिए धन-बल के जोखिम पर अंकुश लगाने का निदेश दिया. उन्होंने अवैध नगदी, अवैध शराब, मादक पदार्थ एवं अन्य वस्तुओं पर विशेष नजर रखते हुए सख्ती से कार्रवाई करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के बीच निकट समन्वय के जरिए चुनाव प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को लुभाने के लिए तस्करी के सामानों एवं अवैध वस्तुओं के नाजायज उपयोग पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है. उन्होंने वाहनों पर अनाधिकृत रूप से राजनीतिक दलों के बोर्ड, बैनर, झंडा लगा कर आवाजाही करने वालों पर कड़ी निगरानी रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई का निर्देश दिया. साथ ही कहा कि ई-वे बिल के बिना अगर वस्तुओं को कहीं ले जाया जा रहा है, तो यह सब मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयास को दिखाता है. ऐसे कार्य करने वालों के विरुद्ध भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के तहत तत्काल कड़ी कार्रवाई करें. उन्होंने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों से प्राप्त जब्ती का रियल टाइम रिपोर्टिंग आवश्यक है.

इसके लिए आयोग द्वारा निर्वाचन जब्ती प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिसका सार्थक उपयोग किया जाना चाहिए. उन्होंने प्रर्वतन एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय कर रियल टाइम रिपोर्टिंग एवं रिकॉर्ड कीपिंग करने का निर्देश दिया. उन्होंने मुफ्त उपहार की सामग्रियों की आवाजाही पर सख्ती से निगरानी रखने का भी निदेश दिया. बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, डॉ. नेहा अरोड़ा, पुलिस उपमहानिरीक्षक संचार एवं तकनीकी सेवाएं सह राज्य नोडल पदाधिकारी (ईईएम) झारखंड अश्विनी कुमार सिन्हा सहित राजस्व विभाग भारत सरकार के एडिशनल कमिश्नर सुवेन दास गुप्ता, वाणिज्य कर आयुक्त संतोष कुमार वत्स, संयुक्त परिवहन आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के असिस्टेंट मैनेजर (ऑपरेशन) राकेश कुमार यादव, आरपीएफ , रेलवे एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

लंबित गैर जमानती वारंट के निष्पादन को लेकर हुई बैठक

संवाददाता। रांची

चुनाव आयोग ने लिया था संज्ञान

झारखंड के 24 जिलों में 6021 लंबित गैर जमानती वारंट के निष्पादन को लेकर मंगलवार को समीक्षा बैठक हुई. यह बैठक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई. जिसमें सभी जिलों के डीसी और एसपी शामिल हुए. इस दौरान गैर जमानती वारंट के तेजी से निष्पादन करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए. गौरतलब है कि वारंट के निष्पादन के लंबित होने की वजह से चुनाव आयोग ने संज्ञान लिया था. इस मामले को लेकर चुनाव आयोग ने झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखा था. लिखे पत्र में कहा था कि ईसीआई पोर्टल पर प्रस्तुत दैनिक कानून और व्यवस्था रिपोर्टों का उल्लेख करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें बताया गया है कि झारखंड में एक अप्रैल तक सिर्फ 176 गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) निष्पादित किए गए हैं. जबकि 6021 गैर जमानतीय वारंट निष्पादन के लिए लंबित हैं. इस संबंध में गैर-जमानती वारंट के निष्पादन में तेजी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया गया था.

रिम्स निदेशक को आज हाइकोर्ट में किया तलब

रांची। रिम्स में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, बुनियादी सुविधा दिलाने, एमआरआइ मशीन सहित अन्य चिकित्सा उपकरण को ऑपरेशनल रखने आदि को लेकर दायर ज्योति शर्मा की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई. मामले में खंडपीठ ने रिम्स निदेशक की ओर से कोर्ट के आदेश के बावजूद जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई. कोर्ट ने बुधवार को रिम्स निदेशक को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होकर जवाब देने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने 13 मार्च को रिम्स निदेशक को शपथ पत्र दाखिल कर बताने को कहा था कि रिम्स में एमआरआई मशीन सहित कितनी चिकित्सा मशीन फंक्शनल है ? कितनी मशीनें अभी खराब हैं.

www.lagatar.in

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

बुधवार 10 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल 02 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 2

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वासंतिक नवरात्र

द्वितीयं ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्षमाला-कमण्डलू ।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा॥

वासंतिक नवरात्र के दूसरे दिन नवदुर्गा यात्रा क्रम में दूसरी देवी ब्रहमचारिणी की पूजा-अर्चना एवं दर्शन का विधान है. ब्रह्मचारिणी के ब्रह्म शब्द का अर्थ तपस्या और चारिणी का अर्थ है आचरण करनेवाली. इस प्रकार ब्रह्चारिणी का अर्थ है तप का आचरण करनेवाली. मां ब्रह्चारिणी श्वेत वस्त्र धारण करती हैं. उनके एक हाथ में कमंडल है तो दूसरे में अक्षमाला. मान्यता के अनुसार मां ब्रह्मचारिणी देवी की कृपा से सर्वसिद्धियां प्राप्त होती हैं. आदिशक्ति ने पर्वतराज हिमालय की पुत्री के रूप में अवतार लिया था, जिन्हें पार्वती कहा गया. पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के उद्देश्य से कठिन तपस्या की थी, जिससे उन्हें तपश्चारिणी या ब्रह्मचारिणी की संज्ञा मिली. वे निराहार रह कर शिव की आराधना करती रहीं. इस क्रम में उन्होंने पत्ते तक खाना छोड़ दिया था, तब उन्हें अपर्णा कहा गया. भगवती दुर्गा के इस विग्रह का संदेश स्पष्ट है कि जीवन के कठिन संघर्षों में भी मन विचलित नहीं होना चाहिए.

- डॉ विनय कुमार पांडेय

धनबाद जेल के 'हैवीवेट' कैदियों का घट रहा वजन, जेल प्रशासन की सख्ती से आम व खास कैदी के बीच का फर्क मिटा

तिवारी होटल का मटन, आइएसएम गेट की बिरयानी का स्वाद भूलने लगे कैदी

अमित सिन्हा। धनबाद

धनबाद जेल में बंद 'हैवीवेट' कैदियों का वजन घटने लगा है. कुख्यात गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या से पहले जेल के अंदर दबंग कैदियों का पसंदीदा व्यंजन मटन एवं बिरयानी थी. लेकिन, अमन की हत्या के बाद जिला प्रशासन ने सख्ती बरती और बाहर के खाने पर पूर्णरूपेण प्रतिबंध लगा हुआ है. ऐसे में कैदियों को तिवारी होटल का मटन और आइएसएम गेट की बिरयानी नसीब नहीं हो रही है. जेल के भीतर चलने वाले कैंटीन को भी बंद कर दिया गया है. वहीं, कैदियों के घरों से आने वाले खाने पर भी रोक लगी हुई है, जिसके कारण जेल के सभी कैदियों को एक तरह का भोजन खाना पड़ रहा है. आम कैदियों के साथ दबंग और वीआईपी कैदियों को भी जेल में बनने वाले भोजन को ही खाना पड़ रहा है. जेल के भीतर कपड़ों एवं अतिआवश्यक सामग्री को छोड़ कर सभी सामानों के प्रवेश पर रोक लगी हुई है. जेल के भीतर जाने वाले सामान की सघन जांच हो रही है, इसके बाद ही उसे अंदर भेजा जा रहा है. अमन सिंह की हत्या के समय जिले के डीसी रहे वरूण रंजन की सख्ती एवं लगातार जेल में छापेमारी की वजह से जेल के भीतर बिगड़ी व्यवस्था में बदलाव आया है.

इसी बदलाव के कारण दबंग कैदियों के मुंह लगे मटन एवं बिरयानी की जगह जेल में बनने वाला खाना ही नसीब हो रहा है. तत्कालीन डीसी वरुण रंजन ने लगातार जेल में छापामारी कर स्थिति में सुधार लाने की कोशिश की थी. उस कोशिश का असर अभी भी नजर आ रहा है. यही कारण है कि जेल के भीतर आम और खास कैदी के बीच का फर्क मिट गया है.

- गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या के बाद बाहर के खाने पर प्रतिबंध
- दबंग व वीआईपी कैदियों को भी खाना पड़ रहा जेल का भोजन

मोबाइल के इस्तेमाल पर पूरी तरह लगी है रोक

जेल के भीतर से 24 घंटे मोबाइल का इस्तेमाल करनेवाले कैदियों के पास अब एक कॉल करने का जुगाड़ नहीं है. पिछले दिसंबर महीने में हुई अमन सिंह की हत्या के बाद से जेल प्रशासन की सख्ती ने मोबाइल के इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है. मोबाइल पर प्रतिबंध लगने से जिले में आपराधिक घटनाओं में भी अप्रत्याशित कमी आयी है. जेल में बंद गैंग के आकाओं से उसके गुर्गों का संपर्क नहीं होने के कारण गोलीबारी जैसी घटनाएं पूरी तरह थम गई हैं. वहीं धमकी देकर टेंडर मैनेज करने के खेल पर भी विराम लग गया है. बीते दिनों जेल के भीतर से अपराधी, ठेकेदारों को फोन कर धमकी देते थे. साथ ही कई विभागों के टेंडर को मैनेज कराते थे. इन विभागों के ठेकेदारों को अब जेल के भीतर से फोन आने बंद हो गए हैं.

हत्यारोपी की मौत के बाद परिजन ने कोयल पुल के पास किया सड़क जाम

शव के साथ तीन घंटे प्रदर्शन

संवाददाता। मेदिनीनगर

पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कल्याणपुर गांव निवासी व हत्यांकांड के आरोपी अजय चौधरी की मौत के बाद मंगलवार सुबह परिजन व ग्रामीण उग्र हो गये. चैनपुर चेक पोस्ट के पास शव को सड़क पर रख कर कोयल पुल को जाम कर दिया गया. इस दौरान ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. दरअसल, पलामू पुलिस ने जेल में बंद अजय चौधरी को पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया था. परिजनों का आरोप है कि शनिवार को अजय चौधरी को पुलिस ने रिमांड पर लेकर उसके साथ मारपीट की, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई. उन्होंने पुलिस पर अजय की हत्या करने का आरोप लगाया है. हालांकि, पलामू पुलिस ने इन आरोपों से इनकार किया है. पुलिस का कहना है कि पूछताछ करने के बाद अजय चौधरी को वापस जेल भेज दिया गया था. सांस की बीमारी कारण उसकी तबीयत बिगड़ गयी, जिसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था. स्थानीय अस्पताल में उसकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ, तो बेहतर इलाज के लिए उसे रांची के रिम्स भेज दिया गया. रिम्स में ही इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी.

इधर, रांची रिम्स में पोस्टमार्टम के बाद अजय चौधरी के शव को कल्याणपुर स्थित उसके घर लाया गया. इसके बाद सुबह करीब सात बजे परिजन व ग्रामीणों ने कोयल पुल के पास सड़क जाम कर दिया. इस दौरान टायर जला कर विरोध जताया गया. पुलिस ने आशंका को देखते हुए कल्याणपुर मुख्य सड़क मार्ग पर बैरिकेडिंग कर दी थी, लेकिन आक्रोशित लोग बैरिकेडिंग तोड़ते हुए शव लेकर आगे बढ़ गए. प्रदर्शनकारी अजय की मौत के दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे. पुल जाम होने के कारण मेदिनीनगर-गढ़वा मार्ग प्रभावित रहा. जाम में कई यात्री वाहन व स्कूल बसें फंसी रहीं.

यदि पुलिस की पिटाई से मौत हुई है, तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई हो सकती है. मनोज चौधरी की मौत मामले में सुपरविजन होगा, जो दोषी नहीं होंगे उनका नाम केस से हटा दिया जाएगा. प्रावधान के अनुरूप पीड़ित परिवार को मुआवजा दिया जाएगा.

-राकेश कुमार, एएसपी, पलामू

- दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे परिजन
- परिजनों ने पुलिस पर लगाया रिमांड में पिटाई का आरोप
- पुलिस का दावा- पूछताछ के बाद आरोपी को भेजा जेल

अजय चौधरी ने किया था सरेंडर मौत की न्यायिक जांच हो : सतीश

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी ने चैनपुर थाना अंतर्गत सेमरटाड़ निवासी अजय चौधरी की मौत की न्यायिक जांच की मांग की गई है. आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार ने कहा कि अजय चौधरी ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था. परिजनों के अनुसार, पुलिस ने उसे रिमांड में काफी टॉर्चर किया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई. इसके बाद जेल प्रशासन ने उसे इलाज के लिए मेदिनीनगर स्थित एमएमसीएच भेज दिया. वहां पर भी स्थिति ठीक नहीं होने के बाद अजय चौधरी को रांची के रिम्स भेज दिया गया. आजसू पार्टी के साचिव ने दोषी पुलिसकर्मियों पर धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज कर शीघ्र गिरफ्तार करने एवं मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की.

एएसपी की ओर से निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिलने के बाद जाम हटाया

प्रदर्शन उग्र होता देख शुरुआत में चैनपुर थाना प्रभारी ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण नहीं माने. कुछ देर बाद सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद पहुंचे, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उनकी भी एक नहीं सुनी और एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े थे. एएसपी राकेश कुमार ने आश्वासन दिया कि अजय चौधरी की मौत की निष्पक्ष जांच होगी और जो भी दोषी होगा, उसे सजा मिलेगी. इसके बाद आक्रोशित लोग शांत हुए और करीब तीन घंटे बाद सुबह नौ बजे जाम खत्म हुआ. उधर, जेल से मृतक के पिता सुरेश उर्फ ननहक चौधरी के आने के बाद अजय चौधरी के शव का दाह संस्कार किया गया.

जमशेदपुर व खूंटी में वाहन जांच में 12.18 लाख रुपये मिले

खास बातें

- जमशेदपुर में छह बाइक की जांच में मिले 11.16 लाख
- पूछताछ में संतोषजनक जबाव नहीं दे सके बाइक सवार

संवाददाता। जमशेदपुर

लोकसभा चुनाव के बीच वाहन जांच के दौरान नकदी पकड़ाने का सिलसिला जारी है. इस कड़ी में मंगलवार दोपहर जमशेदपुर ग्रामीण पुलिस ने झारखंड-ओडिशा बार्डर पर कोवाली थाना क्षेत्र के तिरिंग चेकपोस्ट में वाहन चेकिंग के दौरान छह बाइक से कुल 11 लाख 16 हजार 550 रुपये बरामद किए.

सभी आरोपी बंगाल और ओडिशा के रहनेवाले हैं. उनका कहना था कि वे लोग फेरी करते हैं. जब पुलिस ने रुपयों से संबंधित कागजात मांगे, तो वो कुछ भी बताने में असमर्थ थे. इसके बाद पुलिस ने रुपये जब्त कर कार्रवाई शुरु कर दी.

इन वाहनों से मिले रुपये : डब्ल्यूबी 68 एजे 2131 से तीन लाख 86 हजार 676 रुपये , डब्ल्यूबी 68 एए 3448 से 23 हजार 114 रुपये, डब्ल्यूबी 68 एएच 0716 से दो लाख एक हजार 760 रुपये, ओडी 09 टी 6210 से तीन लाख, डब्ल्यूबी 62 एस 0383 से 1.45 लाख और डब्ल्यूबी 68 एएस 7207 से 60 हजार रुपये बरामद किए गए.

खूंटी में 1.02 लाख कैश, सोना व एक किलो चांदी बरामद

खूंटी। जिले के मुरहू व तपकारा थाना क्षेत्र में गाड़ियों की तलाशी ली गई. इस दौरान पुलिस ने एक लाख रुपए से अधिक कैश, सोना व चांदी बरामद किए हैं. जानकारी के मुताबिक, मुरहू थाना क्षेत्र के बांदे गांव के पास खूंटी-चाईबासा मुख्य मार्ग पर वाहनों की तलाशी ली जा रही थी. इसी क्रम में मुरहू अंचलाधिकारी एवं पुलिस दल के संयुक्त जांच अभियान में एक लाख दो हजार 890 रुपये बरामद किए गए. दूसरी ओर तपकरा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान एक किलो चांदी और चार ग्राम सोना पुलिस ने बरामद किया है.

ब्रीफ खबरें

नगर निकाय चुनाव मामले में पक्षकारों को नोटिस

रांची। झारखंड हाईकोर्ट की डबल बेंच ने सिंगल बेंच के राज्य सरकार को तीन हफ्ते में निकाय चुनाव की घोषणा करने के आदेश पर मंगलवार को सुनवाई की. कोर्ट ने सभी पक्षकारों को नोटिस जारी किया है. दरअसल, राज्य में नगर निगम और निकायों का चुनाव जल्द कराने की मांग पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए चार जनवरी को आदेश पारित किया था. मंगलवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच ने इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा दायर लेटेस्ट पेटेंट अपील पर सुनवाई की.

देसी कट्टा के साथ एक गिरफ्तार, दो फरार

धनबाद। झरिया के घनुडीह मोहरीबांध में पुलिस ने देसी कट्टा लेकर घूम रहे एक युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक के पास से दो कारतूत भी बरामद हुआ है. सिंदरी एसडीपीओ भूपेंद्र प्रसाद राउत ने मंगलवार को तिसरा थाना में प्रेसवार्ता कर जानकारी दी. गिरफ्तार युवक की पहचान अनिल चौहान उर्फ कारू चौहान के रूप में हुई है. एसडपीओ ने बताया कि सोमवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि मोहरीबांध के पास कुछ अपराधी बड़ी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से जमा हुए हैं. इसके बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम गठित कर तुरंत छापामारी की गई.

10 लाख की ठगी में तीन गिरफ्तार

बीसीसीएल के सेवानिवृत्त जीएम एके दत्ता से की गई थी साइबर ठगी

- तीनों आरोपी मुंगेर के रहने वाले
- मोबाइल लोकेशन से मिला सुराग

संवाददाता। धनबाद

बीसीसीएल के सेवानिवृत्त जीएम एके दत्ता से 10 लाख रुपये की ठगी मामले में साइबर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. तीनों आरोपी बिहार मुंगेर जिला के रहनेवाले हैं. गिरफ्तार आरोपियों में कासिम बाजार निवासी गुलशन कुमार, बेटवान बाजार निवासी गौरव कुमार और बेलन बाजार निवासी आदित्य कुमार शामिल है. पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त मोबाइल भी

बरामद कर लिया है.

ज्ञात हो कि साइबर ठगों ने पूर्व जीएम को फोन कर कहा था कि ऑनलाइन बैंकिंग के लिए 42 हजार रुपए का चार्ज उन पर है. बैंक की एक स्कीम है, जिससे ये चार्ज माफ हो जाएगा. साइबर ठगों ने पूर्व जीएम को झांसे में लेकर उनसे नौ लाख 95 हजार रुपये की ठगी कर ली थी. इस मामले को लेकर ग्रामीण एसपी ने एक टीम गठित की थी.

अनुसंधान में मिले साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर टीम ने मुंगेर से तीनों आरोपियों को दबोच लिया. तीनों के पास से मोबाइल, पासबुक, क्रेडिट कार्ड समेत अन्य सामान जब्त किए गए हैं. तीनों को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

अमरनाथ गिरोह का शूटर हथियार के साथ धराया

जमशेदपुर। अमरनाथ गिरोह का सक्रिय शूटर राहुल सिंह उर्फ राहुल कुतू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उसे मंगलवार सुबह मानगो पुल के नीचे दुर्गा मंदिर के पास से दबोचा गया. तलाशी में राहुल के पास से एक कट्टा और दो गोली बरामद किया गया है. जानकारी देते हुए एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल क्षेत्र में किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा है. इसी बीच मानगो पुल के पास उसे देखा गया. पुलिस को देख राहुल भागने लगा. हालांकि उसे खदेड़कर पकड़ लिया गया. एसएसपी ने बताया कि हत्याकांड के कई मामले में राहुल फरार चल रहा था.

राजमहल से विजय हांसदा और सिंहभूम से जोबा मांझी झामुमो प्रत्याशी घोषित

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने अपनी और दो सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिये हैं. पार्टी ने एक बार फिर से राजमहल से अपने सिटिंग

एमपी विजय हांसदा को प्रत्याशी बनाया है. वहीं गीता कोड़ा के भाजपा में जाने के बाद झामुमो के खाते में आयी सिंहभूम सीट से मनोहरपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री जोबा मांझी को मैदान में उतारा है. अब झामुमो के हिस्से आये पांच में से चार सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है. इसके पूर्व गिरिडीह से विधायक मथुरा प्रसाद महतो और दुमका से विधायक नलिन सोरेन को प्रत्याशी बनाया गया था. अब केवल जमशेदपुर सीट से झामुमो को अपना प्रत्याशी घोषित करना शेष रह गया है.

झापा ने कहा- लोबिन की इच्छा के अनुसार पार्टी उन्हें प्रत्याशी बनाएगी

झामुमो के बागी विधायक लोबिन हेंब्रम ने इस ऐलान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है. उन्होंने कहा कि विजय हांसदा किसी भी कीमत में विजयी नहीं होंगे. उन्होंने राजमहल के लिए कुछ नहीं किया. केवल व्यापार किया. उन्होंने ऐलान किया कि वह राजमहल से निर्दलीय मैदान में उतरेंगे. झापा के सहयोग पर उन्होंने कहा कि अभी उनसे बात नहीं हुई है. इधर, झापा महासचिव अशोक कुमार भगत ने कहा कि अभी राजमहल से प्रत्याशी घोषणा या लोबिन के निर्दलीय उतरने की जानकारी नहीं है. निश्चित रूप से लोबिन दा अगर चुनाव लड़ते हैं, तो उनकी इच्छा अनुसार उन्हें पार्टी का प्रत्याशी बनाया जाएगा या फिर समर्थन दिया जाएगा. उनसे बात करके जल्द ही घोषणा की जाएगी.

मांग बढ़ी ### फिर से लौट आया मिट्टी के बर्तनों का दौर, कुम्हारों ने भी अपने पुश्तैनी धंधे को बना लिया आधुनिक

गर्मी के दस्तक देते ही देसी फ्रिज ऑन डिमांड, खरीदारी तेज

रणजीत कुमार सिंह। धनबाद

गर्मी के दस्तक देते ही धनबाद में देसी फ्रिज यानी मिट्टी का घड़ा, सुराही और मिट्टी के बोतल की मांग बढ़नी शुरू हो गई है. आधुनिकता की दौड़ में भी कुम्हारों द्वारा बनाये गये बर्तन बाजार में खूब बिक रहे हैं. शहर के डीआरएम चौक, बरटांड़ बस स्टैंड, हीरापुर, झरिया लक्ष्मीनिया मोड़ आदि क्षेत्रों में मिट्टी की सोंधी खुशबू लिए देसी फ्रिज का बाजार तैयार है. गला तर करने के लिए लोग इसकी खरीदारी करने लगे हैं.

हालांकि अभी इतनी तेज गर्मी नहीं पड़ रही है, फिर भी लोगों ने व्यवस्थाएं करनी शुरू कर दी है. गर्मी के सीजन में लोग फ्रिज का पानी पीने के बजाए मटके के पानी से गला तर करना ज्यादा पसंद करते हैं. घड़े में मिट्टी का सोंधापन व पानी की तासीर भी अलग ही होती है. बोकारो जिला अंतर्गत चंदनक्यारी आसनबनी से घड़ा, सुराही व मिट्टी से बने बॉटल लेकर पहुंचे बिंदु कुम्भकार धनबाद के डीआरएम चौक के समीप फुटपाथ पर दुकान लगाकर बिक्री कर रहे हैं. बिंदु ने कहा कि मिट्टी का बर्तन बनाना उनका पुश्तेनी धंधा है. पिछले चार वर्षों से डीआरएम चौक के समीप गर्मी के सीजन में मिट्टी से बने बर्तन की दुकान लगा रहे हैं. काफी अच्छी बिक्री होती है.

खास बात

- गला तर करने के लिए मटके का पानी लोगों को पसंद

तीन दिनों में बिक गये 200 घड़ा, सुराही व मिट्टी के बोतल

बिंदु कुम्भकार ने कहा कि तीन दिन पूर्व 300 सौ मिट्टी का घड़ा, सुराही और बॉटल मंगाया था. घड़ा की कीमत 250 , बड़ा सुराही 220, छोटा सुराही 180 और मिट्टी के बोतल की कीमत 90 रुपये है. इसमें मात्र 100 पीस बचा है. गर्मी के सीजन में इसका काफी डिमांड है. लोग फ्रिज का ठंडा पानी पीने के बजाय आज भी मिट्टी से बने घड़े और सुराही की पानी पीना ज्यादा पसंद करते हैं. हालांकि खरीदार मिट्टी से बने बर्तन का मोल भी मिट्टी के जैसा ही लगाते हैं. उन्हें लगता है मिट्टी तो यूं ही मिल जाती है. लेकिन, जो मिट्टी पहले 700 रुपये प्रति ट्रैक्टर मिलती थी, वह अब 2000 से 2500 रुपये प्रति ट्रैक्टर मिल रही है.

फिर से पुरानी परंपराओं की ओर बढ़ रहा लोगों का रुझान

देसी फ्रिज की खरीदारी कर रहे केंदुआ के राजीव पासवान और धनबाद के सुभाष सिंह ने बताया कि फिर से मिट्टी के बर्तन का दौर आ गया है. कुम्हारों ने भी अब अपनी पुश्तैनी धंधे को आधुनिक बना लिया है. जहां पहले यह समाज केवल मिट्टी से मटके और थोड़े बहुत ही समान बनाता था. उसने अब मिट्टी से घर में इस्तेमाल होने वाला हर बर्तन बनाकर तैयार कर लिया है. लोग भी इस आधुनिकता के दौर में फिर से पुरानी परंपराओं को अपना रहे हैं. इससे लोगों को कई फायदे भी हो रहें हैं. खास कर गर्मी के सीजन में घड़ा और सुराही का पानी पीने से गले को राहत मिलती है. वहीं फ्रिज का पानी पीने से गले में खराश आ जाती है.

युवक की लाश मिली, गला रेत कर हत्या की आशंका

संवाददाता। चांडिल

थाना क्षेत्र में बीते सोमवार रात धारदार हथियार से गला रेत कर एक युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है. चैनपुर में मृतक के घर से करीब आधा किलोमीटर दूर सुनसान जगह पर लाश मिली है. मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने सुनसान जगह पर युवक की लाश देखी, तो इसकी सूचना तत्काल उसके घर वालों के साथ चांडिल थाना को थी. मृतक की पहचान चैनपुर निवासी बुद्धो माझी के 19 वर्षीय पुत्र विनय माझी के रूप में की गयी है.

जांच के क्रम में मृतक के गले में धारदार हथियार से रेतने का निशान मिला है. लाश के पास ही पुलिस ने सब्जी काटनेवाला एक छोटा चाकू भी

- लाश के पास से खून लगा एक छोटा चाकू बरामद

बरामद किया है. चांडिल थाना प्रभारी वरुण यादव ने कहा कि प्रथम दृश्यता गला रेत कर हत्या का मामला प्रतीत हो रहा है. पुलिस को एक छोटा चाकू भी मिला है, जिसमें खून के निशान लगे हैं. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया.

ब्रीफ खबरें

बिजली चोरी को लेकर विभाग ने मारा छापा

धनबाद। महाप्रबंधक अशोक सिन्हा के निर्देश पर बिजली विभाग द्वारा मंगलवार को बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया गया. बिजली चोरी मामले में विभाग ने धनबाद सर्किल में 31 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया है. विभाग ने धनबाद सर्किल में कुल 235 जगहों में रेड किया. जिसमें 5 लाख 85 हजार रुपये फाइन किया गया. बता दें कि धनबाद डिवीजन में 52 जगहों पर हुई छापेमारी में आठ लोगों पर केस दर्ज कराया गया.

हर हिन्दू घर में भगवा ध्वज जरूर लगाएं: पंकज

तेतुलमारी। हिन्दू नव वर्ष पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने मंगलवार को पाण्डेडीह बाजार स्थित मां दुर्गा मंदिर मे शाखा लगाकर लोगों को हिन्दू नव वर्ष की जानकारी विस्तार रूप से दिया. भगवा ध्वज हर हिन्दू के घर-घर में लगाने की बात कही. नगर कार्यवाहक पंकज सिंह ने कहा कि वर्तमान युग में लोग पुरानी संस्कृति को छोड़कर नये नियम को अपना रहे हैं.

पड़ोसी पर लगा नाबालिग को भगाने का आरोप

तेतुलमारी। एक बच्चे के बाप पर पड़ोस की रहनेवाली एक नाबालिग को भगाकर ले जाने का आरोप लगा है. इस संबंध में नाबालिग के पिता ने तेतुलमारी थाना की पुलिस को शिकायत देकर अपनी पुत्री को ढूंढ निकालने की फरियाद की है. शिकायत के आलोक पर पुलिस छानबीन में जुट गई है. मामला दो दिन पूर्व की है. दोनों पाण्डेडीह बाजार के बताये जाते हैं.

चुनाव के मैदान में उतरी थर्ड जेंडर सुनैना

धनबाद। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजते ही चुनाव में हर जाति और हर समुदाय के लोग अपनी भागीदारी और हिस्सेदारी की बात कर रहे हैं. धनबाद लोकसभा सीट से थर्ड जेंडर सुनैना सिंह ने भी चुनाव लड़ने के लिए ताल ठोक दी है. पहले वो निर्दलीय ही चुनाव लड़ रही थीं. मंगलवार को उन्होंने बताया कि धनबाद लोक सभा से भारतीय एकता पार्टी ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है. उ

बरवाअड्डा में भारी मात्रा में शराब जब्त

बरवाअड्डा। बरवाअड्डा पुलिस ने मुर्राडीह आमटांड़ में अवैध रूप से शराब बेचे जाने की गुप्त सूचना पर कार्रवाई कर शराब जब्त किया. सूचना पर पुलिस ने छापामारी कर बीयर की 10 बोतल, मेकडोवेल नंबर वन 375 एलएल नौ पीस व मेकडोवेल नीप 33 पीस जब्त किया.

नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को बीस वर्ष की सजा

संवाददाता। धनबाद

मिला दंड

- दुष्कर्म के आरोपी राकेश महतो को बीस वर्ष की कैद
- मधुबन थाने में सात अप्रैल 22 को केस दर्ज हुआ था

नाबालिग से दुष्कर्म करने के एक मामले में मंगलवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया. धनबाद पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने मामले के नामजद आरोपी सहाना खरखरी निवासी राकेश महतो को बीस वर्ष की कैद एवं पंद्रह हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया. सोमवार को अदालत ने उसे दोषी करार दिया था. अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए मंगलवार की तारीख निर्धारित की थी. प्राथमिकी पीड़िता के माता के शिकायत पर मधुबन थाने मे सात अप्रैल 22 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 31 मार्च 22 को पीड़िता कपड़ा सिलवाने की बात कह कर घर से निकली, परंतु शाम तक वापस घर नहीं आई. खोजबीन पर पता चला कि राकेश महतो शादी का प्रलोभन देकर नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले गया है. आरोप था कि आरोपी ने पीड़िता को चार महीने तक हरियाणा में रखा. उसके साथ विवाह किया और कई बार दुष्कर्म भी किया. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 15 सितंबर 22 को राकेश के विरुद्ध आरोप पत्र दायर किया था. 21 नवंबर 22 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. सुनवाई के दौरान अभियोजन ने कुल सात गवाहों का परीक्षण कराया था.

वहीं नाबालिग से दुष्कर्म करने के एक मामले में इसी अदालत ने एक और फैसला दिया. पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह की अदालत ने नामजद आरोपी चांदमारी धनसार निवासी मुरारी शर्मा को दोषी करार दिया. अदालत ने सजा पर सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख निर्धारित की है. प्राथमिकी पीड़िता के मां की शिकायत पर धनसार थाने में 24 अक्टूबर 23 को दर्ज की गई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 23 अक्टूबर 23 आरोपी पीड़िता को लेकर अपने घर ले गया. आरोप है कि आरोपी ने पीड़िता को दो घंटे तक अपने घर मे रखा. उसके साथ गलत हरकत किया. पीड़िता ने यह बात अपने मां को बताई. इसके बाद मां ने प्राथमिकी दर्ज कराई. अनुसंधान के बाद पुलिस ने 6 दिसंबर 23 को आरोप पत्र दायर किया था. 14 दिसंबर 23 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी. इस दौरान अभियोजन ने सात गवाहों का परीक्षण कराया था. दूसरी ओर सुरेश सिंह हत्याकांड की सुनवाई मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में हुई. अदालत ने अभियोजन को गवाह पेश करने का निर्देश दिया. गौरतलब है कि 7 दिसंबर 2011 की रात्रि धनबाद क्लब में रोहित सिंह के रिसेप्शन पार्टी में सुरेश सिंह को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी.

भाजपा के टिकट पर धनबाद सीट से चुनाव में उतरे हैं ढुल्लू

मैं जनता के लिए हमेशा ही लड़ता रहूंगा : ढुल्लू महतो

संवाददाता। मैथन

भाजपा एग्यारकुंड मंडल की बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक मंगलवार को एग्यारकुंड मोड़ में हुई. इसमें भाजपा के धनबाद लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो मुख्य रूप से उपस्थित थे. महतो ने कहा कि केन्द्रीय नेतृत्व ने जो उनपर भरोसा दिखाया है उस पर वो खरा उतरेंगे. धनबाद की जनता व कार्यकर्ताओं के लिए हर सुख दुख में खड़ा रहेंगे.

मुझे टिकट मिलने से कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रहा है. मुझ पर जितना भी केस हो जाय मैं हमेशा जनता और कार्यकर्ताओं के लिए लड़ता रहूंगा. गरीब मजदूर एवं असहाय की लड़ाई में ही मुझ पर झूठे केस हुए हैं. हत्या, अपहरण लूट और डकैती जैसी कोई संगीन मामले उन पर नहीं हैं. बैठक में ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर ने शक्ति केंद्र के प्रभारी, संयोजक, सह संयोजक व बूथ अध्यक्ष से कहा कि अबकी बार हमलोगों को धनबाद से रिकॉर्ड 10 लाख वोट से ढूल्लू महतो को जिताना है.

बैठक की अध्यक्षता एग्यारकुंड मंडल अध्यक्ष रंजीत मोदी ने किया. मौके पर धनबाद जिला युवा मोर्चा के अध्यक्ष बम्पी चक्रवर्ती, चिरकुंडा नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन डब्लू बाउरी, मन्नु तिवारी, प्रशांत बनर्जी, जयप्रकाश सिंह, अनिल यादव, विनोद दास, अजय चौधरी, राजेश सिंह, अजय तिवारी, दशरथ साव आदि थे. वहीं ढुल्लू महतो मैथन क्षेत्र का दौरा कर लोगों से मिले और आशीर्वाद मांगा. इस मौके पर ढुल्लू महतो ने कहा कि जनता के हर सपने को पूरा करेंगे. हम उनके सपनों को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

ढुल्लू महतो ने निरसा में जनसंपर्क अभियान किया शुरू

हुआ स्वागत

- निरसा अग्रसेन भवन में बृहस्पति पासवान ने स्वागत किया
- निरसा की हर समस्या को खोजकर दूर किया जाएगा

निरसा। भारतीय जनता पार्टी, धनबाद लोकसभा के प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने चैत्र नवरात्र, वर्ष प्रतिपदा पर मैथन स्थित मां कल्याणेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना कर निरसा विधानसभा में जनसंपर्क अभियान प्रारंभ किया. मैथन मंडल के कालीपहाड़ी में देवाशीष महतो, संजय चौक पर जयप्रकाश सिंह, मैठा में सपन मंडल, शंकर टॉकीज के पास जितेंद्र रजक, श्यामल बाउरी, मैथन मोड में अजय चौधरी, गलफरबाड़ी में रंग बहादुर सिंह, यदुवीर साहू, एग्यारकुंड मंडल कमेटी द्वारा आशीर्वाद मैरिज हॉल में अध्यक्ष रंजीत मोदी, निरसा मंडल कमेटी द्वारा निरसा अग्रसेन भवन में मंडल अध्यक्ष बृहस्पति पासवान, भागाबांध मोड पर मुखिया गुहीराम साहनी द्वारा बेनागोड़िया मंडल कमेटी द्वारा बेनागोड़िया दुर्गा मंदिर प्रांगण में अध्यक्ष राजेश बाउरी के नेतृत्व में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने कहा कि पीएम के नाम एवं काम के आधार पर देश नरेंद्र मोदी को पुनः एक बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता है.

उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं आमजन से यह वादा किया कि निरसा की हर एक समस्या को ढूंढ कर सकारात्मक रूप से उसका समाधान किया जाएगा. उन्होंने दावा किया कि निरसा में दो-दो डैम होते हुए भी निरसा के लोग प्यासे हैं. पांच वर्ष के अंदर हर घर में नल से जल पहुंचाऊंगा नहीं तो वोट मांगने वापस नहीं आऊंगा. उन्होंने मैथन पावर लिमिटेड पर निशाना साधते हुए कहा कि मैथन पावर लिमिटेड को अपने भारी वाहनों के परिचालन के लिए एक अलग से बाईपास रोड बनना होगा. मौके पर निरसा विधानसभा चुनाव प्रभारी अंबिका खवास, ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, मन्नू तिवारी, डब्लू बाउरी, राजेश बाउरी, सुजीत तिवारी, उत्पल बाउरी, गोविंद बाउरी व यादव राय सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे.

चैत्र नवरात्र पर आरएसएस ने गोमो में निकाली भव्य ध्वजा यात्रा

संवाददाता। गोमो

बाइक जुलूस

- हाथ में केसरिया ध्वज लिए श्रद्धालुओं ने जुलूस निकाला
- जुलूस में लोग हर हर महादेव के नारे लगाते चल रहे थे

रेल नगरी गोमो में चैत्र नवरात्र की प्रतिपदा तिथि मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से भव्य ध्वजा यात्रा निकाली गई. हाथों में केसरिया ध्वज लिए श्रद्धालुओं ने बाइक जुलूस निकाला. जुलूस में शामिल लोग जय श्रीराम, जय माता दी, हर हर महादेव के नारे लगाते चल रहे थे. ध्वज यात्रा गोमो रेलवे के छोटे ग्राउंड से निकल कर पुरानी बाजार स्टेशन चौक, सदानंद रेलवे मार्केट, लोको बाजार, खेसमी, चीराबाद, गुनगुसा, आजाद नगर, ओवरब्रिज होते हुए, हटिया टांड़, साहू मोहल्ला, जीतपुर होकर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बिशुनपुर पहुंची. यहां विद्यालय कमेटी ने जुलूस का स्वागत किया. जुलूस की अगुवाई रेलवे के पूर्व चीफ यार्ड मास्टर बीसी मंडल, सरस्वती विद्या मंदिर के कमेटी के अध्यक्ष एके पालित, भाजपा नेता श्रीकांत मंडल, योग गुरु सरोज महतो आदि कर रहे थे. विद्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह में अतिथियों ने लोगों का हिंदू नववर्ष की शभकामनाएं दीं. मौके पर प्राचार्य त्रिपुरारी कर्ण, डी सरकार, चंदन कुमार, दीपक कुमार, सुनील मंडल, मनोज लाल तुरी, विनय वर्णवाल, अशोक साव, अनिल वर्णवाल, रवि सिंह आदि उपस्थित थे.

27 तक दर्ज करा सकते हैं मतदाता सूची में अपना नाम

संवाददाता। धनबाद

लोकसभा चुनाव में धनबाद लोकसभा क्षेत्र में आगामी 25 मई को मतदान होना है. ऐसे में मतदाताओं को मतदान से पहले एपिक (मतदाता फोटोयुक्त पहचान पत्र) प्रस्तुत करना है. किसी कारणवश मतदाता मतदान केंद्र में एपिक प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं तो वो वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान पत्र दिखाकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकते हैं. बताया गया कि एपिक के अलावा 12 अन्य मान्य दस्तावेज हैं. ये आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेन्स, पैन कार्ड, एनपीआर अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड हैं. मतदान के लिए धनबाद लोकसभा क्षेत्र के छूटे हुए योग्य नागरिक 27 अप्रैल तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं. इसके लिए बीएलओ के माध्यम से फॉर्म-6 या ऑनलाइन माध्यम से आवेदन दिया जा सकता है.

डीएवी स्कूल में पत्रिका स्पंदन का विमोचन

पुटकी। डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा में वैदिक हवन कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर विद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''स्पंदन'' के सातवें संस्करण का विमोचन मुख्य अतिथि कुसुंडा क्षेत्र के जीएम प्रणव दास, जीएम की पत्नी अजंता दास व विद्यालय की प्राचार्या झूमा महता ने संयुक्त रूप से किया. मुख्य अतिथि जीएम ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय की पत्रिका छात्र-छात्राओं की संवेदना का सकारात्मक प्रतीक होती है. इसमे बच्चों को अपनी रचनात्मक सोच को उजागर करने का अवसर प्राप्त होता है. प्राचार्या महता ने मुख्य अतिथि व अतिथि का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया. इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही.

यज्ञ से पूरा वातावरण शुद्ध होता है : चंद्र प्रकाश चौधरी

संवाददाता। कतरास

कतरास के गुहीबांध स्थित मां गायत्री मंदिर प्रांगण में आयोजित 24 कुंडीय राष्ट्र जागरण, गायत्री महायज्ञ एवं श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा तथा विराट दीप यज्ञ में गिरिडीह लोकसभा के एनडीए प्रत्याशी चंद्र प्रकाश चौधरी शामिल हुए. इस दौरान श्री चौधरी को पूज्य गुरु जी द्वारा अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया. चौधरी ने कहा कि यज्ञ से वातावरण शुद्ध होता है. इसके साथ ही लोगों में नई ऊर्जा का संचार होता है. मौके जिला प्रधान सचिव सह सांसद प्रतिनिधि रामा शंकर तिवारी, जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर सिंह, कृष्णा किशोर, श्याम किशोर, प्रभात मिश्रा, भरत शर्मा, आशीष तिवारी, धनेश्वर महतो, राकेश सिंह, पप्पू सिंह, छोटू साहू, पिंटू चौबे, सचिन कुमार, प्रिंस शर्मा, आशीष सिंह, प्रवीन कुमार, शंभू साव, मनोज गुप्ता आदी मौजूद थे. इधर इंडिया गठबंधन के गिरिडीह प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो हवन पूजन में शामिल हुए.

संवत्सर पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है: खेमका

संवाददाता। कतरास

नववर्षारंभ अथार्त सम्वत्सरारम्भ के पावन अवसर पर कतरास स्थित ''ध्यान मंदिर, खेमका पेट्रोल पंप प्रांगण'' में सामूहिक ब्रह्मध्वज का पूजन सात्विक एवं उस्फूर्त वातावरण में हुआ. हिन्दू जनजागृति समिति के समरपाल सिंह एवं सरजू केशरी ने ब्रह्मध्वज का पूजन किया. शास्त्रानुसार व शुद्ध विधि से ब्रह्मध्वज लगाया. आयोजनकर्ता ने बताया कि पृथ्वी के सारे जीव सुखी एवं निरामय अर्थात (रोग मुक्त) हों. सभी का कल्याण हो. सबकी एक दूसरे की ओर देखने की दृष्टि शुभ एवं कल्याणमयी हो एवं किसी को भी दुख प्राप्त न हो, यह संकल्प कर, वह प्रत्यक्ष में साध्य हो, इसलिए कृतिशील भक्ति के लिए मूर्त स्वरूप ध्वज की स्थापना कर ब्रह्मदेव का पूजन किया गया. प्रसिद्ध उद्योगपति प्रदीप खेमका ने बताया कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, हिंदुओं के नव वर्ष का आरंभ है.

इसी दिन सृष्टि की निर्मिति हुई थी. इसलिए यह केवल हिंदुओं का ही नहीं अपितु अखिल सृष्टि का नव वर्ष आरंभ है. इस शुभ अवसर पर ब्रह्मदेव की पूजा की जाती है, क्योंकि इस दिन ब्रह्मदेव ने विश्व की रचना की थी. ऐसा कहा जाता है, संवत्सर पूजा करने से समस्त पापों का नाश होता है. आयु में वृद्धि होती है. सौभाग्य बढ़ता है एवं शांति प्राप्त होती है. कार्यक्रम में सनातन संस्था की संत पूज्य सुनीता खेमका, हिन्दू जनजागृति समिति के बिनोद जालान, अधिवक्ता सुदीप गुप्ता, संजय अग्रवाल, राजेश चक्रवर्ती, श्रवण अग्रवाल, रजनी श्रीवास्तव, पिंकी केशरी, वीणा राजगढ़िया व सुधा चौधरी मौजूद थीं.

केंदुआ में निकाली गई भव्य कलश यात्रा

पुटकी। श्री श्री 1008 शिव शक्ति पंचायतम सह मां दुर्गा, हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा को लेकर करकेंद-केंदुआ में भव्य निशान कलश यात्रा निकाली गई. करकेंद दुर्गापूजा मन्दिर परिसर से निकली यात्रा में पीले वस्त्र से सुसज्जित 501 महिलाओं के सिर पर कलश थी. तेज धूप का परवाह किये बिना महिलाएं बिना चप्पल पहने पांच किलोमीटर की यात्रा पूरी की. वहीं 201 भक्तों के हाथों में निशान लहरा रहा था. वासुदेवपुर कोलियरी के निकट कुआं से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश में जल भरा गया. कलश यात्रा करकेंद, केंदुआ बाजार का भ्रमण कर वापस लौटी. इस दौरान पूरा शहर भक्तिमय हो गया था. भक्त जय श्री राम के उद्घोष व रामगढ़ की सुनामी ताशा पार्टी की ताल पर झूमते नाचते चल रहे थे. जगह-जगह भक्तों के लिए सामाजिक संगठन द्वारा पेयजल की व्यवस्था की गई थी. धनबाद के भाजपा विधायक भी कलश यात्रा में शामिल हुए.

जीटी रोड पर हुए हादसे में लोग बनाते रहे वीडियो

संवाददाता। धनबाद

बीएड की छात्रा कृतिका धनबाद के पड़ोसी जिला बोकारो के गोमिया की रहनेवाली है. वह धनबाद बरवाअड्डा स्थित जोड़ापीपल बीएड की परीक्षा देनी पहुंची थी. लेकिन दुर्भाग्यवश धनबाद स्टेशन से ऑटो से जाते समय जीटी रोड पर बरवाअड्डा के पास लोहारबरवा मोड़ के निकट तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ऑटो में टक्कर हो गई. हादसे के बाद लोगों की भीड़ जुट गई. लेकिन जख्मी को राहत दिलाने और फौरन अस्पताल पहुंचाने की बजाय भीड़ में शामिल कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे. इस बीच एक-दो अपराधी प्रवृत्ति के लोग मोबाइल व पर्स चोरी करने में जुट गए. जख्मी बचाओ-बचाओ की गुहार लगा रहे थे और लोग मूकदर्शक बने थे. किसी तरह खबर पाकर पुलिस पहुंची और कृतिका समेत सभी को अस्पताल पहुंचाया गया. कृतिका ने बताया कि भीड़ में शामिल किसी ने उसकी मोबाइल चोरी कर ली.

प्रशासन ईद-उल-फितर पर 33 थाना क्षेत्र पर जिला प्रशासन की विशेष निगरानी रहेगी

सात जोनल दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी प्रतिनियुक्त

संवाददाता। धनबाद

पुलिस पदाधिकारी

- कतरास व बाघमारा के लिए हैं डीटीओ दिवाकर द्विवेदी
- जिला नियंत्रण कक्ष 11 अप्रैल को पूरी तरह कार्यरत रहेगा
- नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे अनुमंडल पदाधिकारी
- जिला नियंत्रण कक्ष तीन शिफ्ट में कार्यरत रहेगा

सभी थाना व ओपी में रहेंगे दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी

धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पूर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी के लिए पुलिस पदाधिकारियों के साथ साथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है.

ईद-उल-फितर को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को सात जोन में बांटा है. सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी 31 थाना व 23 ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे. साथ ही 33 थाना क्षेत्र पर जिला प्रशासन की विशेष निगरानी रहेगी. ईद-उल-फितर के अवसर पर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी ज़ोन में बाटा गया है. धनबाद में अपर समाहर्ता विनोद कुमार तथा डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर दीपक कुमार, तोपचांची ज़ोन के तोपचांची व गोमो में अपर नगर आयुक्त महेश्वर महतो तथा गोविंदपुर व बरवाअड्डा में जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी तथा डीएसपी मुख्यालय वन शंकर कामती, टुंडी ज़ोन के टुंडी, मनियाडीह तथा पूर्वी टुंडी के लिए भूमि सुधार उप समाहर्ता संतोष कुमार गुप्ता प्रभार में रहेंगे.

महिला मतदान पदाधिकारियों को दिया गया प्रथम प्रशिक्षण

संवाददाता। धनबाद

मिली ट्रेनिंग

- प्रशिक्षण कार्यक्रम पीके राय महाविद्यालय में दिया गया
- मतदान संपन्न होने के बाद प्रपत्र भरने के तरीके बताए

महिला मतदान कर्मियों के अतिरिक्त पीठासीन एवं मतदान पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को समाप्त हो गया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर इस कार्यक्रम में महिला मतदान केंद्र तथा पर्दानशीन मतदान केंद्र पर प्रतिनियुक्त लगभग 900 महिला मतदान कर्मियों के अतिरिक्त पीठासीन एवं मतदान पदाधिकारी शामिल थे. यह दो दिवसीय प्रथम प्रशिक्षण एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय तथा पीके राय कॉलेज में हुआ. मुख्य प्रशिक्षक दिलीप कुमार कर्ण, राज कुमार वर्मा, संजय कुमार, उमेश लाल, कुमार वंदन, आलोक कुमार तिवारी, बृजभूषण पांडेय ने पूरी मतदान प्रक्रिया बताया. उन्होंने ईवीएम का हैंड्स ऑन, कनेक्शन तथा मतदान संपन्न होने के बाद विभिन्न प्रपत्रों को भरने के तरीके बताए. प्रशिक्षण के दौरान एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद ने कॉलेज पहुंचकर प्रशिक्षण का जायजा लिया.

पुटकी पुलिस ने मारा छापा, देसी कट्टा बरामद

पुटकी। धनबाद न्यायालय से रिमांड पर लाये गए आरोपी अक्षय यादव की निशानदेही पर केंदुआडीह पुलिस ने केंदुआ खटाल के राहुल कुमार यादव के घर से देसी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद किया. राहुल घर से बाहर था. पुलिस केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी. बताया जाता है कि केंदुआ खटाल के ही अक्षय ने पुटकी थाना क्षेत्र के करकेंद जनता पेट्रोल पंप में हथियार चमकाने व रंगदारी मांगने के मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था. तब केंदुआडीह पुलिस ने केंदुआ कलाली के रास्ते मे दिनदहाड़े बाइक पर सवार होकर तीन चक्र गोली चलाने के केस में अक्षय को 48 घंटे की रिमांड पर थाना लायी थी. पूछताछ में राहुल के घर मे आर्म्स होने की बात बताई.

ब्रीफ खबरें

आगलगी से आठ मवेशी समेत एक घर जलकर राख

साहिबगंज। उधवा प्रखंड राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत मनिहारी टोला गोहालबाड़ी गांव में बीते सोमवार के रात को अचानक आग लगने से आठ मवेशी समेत एक घर जलकर राख हो गया. जानकारी के अनुसार, गोहालबाड़ी के हेजाब शेख के घर में सोमवार के रात करीब दस बजे अचानक आग लग गई. इसमें हजारों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है. हालांकि, आग कैसी लगी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई हैं. आगलगी की खबर सुनते ही गांव में अफरातफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया.

मतदाताओं को सुगम माहौल देना है : पीयूष

बोकारो। बोकारो समाहरणालय सभागार में चास प्रखंड के विभिन्न सरकारी उच्च विद्यालयों के प्राचार्य एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता पीडब्ल्यूडी कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी पीयूष ने की. मौके पर संबंधित कोषांग के सहयोगी अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे. इस दौरानपीडब्ल्यूडी कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी पीयूष ने बताया कि जिले में आगामी 25 मई को मतदान होना है. मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को सुगम मतदान का माहौल देना है.

ईद व रामनवमी को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

बेंगाबाद (गिरिडीह)। ईद और रामनवमी पर्व को लेकर मंगलवार को बेंगाबाद थाना परिसर में अंचल अधिकारी प्रियंका प्रियदर्शनी की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में सबसे पहले ईद पर्व को लेकर इलाके के जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध लोगों से रायशुमारी की गई. मौके पर त्योहार को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया. साथ ही बैठक में रामनवमी पर्व के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किया गया.

जनता दरबार में डीसी ने सुनी लोगों की फरियाद

साहिबगंज। मंगलवार को उपायुक्त हेमंत सती द्वारा अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया गया. जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने उपस्थित लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी साथ ही उनके समाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त किया. उन्होंने संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही. मिलने वालों में पिंकी देवी, गीता कुमारी, निर्मला देवी, कमल टुडू, परमेश्वर सिंह आदि थे.

कुसमा में निकाली गई कलश यात्रा

साहिबगंज। मंगलवार को बरहेट प्रखंड क्षेत्र के कुसमा में नौ दिवसीय राम कथा का आयोजन को लेकर 251 महिलाओं तथा कन्याओं ने कलश शोभायात्रा निकाला गया. वहीं, कलश यात्रा पूरे कुसमा बाजार का भ्रमण किया गया, जिसमें लोगों ने विभिन्न देवी देवताओं के स्वरूप धारण कर आकर्षक झांकी निकाली. वहीं, देर शाम को राम कथा का प्रारंभ कथा वाचक पंडित रविशंकर ठाकुर के द्वारा किया गया, जिसमें कई भक्तगण शामिल होकर राम कथा का आनंद लिया. इस अवसर पर खगेंद्र शाह विपिन सेन सहित सैंकड़ों राम भक्त उपस्थित थे.

चिमनी ईंट की जगह बंगला ईंट, बालू की जगह मोरंग और लोकल सरिया का हो रहा इस्तेमाल

स्वास्थ्य केंद्र निर्माण में बरती जा रही है अनियमितता

संवाददाता। गोड्डा/ललमटिया

मची लूट

- निर्माणकार्य स्थल पर जेई नहीं आते है देखने
- मुंशी के भरोसे कार्यों का हो रहा निष्पादन

जिले के अनुसूचित प्रखंड में आने वाले आदिवासी, पहाड़िया बहुल बोआरीजोर प्रखंड क्षेत्र में सरकारी योजनाओं में लूट मची हुई है. ऐसे पिछड़े क्षेत्र में ना तो अधिकारी पहुंचते है और ना कोई कर्मी ही नियमित ड्यूटी करता है. ऐसे में योजनाओं में लूट मचना स्वभाविक है. स्वास्थ्य सुविधाओं को पटरी पर लाने के उद्देश्य से बोआरीजोर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण कराया जा रहा है. विभागीय काम होने के बावजूद कार्यस्थल पर कभी जेई नहीं पहुंचते हैं. अधिकारी की गैर मौजूदगी में मुंशी के भरोसे ही कार्यों का निष्पादन होता है. जिस वजह से निर्धारित मात्रा और प्रमाणिक सामानों की जगह घटिया सामग्री का प्रयोग निर्माण कार्यों में किया जा रहा है. चिमनी ईंट की जगह बंगला ईंट, बालू की जगह मोरंग और लोकल सरिया का इस्तेमाल इमारत निर्माण में हो रहा है. अनुपातिक मात्रा भी गैर प्रमाणिक है. प्रखंड के लीलातरी वन, डुमरिया, कुशविला, बड़ी अमरपुर आदि पंचायतों में स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का निर्माण कार्य कराया जा रहा है. बताया जाता है कि स्वास्थ्य केंद्र भवन के निर्माण में भारी अनियमितता बरती जा रही है. निर्माण कार्य में घटिया सामान का उपयोग किया जा रहा है.

आनन-फानन में तेजी से हो रहा है निर्माण कार्य

स्वास्थ्य उपकेंद्र मे घटिया निर्माण कार्य पर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है. इस बाबत ग्रामीणों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, ताकि स्वास्थ्य उपकेंद्र के निर्माण कार्य मे अच्छे गुणवत्ता वाले सामानों का उपयोग हो सके. ठेकेदार द्वारा आनन-फानन में तेजी से कार्यों को कराया जा रहा है, ताकि अनियमितता को ढका जा सके. कनीय अभियंता सुधीर दास बताते है कि इन स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्यों का जिम्मा उनके अधीन नहीं है इसलिए वे कुछ भी बता पाने में असमर्थ है.

खैराचातर में नववर्ष पर शिशु मंदिर के भैया-बहनों ने निकाली शोभायात्रा

संवाददाता। कसमार

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के उपलक्ष्य में मंगलवार को श्री गोविंद स्नेहलता सरस्वती शिशु विद्या मंदिर खैराचातर के भैया बहनों ने शोभायात्रा निकालकर विक्रम संवत 2081 हिन्दू नववर्ष का स्वागत किया. शोभायात्रा में शामिल उत्साहित बच्चों का जगह-जगह स्वागत किया गया. प्राचार्य के नेतृत्व में निकली इस रैली में सबका विकास व निरोग रहने की कामना की गई. प्राचार्य रोहित आचार्य ने बताया कि भारतीय कैलेंडर अनुसार नववर्ष का आगाज पहली जनवरी नहीं, बल्कि चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होती है. इस दौरान शोभायात्रा में भैया बहनों व विद्यालय परिवार के आचार्य शामिल हुए. हिन्दू नववर्ष मंगलमय हो, विक्रम संवत अमर रहे, भारत माता की जय, वंदे मातरम् का जयकारा लगाते हुए खैराचातर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए बच्चे वापस विद्यालय पहुंचे.

सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्र में बसा 'गावां' कई धार्मिक स्थलों में मशहूर

400 वर्ष पुराना है काली मंडा व चैती दुर्गा पूजा का इतिहास

आदित्य कुमार। गावां

गिरिडीह जिला मुख्यालय का सुदूरवर्ती पहाड़ी क्षेत्र गावां का काली मंडा प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार है. अद्भुत शिल्पकलाओं से परिपूर्ण खूबसूरत मंदिर का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है. मंदिर का निर्माण 18वीं सदी के पूर्वाध में गावां के तत्कालीन टिकेट पुहकरन नारायण सिंह ने प्रख्यात कारीगरों से कराया था. कीरब 30 मीटर लंबाई और 30 फीट ऊंचे मंडप की दीवारों के निर्माण में सुर्खी चूना, बेल का लट्ठा, गुड़, उड़द का पानी, शंख व सीपियों के पानी के मिश्रण का प्रयोग किया गया था. यही वजह है कि मंदिर की दीवारें आज भी काफी चिकनी हैं. मंडप के पूर्वी भाग में एक बड़ा हॉलनुमा कमरे में मां दक्षिणेश्वर काली की भव्य प्रतिमा स्थापित है.

इसकी स्थापना गावां राजघराने ने कराई थी. इस कमरे में सिर्फ राजघराने के लोग, मुख्य आचार्य, उनके समर्थक व नाई ही प्रवेश करते हैं. कमरे में लगभग पांच फीट ऊंचे व तीन फीट चौड़े बेल्जियम मोटे ग्लास से निर्मित दो भव्य आईना रखे हुए हैं. दोनों आईना को दुर्गा पूजा के मौके पर बाहर निकाल कर मां दुर्गा की प्रतिमा के अगल-बगल रखा जाता है. मंडप के ऊपरी भाग में मां दुर्गा की आकर्षक मूर्ति है.

खास बातें

- टिकैत पुहकरन ने करवाया था 'काली मंडा' का निर्माण
- राजघराने द्वारा दक्षिणेश्वर काली को स्थापित किया गया

लगता है भव्य मेला

दोनों नव रात्रियों के अवसर पर मंदिर परिसर में तीन दिनों तक भव्य मेला लगता है. मेले में सुदूर जंगल क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग आते हैं. प्रतिमा का दर्शन कर मेले का लुत्फ उठाते हैं . मेला परिसर में झूला के साथ कई सास्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होता है. कुल मिलाकर गावां का दुर्गा पूजा क्षेत्र में अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है.

60 के दशक तक पूजा का खर्च राजपरिवार उठाता था

गावां में एक बार घातक बीमारी प्लेग फैल गई और महामारी का रूप धारण कर लिया. बीमारी से कई लोगों की मौत हो गई. तब मां दुर्गा ने गावां के टिकैत को स्वप्न दिया कि चैती पूजा करो. टिकैत ने इसे सहर्ष स्वीकार कर लिया. तब से यहां हर साल चैती दुर्गा पूजा हो रही है. पूजा में राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य बैठते हैं और मां से क्षेत्र की जनता के सुख-शांति व संवृद्धि की याचना करते है. वर्तमान में मंदिर के मुख्य आचार्य भवेश मिश्रा और उनके सहायक मनोज पांडेय हैं. 60 के दशक तक पूजा का खर्च राजपरिवार उठाता था. बाद में इसे सार्वजनिक कमेटी वहन करने लगी. यहां शारदीय व चैत्र नवरात्र में मेला भी लगता है.

पहले भैंसों की दी जाती थी बलि

पूर्व में गावां में पूजन के दौरान भैंसे की बली दी जाती थी. अब यहां प्रतिदिन बकरों की बली दी जाती है. नवरात्र के दौरान नवमी के दिन यहां सैकड़ों बकरों की बली दी जाती है. पहले पुरनी आहर में कमल के फूल को पूजन के लिए उगाया जाता था. मंदिर में वही फूल चढ़ाया जाता था. इस समय तालाब में फूल समाप्त हो चुका है, लेकिन प्रतिमा का विसर्जन तालाब में ही किया जाता है.

एक किलो एक सौ पच्चीस ग्राम गांजा के कई पुड़िया बरामद

गांजा के साथ आरोपी युवक गिरफ्तार

संवाददाता। गोड्डा

मेहरमा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित मादक पदार्थ गांजा का कारोबार करने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया. घटना मेहरमा थाना अंतर्गत ग्राम सूढ़नी की है. आरोपी युवक के पास से पुलिस ने एक किलो एक सौ पच्चीस ग्राम गांजा के कई पुड़िया बरामद किया है. बता दें कि गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने गांव में छापेमारी की और मौके पर से ही खरीद-बिक्री का कारोबार करते हुए श्रवण कुमार चौधरी, पिता देवेंद्र चौधरी को गिरफ्तार कर लिया और घर पर छुपाकर रखे गए गांजा को बरामद कर लिया. पूछताछ में युवक ने किसी प्रकार का कागजात दिखाने में असमर्थता जताई. फिलहाल, आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है. एक अन्य घटना में पथरगामा थाना की पुलिस ने न्यायालय से फरार चल रहे तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. चुनाव को लेकर जिले के सभी थाने में लंबित मामले का निपटारा किया जा रहा है. इसको लेकर पुलिस का लगातार छापेमारी अभियान जारी है.

कंपनियों, संस्थानों में चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

संवाददाता। बोकारो

लोकसभा चुनाव में बोकारो जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर स्वीप कोषांग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है. इसके तहत मंगलवार को जिले के दर्जनों सरकारी कार्यालयों, निजी कंपनियों, संस्थानों में वोटर एवरनेस फोरम की बैठक कर कर्मियों को 25 मई को वोट डालने के लिए प्रेरित किया गया. इसके साथ ही वैसे अधिकारी व कर्मचारी जिनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, उन्हें नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म 6 भरकर अपने क्षेत्र के बीएलओ के पास जमा करने को कहा गया. ऑनलाइन माध्यम से वोटर हेल्पलाइन एप व वोटर सर्विस पोर्टल पर जाकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करने की भी जानकारी दी गई. कंपनियों व कार्यालयों में मतदाता जागरूकता संबंधित कार्यक्रम भी किए गए. स्वीप कोषांग के पदाधिकारियों ने कंपनियों के अधिकारियों व कर्मचारियों को मतदान की शपथ दिलाई.

हथियार के बल पर डिलीवरी ब्वॉय से लूट

बोकारो। बोकारो जिले के बालीडीह थाना अंतर्गत कुर्मीडीह स्थित नेपाली पाड़ा के समीप पिस्टल का भय दिखाकर मिसो कंपनी के डिलेवरी बॉय से नगदी समेत डिलेवरी सामग्री लूट ली गई. घटना मंगलवार दोपहर की है. दिनदहाड़े हुए इस घटना कांड ने पुलिस की नींद उड़ गई है. सूचना मिलते ही बालीडीह थाना पुलिस टीम घटनास्थल पहुंची. आसपास के दर्जन भर घरों में छानबीन की. स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की. साथ ही आसपास के झाड़ी जंगलों में भी लूटेरे की तलाश की. बताया जाता है कि दिन के करीब 11 से 12 बजे के आसपास मिसो कंपनी का डिलीवरी बॉय सोनू कुर्मीडीह के नेपाली पाड़ा में, डिलीवरी देने पहुंचा था. इस बीच तीन युवकों ने हथियार दिखाकर उसके पास से डिलीवरी का सारा सामान तथा नगदी लूटकर फरार हो गया.

जारंगडीह में हर्षोल्लास के साथ मनी मां मंगला की पूजा

संवाददाता। कथारा

बेरमो क्षेत्र के जारंगडीह माइंस क्वार्टर में मंगलवार को मां मंगला की पूजा हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया. यह पूजा सिंहभूम रीति रिवाज के तहत मनाई जाती है. मां मंगला की पूजा मौसमी फल फूल चढ़ा कर किया जाता है. पूजा कमेटी के सदस्यों ने बताया कि मां मंगला की पूजा जारंगडीह में लगभग 70वर्ष पूर्व से ही मनाया जा रहा है, जो पूर्व की भांति अब और भी बड़े आस्था और श्रद्धा से वृहद रूप में मनाया जाने लगा है. इसे रास्ता पूजा के नाम से भी जाना जाता है. पूजा के क्रम में कलश जारंगडीह माइन्स क्वार्टर से गाजे बाजे के साथ निकाली जाती है, जो कोनार नदी तट पर विधिवत पूजा अर्चना कर जल भर कर पूजा स्थल पर स्थापित किया जाता है. उसके बाद पूरे विधि विधान से मां मंगला की पूजा अर्चना की जाती है. लोग अपनी मन्नतें पूरी होने पर मूर्गा व बकरा की बलि भी देते हैं. वहीं पूजा कमेटी के द्वारा महाप्रसाद के रूप में खीर का वितरण किया गया. साथ ही भक्तों को शरबत तथा शीतल जल भी वितरण किया गया.

एक दिवसीय सीआईएससीई जोनल अंडर-19 फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

कॉर्मेल स्कूल की टीम बनी चैंपियन

संवाददाता। बोकारो थर्मल

बोकारो थर्मल स्थित कॉर्मेल स्कूल मैदान में एक दिवसीय सीआईएससीई जोनल अंडर-19 फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया. टूर्नामेंट का उद्घाटन बतौर अतिथि फादर डोमिनिक जेवियर, झारखंड महिला टीम के कोच तपन घोष व कॉर्मेल स्कूल की प्रिंसिपल एम मलर एसी ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व किक मार किया.

इस टुर्नामेंट में धनबाद की डी-नोबिली सीएमआरआई, झारखंड डी-नोबिली स्कूल डिगवाडीह, सीएफआरआई, डी-नोबिली स्कूल कोराडीह, संत जेवियर स्कूल बोकारो व कॉर्मेल स्कूल बोकारो थर्मल की टीमों ने भाग लिया था. जिसमें कॉर्मेल स्कूल बोकारो थर्मल व धनबाद की डी-नोबिली सीएमआरआई की टीम के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रर्दशन करते हुए फाइनल में पहुंची. फाइनल में दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रर्दशन किया, लेकिन मध्यांतर तक दोनों टीमों का स्कोर बराबरी पर रहा. इसके बाद अंतिम समय में कॉर्मेल स्कूल टीम के कप्तान ऋतुराज विधार्थी ने हाफ ग्राउंड से ही गोल दागकर अपनी टीम को चैम्पियन बनाया. इसके लिए उसे मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से सम्मानित किया गया. विजेता टीम कॉर्मेल स्कूल और उप विजेता टीम डी-नोबिली सीएमआरआई को विशिष्ट अतिथि जॉर्ज लकड़ा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया. मुख्य अतिथि फादर डोमिनिक जेवियर ने कहा कि खेल के क्षेत्र में भी खिलाड़ियों का कैरियर उज्ज्वल है. पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी उतना ही जरूरी है. इस दौरान मुख्य रूप से कोच तारिक हसन, पीटी टीचर जानेश्वर प्रसाद, शिक्षिका नीलम कुल्लू, प्रतिमा ठाकुर, मेरी खलखो, सोमा बासू, अर्जून बर्णवाल, श्रेयरलीन, नीशा, सायोनी, असरीटा सहित कई लोग उपस्थित थे.

न्यू डिवाइन पब्लिक स्कूल ने मनाया वार्षिक महोत्सव

संवाददाता। सरिया (गिरिडीह)

नगर पंचायत में स्थित न्यू डिवाइन पब्लिक स्कूल ने विद्यालय का वार्षिक उत्सव बड़ा ही धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सरिया जीप सदस्य अनूप पांडेय एवं भाजपा नेत्री रजनी कौर उपस्थित हुईं. विद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया. इस दौरान स्कूली बच्चों ने गणेश वंदना एवं स्वागत गीत से दर्शकों का अभिवादन किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनूप पांडेय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों के जीवन में किताबी ज्ञान के साथ-साथ सांस्कृतिक ज्ञान देना सिलेबस का मुख्य हिस्सा होता हैं. इससे बच्चों के अंदर छुपी प्रतिभा सामने आती है. यहीं से आप मूल्यांकन कर सकते हैं कि बच्चे की रुचि किस ओर हैं. वहीं, भाजपा नेत्री रजनी कौर ने बताया कि शिक्षा वो शस्त्र हैं, जिसे हर जंग जीता जा सकता हैं. इस दौरान विद्यालय के प्रधानाध्यापक विकास कुमार ने बताया कि हमारे शिक्षक की टोली बच्चों को शिक्षित और सही मार्गदर्शन के लिए मेहनत कर रहे हैं. शिक्षकों के द्वारा किताबी ज्ञान के साथ बाहरी ज्ञान भी दिया जाता हैं- जैसे योगा, संगीत, तर्कशक्ति, जीएस प्रतिस्पर्धा कौशल, तकनीकी ज्ञान सहित अन्य शिक्षाप्रद ज्ञान दी जाती हैं. कार्यक्रम में अंकित कुमार, सूर्यदेव रंजन, राज रवानी, सन्नी कुमार, सूरज कुमार, तपन नायक, संदीप कुमार, पायल कुमारी, संगीता वर्मा, अन्नू ओझा, पूनम कुमारी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित हुए .

आयोजन

कलश यात्रा में हजारों की संख्या में शामिल हुए महिला और पुरुष

सोनारडीह में चंडी महायज्ञ कलश यात्रा के साथ प्रारंभ

संवाददाता। जमुआ

सर्वोदय संघ सोनारडीह बामीटांड द्वारा आयोजित श्री श्री 108 मां काली प्राण प्रतिष्ठा शह शतचंडी महायज्ञ एवं श्रीमद् देवी भागवत कथा के उपरांत रामलीला का विराट आयोजन का आज कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुआ. कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाएं, युवतियां एवं पुरुष शामिल थे. सभी भगवा अंग वस्त्र में मां दुर्गा एवं भगवान श्री राम के भजन में झूमते नजर आए कलश यात्रा मंदिर परिसर से प्रारम्भ होकर सोनारडीह, कदमपुरा, होते हुए भोंभारडीह स्थित उत्तर दिशा तालाब में पंडित ने वैदिक मंत्र का उच्चारण करके कलश में जल अर्पण किया. पूजा कमेटी सर्वोदय संघ सोनारडीह बामीटांड़ ने बताया यह यज्ञ मंगलवार से लेकर 17 अप्रैल तक चलेगी, जिसमें कथा वाचक उत्तर प्रदेश के त्रिकूट धाम से महेंद्र शास्त्री आदर्श जी महाराज पधारेंगे.

वहीं, रामलीला का भी आयोजन किया जाएगा. बता दें कि मंगलवार को कलश यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. इधर, विधि-व्यवस्था को लेकर जर्सी ओपी प्रभारी दीपक कुमार दलबल के साथ मुस्तैद थे. कलश यात्रा में सर्वोदय संघ के अध्यक्ष नारायण यादव, प्रबंधक परमेश्वर वर्मा उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, संरक्षक बसंत कुमार सिंह, सचिव घनश्याम राय, उपसचिव अशोक कुमार, कोषाध्यक्ष बासुदेव राणा, उपकोषाध्यक्ष जयकिशोर विश्वकर्मा, महामंत्री महेंद्र यादव सहित स्थानीय महिला एवं पुरुष शामिल थे.

खास बातें

- यज्ञ मंगलवार से लेकर 17 अप्रैल तक चलेगी
- कथावाचक महेंद्र शास्त्री आदर्श जी महाराज आएंगे

कोडरमा लोस प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह ने धनवार प्रखंड में किया दौरा, कहा-

मोदी के शासनकाल में बेरोजगारी बढ़ी

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

इंडिया गठबंधन के कोडरमा लोकसभा प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह ने धनवार प्रखंड क्षेत्र में दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया. जगह-जगह ग्रामीणों के साथ बैठक कर वे उनकी समस्याओं से अवगत हुए. इस दौरान उन्होंने खोरीमहुआ, चित्तरडीह, डोमायडीह, कृपालपुर, सिरे, डोरंडा, बल्हारा, गोदोडीह, मोदीडीह आदि गांव में घूम-घूम कर समस्याओं के समाधान के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करने का जनता का अवसर मांगा. उन्होंने कहा कि आपने महंगाई और बेरोजगार के खिलाफ तथा क्षेत्र के विकास के लिए मोदी जी को वोट दिया था, लेकिन ना ही मोदी जी आप से मिले और न ही आप उनसे मिल पाए. आपके जनप्रतिनिधि ने भी आपकी आवाज वहां तक नहीं पहुंचाई. आज महंगाई चरम पर है. रोजगार के नाम पर सहिया दीदी, पोषण सखी, जल-सहिया, किसान मित्र आदि की पांच सौ और एक हजार रुपये में बहाली हो रही है. झारखंड को उसका सही हक नही मिल पा रहा है. बगोदर विधान सभा के विकास की तुलना करते हुए सिंह ने कोडरमा लोक सभा के विकास के लिए माले के पक्ष में वोट करने की अपील की. मौके पर माले प्रखंड सचिव किशोरी अग्रवाल, मुखिया शंकर पासवान, रामदेव यादव, प्रदीप साव, छोटू साव, शंकर दास, बबलू दास, दिलीप सिन्हा आदि कई लोग मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

रंजीत राम ने बाउरी से की मुलाकात

रामगढ़ । राष्ट्रीय लोजपा से भाजपा में शामिल हुए युवा नेता रंजीत राम और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के रामगढ़ जिला महामंत्री रुदल कुमार ने भाजपा विधायक दल के नेता और झारखंड प्रतिपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी से उनके रांची स्थित आवास में मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया.
इस मौके पर बाउरी ने कहा कि झारखंड में 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अबकी बार 400 पार के लक्ष्य को पूरा करेगी. वहीं रंजीत राम ने कहा कि मैं राष्ट्रहित को देखते हुए भाजपा में शामिल हुआ हूं.
विश्वास दिलाता हूं कि झारखंड प्रदेश में सभी जिलों से अपने समर्थकों को भाजपा के पक्ष में पूरी ऊर्जा के साथ लोकसभा चुनाव में लगाकर एनडीए के सभी उम्मीदवारों को सहयोग करूंगा. हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए तन मन से काम करूंगा.

प्राचार्य सह क्षेत्रीय अधिकारी का सम्मान

रामगढ़ । डीएवी बरकाकाना प्रांगण में मंगलवार को प्राचार्य सह क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. उर्मिला सिंह का सम्मान किया गया. डीएवी जैसी प्रतिष्ठित संस्था में डॉ उर्मिला सिंह ने 41 वर्षों की एक लंबी और गौरवपूर्ण यात्रा को अंजाम दिया. यहां उन्होंने प्राचार्य एवं क्षेत्रीय अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों की गरिमा बढाई। छात्रा प्रिया डांगी एवं मानवी मारवाह ने प्राचार्य को माला पहनकर सम्मानित किया. छात्र तेजस प्रसाद, शिवांश शरण, आयुष सिंह ,सार्थक धर दुबे और हर्ष कुमार ने प्राचार्या को पुष्प गुच्छ प्रदान किया. जयश्री राय एवं आस्था सिंह ने मंच का संचालन किया. छात्रा भार्गवी, प्रांजल, ऋषिका, रिचा एवं शांभवी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया. मौके पर छात्रा तान्या महतो, विद्यालय के पूर्व छात्रा एवं डॉक्टर उर्मिला सिंह की पुत्री श्रुति कुमारी एवं पूर्व छात्र व पुत्र नितेश कुमार भी उपस्थित रहें.

महायज्ञ को लेकर निकली कलश यात्रा

बरकट्ठा । प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कोनहारा कला में श्री-श्री 108 श्री शतचंडी महायज्ञ सह देवी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलशयात्रा निकाली गई. कलशयात्रा में मुख्य रूप से सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक अमित कुमार यादव, पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद, प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, जिप सदस्य कुमकुम देवी, पूर्व प्रमुख रामलखन मेहता, भाजपा मंडल अध्यक्ष टुकलाल नायक शामिल हुए. मुख्य अतिथियों ने यज्ञ स्थल से 1001 कलश धारियों को कलश देकर रवाना किया. कलश यात्रा कोनहारा कला स्थित यज्ञ स्थल निकल कर जीटी रोड होते हुए पतालसुर स्थित उत्तरवाहिनी नदी से मंत्रोच्चार के साथ जल याचमन कर बरकट्ठा डीह से वापसी करते हुए यज्ञ स्थल पर कलश को स्थापित किया गया.

अस्पताल पहुंचे जनप्रतिनिधि, एएनएम की लापरवाही से हुयी जच्चा-बच्चा की मौत, हो कानूनी कार्रवाई : मनोज यादव

पैसे के लालच में एएनएम ने ले ली प्रसूति महिला और बच्चे की जान

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के मानगढ़ में पैसे के लालच में एक एएनएम पर प्रसूति महिला व नवजात बच्चे की जान लेने का आरोप परिजनों ने लगाया है. मामला मंगलवार का है. मानगढ़ की एक गर्भवती महिला सुनीता देवी (25), पति संतोष कुशवाहा को प्रसव पीड़ा होने के बाद उसे सुबह दस बजे डिलीवरी के लिए मानगढ़ स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र बेहरा चक मोड़ ले जाया जाता है. वहां पर एएनएम प्रभा परिजनों का बार-बार पूछने के बाद भी महिला का सुरक्षित डिलीवरी का भरोसा देती है. धीरे-धीरे महिला की हालत बिगड़ती जाती है, फिर भी एएनएम प्रभा पैसे के लालच में गर्भवती महिला को रेफर नहीं करती है. अंततः जब तीन बजे महिला और पेट में बच्चे की मौत हो जाती है तब वह ज्यादा गंभीर कहकर सामुदायिक अस्पताल रेफर कर देती है, जहां लाने पर चिकित्सकों ने जच्चा बच्चा दोनों को मृत घोषित कर दिया. इसके बाद से परिजनों में काफी आक्रोश है. वे एएनएम पर कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. बताते चलें कि पहले भी प्रभा कुमारी का कार्यकाल खराब रहा है, जिसके चलते उसका ट्रांसफर चलकुशा कर दिया गया था, लेकिन वह फिर यहां आ गयी.

चार साल के इंतजार और मन्नत के बाद सुनीता पहली बार बन रही थी मां

परिजनों ने बताया कि मृतक महिला सुनीता देवी की शादी चार साल पूर्व मानगढ़ के संतोष कुशवाहा के साथ हुई थी. लेकिन सुनीता मां नहीं बन पा रही थी. इस परिवार के लोग परेशान थे. काफी पूजा पाठ और मन्नतें मांगने के बाद सुनीता पहली बार मां बन रही थी, लेकिन ऊपर वालों को कुछ और ही मंजूर था.

अस्पताल पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने की दुखद की घटना की घोर निंदा

घटना की सूचना पाकर विधायक उमाशंकर अकेला, जिप सदस्य रवि अकेला, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, कांग्रेस नेता विकास यादव, बीरबल साहू, राजदेव यादव, विनोद सिंह, मुखिया जानकी यादव सामुदायिक अस्पताल पहुंचे. बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि एएनएम की लापरवाही की वजह से महिला की मौत हुई है. एएनएम को अविलंब बर्खास्त करते हुए कानूनी कार्रवाई जाए.

क्या कहते हैं प्रभारी इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी भुवनेश्वर गोप ने बताया कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे और ऐसी घटना न हो यह सुनिश्चित करेंगे.

क्या कहते हैं थाना प्रभारी सामुदायिक अस्पताल में एएनएम की लापरवाही से जच्चा-बच्चा की जान जाने के संबंध में थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजन ने थाना में आवेदन दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

ज़िला स्तरीय शांति समिति की बैठक में उपायुक्त ने सदस्यों से की अपील

विधि व्यवस्था व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में करें सहयोग : सहाय

संवाददाता। हजारीबाग

आगामी रामनवमी व ईद के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द बनी रहे, भाईचारा के साथ व्यवस्थित तरीके से गरिमामय माहौल में आयोजन के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक मंगलवार को को नगर भवन सभागार में संपन्न हुई. उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले भर के शांति समिति के सदस्य शामिल हुए. उपायुक्त ने कहा कि पर्व व त्योहारों के मौसम के बीच राज्य में लोकसभा निर्वाचन को लेकर आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी है, जिसका उल्लंघन न हो. साथ ही विधि व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनी रहे इसके लिए समाज के हर वर्ग का सहयोग आवश्यक है. शोभा यात्रा एवं पर्व के दौरान नागरिकों को निरंतर मूलभूत सुविधाएं, सेवाएं मिलें, इसके लिए संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया गया है.
सभी विभागों के स्तर से सर्वेक्षण का कार्य एवं चीजों को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है. वरीय अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है. उन्होंने कहा शांतिपूर्ण, भक्ति भाव तरीके से रामनवमी संपन्न हो, इसके लिए ज़िला प्रशासन पिछले साल की तरह लोगों से सहयोग की अपेक्षा रखता है. उपायुक्त ने कहा कि शोभा यात्रा में लाउडस्पीकर पर सादगी और भक्ति गाने बजाने, पारंपरिक ढोल ताशे की धुन, संगीत पर कोई रोक नहीं है. भड़काऊ और सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाले गाने और चलंत डीजे के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है. प्रशासन द्वारा असामाजिक तत्वों, हिस्ट्रीशीटर लोगों पर निगरानी रखी जा रही है, एतिहातन पुलिस निषेधात्मक उपायों के तहत कुछ लोगों को नोटिस जारी कर नियंत्रण रखने की कार्रवाई की गयी है. अंत में उपायुक्त ने सभी को रामनवमी व ईद की बधाई व शुभकामनाएं दीं. बैठक में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक के आलावा, नगर आयुक्त शैलेश कुमार, अपर समाहर्ता संतोष सिंह, सहायक समाहर्ता सुलोचना मीणा, सदर एसडीपीओ सुभाशीष कुमार, सदर एसडीओ शैलेश कुमार, बरही एसडीओ, सिविल सर्जन, डीपीआरओ रोहित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी थाना प्रभारी मौजूद थे.

आम नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं दें

वहीं पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों की सक्रियता एवं प्रशासनिक मुस्तैदी से पर्व व त्योहारों में किसी प्रकार की विधि व्यवस्था की समस्या ना हो, इसके लिए प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं. पुलिस प्रशासन निष्पक्ष, शांतिपूर्ण तरीके से सभी समुदाय की भावना, नागरिक सुविधाओं को दिलाने के लिए कृतसंकल्पित है. पुलिस द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. असामाजिक तत्वों के गतिविधियों पर निगरानी रख रही है. अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए ड्रोन कैमरा, सीसीटीवी कैमरा का उपयोग किया जाएगा. शहर में सड़कों एवं मकान की छत पर ईंट, पत्थर जमा कर रखने वाले की जांच शुरू कर की गयी है. उन्होंने कहा कि आम नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं दें, किसी भी प्रकार के सोशल मीडिया पोस्ट की सत्यता को परख लें. पुलिस की आईटी सेल भ्रामक पोस्ट के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों पर पैनी नजर बनाए रखी है.

रामनवमी महासमिति ने प्रशासन को सहयोग का दिलाया भरोसा

वहीं बैठक के दौरान रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष जीतू यादव ने जिला प्रशासन से सुगम व सुविधाजनक व्यवस्था हेतु अनुरोध करते हुए कहा कि जुलूस मार्ग पर सुगम ट्रैफिक व्यवस्था एवं जाम की स्थिति से निपटने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग सहित विभिन्न हिस्सों में रामनवमी के मद्देनजर बिजली, पानी, सड़क आदि को दुरुस्त किए जाने की मांग रखी. इसके साथ ही उन्होंने शांतिपूर्ण, व्यवस्थित तरीके से रामनवमी के आयोजन के लिए प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाया.

शांति समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन के समक्ष रखे सुझाव

बैठक के दौरान विभिन्न प्रखंडों, थाना क्षेत्र से आए लोगों ख़ासकर, विभिन्न समुदायों से जुड़े शांति समिति के सदस्यों ने जिला प्रशासन के समक्ष रामनवमी के त्योहार के मद्देनजर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, अतिरिक्त फोर्स की तैनाती करने, शराब के धंधेबाजों पर पुलिस कार्रवाई करने, अस्पताल व मेडिकल कैंप में सुविधा दुरुस्त रखने, एंबुलेंस की व्यवस्था, बाहर से आने वाले और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने की मांग रखी. इसके अलावा सदस्यों की ओर से इस दौरान बिजली की आपूर्ति सुधार करने, अवैध रूप से शराब, नशा के कारोबार करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की गई.

समस्याओं को हल करने की मांग, शांतिपूर्ण आयोजन का भरोसा

बैठक में कटकमदाग के महेश कुशवाहा, इचाक के रंजीत मेहता, डाड़ी के लखन महतो, कटकमसांडी प्रसाद मेहता, सदर प्रखंड महेंद्र राम, विशाल बाल्मीकि, पवन कुमार गुप्ता, कटकमसांडी के नारायण साव, बिष्णुगढ़ के पोखराम शर्मा, टाटीझरिया के महेश अग्रवाल, रवि सिंह, इचाक के रंजीत मेहता व बरकट्ठा, पदमा, चौपारण, बड़कागांव आदि से आए शांति समिति के सदस्यों ने अपने विचार रख कर स्थानीय जन समस्याओं को हल करने की मांग रखी. सदस्यों ने इसके साथ ही जिला प्रशासन को भरोसा दिलाया कि हजारीबाग में पर्व/ त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित किए जाएंगे.

जैसा चेहरा वैसा दाम

शहर के कई नामी गिरामी होटलों में फल फूल रहा देह व्यापार का धंधा

संवाददाता। हजारीबाग

- बाहर से लड़कियों की सप्लाई की जा रही, लड़के स्थानीय लॉज में रहने वाली कुछ लड़कियों को लेकर जाते हैं होटल

हजारीबाग थाना क्षेत्र के कई होटलों में देह व्यापार का धंधा फल फूल रहा है. सूत्र बताते हैं कि शहर के कई नामी गिरामी होटलों में बाहर से लड़कियों की सप्लाई की जा रही है. कई होटल ऐसे भी हैं, जिनमें स्थानीय और बाहर से आए लड़के स्थानीय लॉज में रहने वाली कुछ लड़कियों को लेकर होटल जाते हैं, जहां उनसे घंटे के हिसाब से पैसे लिए जाते हैं. साथ ही कई शादी घरों में कमरे दिये जा रहे हैं. वहीं शहर के बीचों-बीच एक होटल में यह धंधा पुलिस के नाक के नीचे हो रहा है.
सूत्रों के अनुसार कनहरी पहाड़ के पास एक होटल में बाकायदा एलबम दिखाकर लड़कियों की सप्लाई की जा रही है. जैसा चेहरा वैसा दाम. यहां बड़े शहरों की तर्ज पर अब वाइफ स्वैपिंग का मामला भी तेजी से बढ़ रहा है. इसमें संभ्रांत समझे जाने वाले परिवार की औरते और उनके हसबैंड शामिल हैं. वाट्स एप्प व फेसबुक पर ग्रुप बनाकर उसमें महिलाओं और पुरुषों को जोड़कर सेक्स का गंदा खेल खेला जा रहा है. सबसे हैरानी की बात है कि कुछ सालों पहले तक ऐसी बातें कहानियां समझी जाती थीं, जो आज हकीकत में तब्दील होती देखा जा सकती है. बताया जा रहा है कि अभी कुछ दिन पहले एक बड़े प्रतिष्ठित होटल में छापेमारी में एक संभ्रात परिवार वाइफ स्वैपिंग के मामले में फंसा, लेकिन परिवार की रसूख और पैसे के दम पर मामले को रफा-दफा कर दिया गया. शहर चूंकि छोटा है इसलिए ये बात दबाएं नहीं दब रही है. आज हर चौक-चौराहे पर इस मामले की चर्चा हो रही है.
आधुनिकता के दौर में कुछ अलग करने की होड़ : आज जिस तरह से आधुनिकता के दौर में कुछ अलग करने की होड़ जन्म ले रही है उससे समाज रसातल की ओर जा रहा है. जरूरत है कि समाज और प्रशासन इन सब पर अंकुश लगाएं. अन्यथा वो दिन दूर नहीं जब ऐसे अनैतिक कार्य जिले पर एक बदनुमा धब्बा लगा देंगे. इस संबंध में एसडीओ शैलेश कुमार ने पूछे जाने पर बताया कि यह मामले की जानकारी पुलिस को दी जाएगी एवं ऐसे होटल को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी.

कलश यात्रा में व्यवधान डालने वाले बख्शे नहीं जाएंगे : एसडीओ

बड़कागांव । एसडीओ शैलेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को शांति समिति की बैठक की गयी. इसका संचालन एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने किया. बैठक ग्रामीणों ने कलश यात्रा में छवनिया गांव में लाठी डंडे के साथ व्यवधान डालने के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग मांग की. वहीं घटना के बाद बड़कागांव प्रखंड पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है. ग्रामीणों को शांत करते हुए एसडीओ शैलेश कुमार ने कहा है कि जो भी आरोपी हैं उन्हें बख्शा नहीं जाएगा. थाने में आवेदन दे दीजिए तुरंत कार्रवाई होगी. थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि वीडियो के आधार पर आरोपी चिन्हित होंगे.

चौपारण प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में निकाली गई कलश यात्रा

भीषण गर्मी पर भारी पड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

संवाददाता। चौपारण

प्रखंड के आधा दर्जन गांवों में मंगलवार को महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकाली गई. इस दौरान यवनपुर पंचायत के मध्यगोपाली, गोविंदपुर पंचायत के भटबिगहा व गोरखवा, बेलाही पंचायत पोडो, बहेरा पंचायत के नगवां, करमा पंचायत के केदलीकलां, डेबो पंचायत के नवादा मरकच, सिंघरावां पंचायत के हजारीधमना में कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय यज्ञ का शुभारंभ हुआ. कलश यात्रा में मुख्य रूप से बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, जिप सदस्य राकेश रंजन, जिप सदस्य रवि शंकर अकेला सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे. सभी गांवों में नवनिर्मित, ग्राम देवी मंडप, हनुमान मंदिर, शिव मंदिर के लिए प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया. पूरे प्रखंड में भक्ति की बयार बह रही है. यादव ने कहा कि पूरे प्रखंड में भक्ति व उत्साह का माहौल है. चौपारण क्षेत्र यज्ञ मंत्रों की मंगल ध्वनि से गूंज रहा है. चिलचिलाती धूप में भी माताएं बहनें कलश यात्रा में शामिल होकर उत्साहित नजर आ रही हैं. श्रद्धालुओं की आस्था भीषण गर्मी पर भारी पड़ी. कलश यात्रा में जिप सदस्य आरती कौशल, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, पूर्व अध्यक्ष राजदेव यादव, उपप्रमुख प्रीति गुप्ता, कांग्रेस नेता विकास यादव, मुखिया जानकी यादव, आप नेता विजय यादव, मुखिया मंटू सिंह, रामपुर मुखिया सुनीता देवी, मुखिया, कांग्रस नेता सोनू कुमार, मोहन साव, सुरेंद्र पांडेय, समाजसेवी गजाधर प्रसाद आदि शामिल रहे.

कलश स्थापना के साथ बासंती दशहरे का शुभारंभ

हजारीबाग । जिले में मंगलवार को विक्रम संवत 2081 स्वागत किया गया. इस अवसर पर सनातन धर्म के लोगों ने घरों और मंदिरों में पूजा भी की. वहीं बासंती दशहरा की भी शुरुआत मंगलवार को कलश स्थापन के साथ हो गयी.
बता दें कि जिले के विभिन्न स्थानों पर बासंती दशहरे का आयोजन उल्लास और भक्तिमय वातावरण में किया जाता रहा है. वहीं टाटी झरिया के झरपो में साल 1957 से चैत्र शुक्लपक्ष की प्रतिपदा से श्रीदुर्गा शप्तशती का पाठ किया जा रहा है. सप्तमी तिथि से विशेष रूप से यहां भक्तों की भीड़ पूजा करने के लिए उमड़ पड़ती है. इसके दो कारण हैं, पहला तो सप्तमी को मां दुर्गा के पट खुलते हैं और दूसरा यह कि उसी दिन रामनवमी का महावीरी ध्वज भी स्थापित किया जाता है. महावीरी ध्वज और दुर्गा पाठ का संगम होना सनातनियों के लिए सौभाग्य की बात होती है. इसी वजह से भक्तों की भीड़ उमड़ने लगती है.

कोयलांचल में हजारीबाग के राजग प्रत्याशी का जोरदार स्वागत

जायसवाल ने 22 गांवों का दौरा कर मांगा वोट

संवाददाता। हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के राजग उम्मीदवार मनीष जायसवाल का जनसंपर्क अभियान मंगलवार को बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड स्थित भुरकुंडा क्षेत्र के कोयलांचल की धरती पर पहुंचा. यहां भाजपा और आजसू कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया. जायसवाल का काफिला मकतमा चौक बिरसा चौक पहुंचा, जहां उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके बाद शहरी क्षेत्र में पदयात्रा की गयी. क्षेत्र के एक दर्जन पंचायतों जनसंपर्क किया गया. इनमें सुंदरनगर, पटेलनगर, चोरघारा, जवाहरनगर, भुरकुंडा, दोतल्ला, इमलीगाछ, चिप हाउस, दत्तो, सेंट्रल सौंदा, सयाल दक्षिणी और सयाल उत्तरी पंचायत क्षेत्र के 22 गांव शामिल रहे. जायसवाल का स्थानीय लोगों ने, विशेषकर महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया. पुरुषों ने पारंपरिक तरीके से मांदर और नगाड़े की थाप पर नाचते- झूमते हुए उनका स्वागत किया.
अंजू देवी सहित कई ने थामा भाजपा का दामन : कोयलांचल क्षेत्र के भुरकुंडा जवाहरनगर स्थित हनुमान गढ़ी निवासी बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की पूर्व निर्दलीय उम्मीदवार रही अंजू देवी सहित कई अन्य लोगों ने भाजपा का दामन थामा. साथ ही मनीष जायसवाल को जिताकर फिर एक बार मोदी सरकार बनाने का संकल्प लिया. जायसवाल ने सभी का भाजपा परिवार में स्वागत किया. वहीं भुरकुंडा में स्थानीय क्षेत्र के कई गांवों के श्रद्धालुओं की ओर से हिंदू नववर्ष और रामनवमी महापर्व को लेकर निकाले गए मंगला जुलूस में मनीष जायसवाल शामिल हुए और रामभक्तों का उत्साह बढ़ाया.
मौके पर आजसू के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी रोशन लाल चौधरी, रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीन मेहता, आजसू महासचिव विजय साहू, रामगढ़ जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, केंद्रीय सदस्य मनोज राम, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे.

पहल पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में 28 मार्च से 1 अप्रैल तक हुआ महोत्सव का आयोजन

राष्ट्रीय युवा महोत्सव के विजेता प्रतिभागी विभावि में सम्मानित

- प्रतिभागियों ने पूरे भारत में विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है : कुलपति

संवाददाता। हजारीबाग

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना की मेजबानी में तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ की देखरेख में 28 मार्च से 1 अप्रैल तक आयोजित अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया था. मंगलवार को विश्वविद्यालय लौटने पर विजेता दल के सम्मान में कुलपति कक्ष में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इसमें झारखंड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के शिक्षा परामर्शी प्रोफेसर ई बालागुरुस्वामी ने सभी विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति सुमन कैथरीन किसपोट्टा ने की.

यह उपलब्धि काबिले तारीफ

प्रोफेसर बालागुरुस्वामी ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ कला, संस्कृति एवं खेलकूद की गतिविधियों के माध्यम से अनेक प्रकार की व्यावहारिक शिक्षा की प्राप्ति होती है जिनकी पढ़ाई वर्ग में नहीं होती है. उन्होंने सभी प्रतिभागियों को, दल के प्रबंधकों को एवं पूरे विश्वविद्यालय परिवार को इस बड़ी उपलब्धि के लिए साधुवाद दिया. कुलाधिपति के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ संजीव राय ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया. कुलपति ने विश्वविद्यालय दल के दोनों प्रबंधकों डॉ जॉनी रुफिना तिर्की एवं डॉ. अर्चना रीना धान की भी प्रशंसा की. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी.

विभावि के 109 प्रतिभागियों ने भाग लेकर प्राप्त किए कई पुरस्कार

विभावि दल के प्रबंधक एवं मानव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. जॉनी रुफिना तिर्की ने बताया कि विश्वविद्यालय के 109 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लिया था. विभावि झारखंड का एकमात्र विश्वविद्यालय है जिसे आठ विधाओं में प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए. विभावि दल को सांस्कृतिक शोभायात्रा में तीसरा स्थान, लोक नृत्य में दूसरा स्थान, वाद-विवाद में तीसरा स्थान, प्रहसन में तीसरा स्थान, मुक अभिनय में तीसरा स्थान, मेहंदी में प्रथम स्थान, इंस्टॉलेशन में प्रथम स्थान, तथा रंगोली में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है.

प्रतिभागी सिफत मौज्जामा ने कविता पाठ से मोहा सबका मन

कार्यक्रम को विश्वविद्यालय के वित्त परामर्शी सुनील कुमार सिंह, कुलसचिव मोहम्मद मोख्तार आलम, वित्त पदाधिकारी डॉ सुरेंद्र कुशवाहा आदि ने भी संबोधित किया. विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लगातार अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए स्नातकोत्तर कला-संस्कृति परिषद के सचिव डॉ. सुकल्याण मोइत्रा ने प्रस्ताव दिया कि विश्वविद्यालय की ओर से डिपार्मेंट आफ परफॉर्मिंग आर्ट्स खोले जाने का एक प्रस्ताव तैयार करके कुलाधिपति के शिक्षा परामर्शी महोदय को समर्पित किया जाए. प्रोफेसर बालागुरुस्वामी ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव का स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन छात्र कल्याण संकाय अध्यक्ष प्रो. मिथिलेश कुमार सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन सीसीडीसी डॉ केके गुप्ता ने किया. वहीं इस अवसर पर प्रतिभागी सिफत मौज्जामा ने अपने 10 दिनों के अनुभव पर एक स्वरचित कविता पाठ कर सभी लोगों के मन को मोह लिया.

प्रशिक्षुओं ने पोस्टर बना दिया प्लास्टिक फ्री कैंपस का संदेश

संवाददाता। हजारीबाग

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में मंगलवार को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रशिक्षुओं ने अपने कॉलेज में प्लास्टिक फ्री कैंपस पर आकर्षक और संदेशपरक पोस्टर बनाया. इसके माध्यम से प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में संदेश दिया. इससे पहले प्रतिभागियों को अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया था. सभी ग्रुप से प्रथम तीन स्थान पर विजेता प्रतिभागियों को चुना गया. इनमें प्रथम स्थान अनीसा कुमारी और श्रुति पास्कल द्वितीय कोमल कुमारी और नेहा कुमारी व तृतीय स्थान पर हुमा जफर और प्रिया रानी रहीं. इस मौके पर प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार, आईक्यूएसी की को-ऑर्डिनेटर डॉ. बसुंधरा कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पुष्पा कुमारी, कुमारी अंजलि, अनिल कुमार, जगेश्वर रजक, एसएस मैती, गुलशन कुमार, रचना कुमारी, संदीप खलखो, दिलीप कुमार सिंह, संदीप कुमार सिन्हा, डॉ अनुरंजन कुमार, डॉ मीरा सिंह, वर्षा कुमारी, स्नेहलता खलखो समेत प्रशिक्षु मौजूद थे.

धनबाद के पांच लाख से अधिक घर-फ्लैट व हजारों दुकान, फैक्ट्री, शोरूम, मॉल में होती रहती है अगलगी की घटना

एक साल में 197 अगलगी, 54 करोड़ 36 लाख रुपये की संपत्ति राख

राजा गुप्ता । धनबाद

एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक वित्तीय वर्ष में एक साल में धनबाद जिला के 10 प्रखंड क्षेत्रों में 197 अगलगी की घटनाएं हुई. जिसमें 54 करोड़ 36 लाख की संपत्ति राख हो गई. अग्निशमन विभाग के अनुसार धनबाद जिला की आबादी 30 लाख के आसपास है. पांच लाख से अधिक घर-फ्लैट हैं. हजारों दुकानें, फैक्ट्री, गोदाम, शोरूम, मॉल, स्कूल, कार्यालय, अस्पताल व बाजार आदि हैं. जहां अक्सर अगलगी की घटनाएं होती रहती हैं. जबकि अग्निशमन विभाग की व्यवस्था पहले की तरह है. बहुमंजिला इमारत, मॉल व अस्पताल बनते चले गए. धनबाद में वर्षों से तीन अग्निशमन विभाग के कार्यालय हैं और 10 दमकल गाड़ियां हैं. धनबाद शहरी क्षेत्र में गोल्फ ग्राउंड के निकट अग्निशमन विभाग के कार्यालय में छह गाड़ियां हैं. झरिया में दो और सिंदरी में दो दमकल गाड़ियां हैं. वहीं दूसरी ओर जीटी रोड पर तोपचांची से मैथन तक न तो कार्यालय और ना ही दमकल गाड़ियां हैं. केंदुआ से महुदा और बाघमारा तक भी कार्यालय व गाड़ियां नहीं हैं. आबादी के हिसाब से दस प्रखंड क्षेत्र में एक-एक अग्निशमन विभाग का कार्यालय और सभी जगहों पर 6-6 गाड़ियां होनी चाहिए. पानी की भी पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए. आग से निपटने के सभी जवानों को सभी तरह के किट उपलब्ध होने चाहिए, ताकि आग लगने पर काबू पा सके. रांची की तरह धनबाद में हाइड्रोलिक गाड़ी होनी चाहिए, ताकि अपार्टमेंट, मॉल व बड़े अस्पतालों में आग लगे तो आग पर समय रहते काबू पाया जा सके. लचर व्यवस्था के कारण ही समय पर न तो गाड़ियां पहुंच पाती है और ना ही जानमाल की क्षति होने से बचाया जा सकता है.

अग्निशमन विभाग के अधिकारी कहते हैं कि धनबाद जिला के दर्जनों इलाके में संकरी रास्ते में अपार्टमेंट व बहुमंजिला इमारत बन गए हैं. दमकल गाड़ी को घटनास्थल पर आने-जाने के लिए 20 फीट चौड़ी सड़क होनी चाहिए. धनबाद में मुख्य सड़क को छोड़ दी जाए तो किसी भी इलाके में 20 फीट की सड़क नहीं है. जहां आग लगने पर दमकल गाड़ियां समय रहते पहुंच सके. अक्सर गाड़ियों को घटनास्थल से काफी दूर सड़क पर खड़ी करती पड़ती है. फिर पाइप पहुंचा कर काफी दिक्कत से आग पर काबू पाया जाता है. कई बार पहुंचने का साधन नहीं होने से जानमाल का काफी नुकसान हो जाता है. हजारों लोग

सड़क व बिजली की तार से 14 फीट दूरी पर घर, अपार्टमेंट, अस्पताल, मॉल नहीं बनाए हैं. राज्य में फायर सर्विस एक्ट लागू नहीं होने से अग्निशमन विभाग के अधिकारियों को काफी परेशानी हो रही है. निरीक्षण व कार्रवाई का अधिकार नहीं होने से लोग इसका बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं. अग्निशमन विभाग के कर्मी बताते हैं कि धनबाद जिला में पांच हजार से अधिक भवनों में अग्नि सुरक्षा यंत्र नहीं है. पोर्टेबल सिलेंडर, फायर फायटिंग के साधन नहीं है. अधिकतर भवनों में प्रवेश व निकास द्वार नहीं है. कहीं फायर फायटिंग के साधन हैं भी तो वह सिर्फ दिखावे के लिए हैं. न तो सुरक्षा गार्ड उसे हैंडिल कर पाते हैं और न ही वहां रहने व कारोबार करनेवाले लोग. इतना ही नहीं, जब गलियों में बने भवनों में आग लगती है तो लोगों को बचाने में अग्निशमन विभाग के टीम को रेस्क्यू करने में काफी परेशानी होती है

कब और कहां आग लगने से कितने का हुआ नुकसान

1. 13 नवंबर 2023 को केंदुआ में दुकान व घर में आग लगने से तीन लोगों की मौत और लाखों की संपत्ति राख
2. 01 मार्च 2024 को सरायढेला स्थित एसएनएमएमसीएच के डायलिसिस यूनिट में आग लगने से एक करोड़ के केमिकल व उपकरण राख
3. 20 मार्च 2024 को बरवाअड्डा हवाईअड्डा के निकट काजू फैक्ट्री में आग लगने से 5 करोड़ की संपत्ति राख
4. 31 मार्च 2024 को पुराना बाजार के मस्जिद रोड पर 13 दुकानों में आग लगने से 50 की संपत्ति राख
5. 12 जनवरी 2024 को बिजली विभाग के वर्कशॉप में आग लगने से एक करोड़ से अधिक की संपत्ति का नुकसान

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष लग्न में चंद्रगुरु मानसिक और शारीरिक सुख देता है. बड़ा कार्य करने का मन होगा. समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी. पर राहु के प्रभाव से वरिष्ठों से संबंध मधुर होंगे, परन्तु सहकर्मियों से मनमुटाव व टकराहट हो सकती है, इसलिए असावधानी न बरतें.

वृषभ धर्म या धार्मिक यात्रा पर खर्च होगा. निद्रा में भी खलल होगा. पर विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. खर्च में वृद्धि होगी, पर बाहर से कोई शुभ समाचार मिलेगा. आपकी सृजनात्मकता आपको अन्य साथियों से आगे ले जायेगी. अन्न दान करें.

मिथुन समय बहुत ही उत्तम है. आर्थिक स्थिति पूरी तरह से सामान्य रहेगी. धन की आवक सामान्य तौर पर बनी रहेगी, वहीं खर्च भी बढ़ सकते हैं. अपना धन किसी को उधार न दें. गौ माता की सेवा करें, लाभ होगा.

कर्क पिता या पिता तुल्य से विवाद हो सकता है. पर सरकार से लाभ होगा. समाज में मान-सम्मान मिलेगा. परिवार में सुख शांति भरपूर रहेगी. किसी शुभ कार्य के होने का भी संकेत भी सितारे दे रहे हैं. किसी विवाद में न पडें.

सिंह मानसिक तनाव वाला कार्य होगा. धर्म का कार्य होगा. मन में गर्व भी महसूस होगा. यात्रा सुखद और मनोरंजक होगी. जीवनसाथी से संबंध थोड़े बेहतर होंगे. कहीं पैसा फंसने का भी योग बन रहा है और कोई भी जोखिम भरा कार्य न करें.

कन्या गलत निर्णय लेने से बचें. हानि हो सकती है. आप कार्य में अपनी पसंदीदा चीजों की तरफ ध्यान देंगे. किसी करीबी से धोखा मिल सकता है, अतः आंखें बंद करके किसी पर विश्वास न करें. विष्णु भगवान को पीली वस्तु अर्पण करें.

तुला जीवन साथी से गलतफहमी से विवाद हो सकता है. किसी नए शौक की तरफ रुझान रहेगा, जबकि स्पोर्ट्स और योग आपको तरोताजा होने में मदद करेंगे. कुछ गुप्त शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं, अतः सतर्क रहें.

वृश्चिक उदर रोग हो सकता है. आपको एकाग्र होने में मदद मिलेगी और आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे. अपने रुझान में कूटनीतिक रहने की कोशिश करें और विवाद न करें. ऋण लेने से बचें. हनुमान चालीसा का पाठ करें, लाभ होगा.

धनु घर में विवाद हो सकता है. पर आप अपने प्रभाव से गलतफहमियां दूर कर सकेंगे. मेहनत एवं अनुभव द्वारा कुछ नवीन स्थिति को पाएंगे. विषम परिस्थितियों में साहस ना खोएं. रुद्रागायत्री का जाप पाठ करें.

मकर समय सामान्यतः अच्छा है. विदेशी कारोबार से जुड़े लोगों को अच्छे लाभ का योग है. पिता और उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. बिना बात के किसी से भी उलझना भारी पड़ सकता है. गरीब को अन्न का दान करें.

कुंभ अपनों से मानहानि हो सकती है. आपके परिश्रम को उचित सम्मान मिलेगा एवं नयी जिम्मेदारी का भार भी आपके कंधों पर डाला जायेगा. नियमित जीवनचर्या एवं संयमित खानपान में कोताही न बरतें. शनि चालीसा का पाठ करें.

मीन धन का आगमन होगा. किये गये कार्य का लाभ मिलेगा. कार्य से सम्बंधित यात्राओं का लाभ मिलेगा. किसी वाद-विवाद के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने से बचें. काली माता को उड़हुल फूल अर्पण करें.

जेजेएमपी का फरमान- ठेकेदार काम छोड़ दें अन्यथा मौत की सजा

मेदिनीनगर। पांकी थाना क्षेत्र में मंगलवार को जेजेएमपी नक्सली के सब जोनल कमांडर टाइगर जी ने जई और ठेकेदारों को चेतावनी देते हुए पर्चा जारी किया है. जेजेएमपी नक्सलियों के जारी पर्चे में लिखा गया है कि जन विरोधी कार्य में शामिल जेई और ठेकेदारों को कहां है कि एक बाउंड्री का तीन बार बिल बनाकर पैसा निकासी न करे. लिखा है कि गमन करने वाले के खिलाफ संबंधित विभाग इसकी जांच करें. ठेकेदार होश में रहो. आगे नक्सलियों ने पर्चे में लिखा है कि ठेकेदार अपने कार्यों को छोड़ दें अन्यथा मौत की सजा दी जाएगी.

हे भगवान! 14 साल की नाबालिग आठ माह की गर्भवती

जिस भाई ने अस्मत बचाने का दिया था भरोसा, उसी पर दुष्कर्म का आरोप

रिश्ता शर्मसार

- पीड़िता ने अपने नाबालिग चचेरे भाई पर लगाया आरोप
- महिला समूह से हिम्मत मिलने पर थाने पर की शिकायत

संवाददाता । किरीबुरु

किरीबुरु थाना क्षेत्र अंतर्गत सारंडा के एक सुदूरवर्ती गांव में 14 साल की नाबालिग लड़की के गर्भवती होने का गंभीर मामला सामने आया है. बताया जा रहा कि लड़की आठ माह की गर्भवती है. पीड़िता ने अपने नाबालिग चचेरे भाई पर ही दुष्कर्म का आरोप लगाया है. जानकारी होने के बाद, उक्त गांव की महिला समूह की महिलाओं ने पीड़िता और आरोपी किशोर को दोनों के परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार को किरीबुरु थाना लाया. पुलिस नाबालिक लड़की और आरोपी किशोर से अलग-अलग पूछताछ कर रही है. नाबालिग लड़की ने बताया है कि वह छोटी उम्र में ही गरीबी की वजह से ओडिशा के एक परिवार के घर जाकर घरेलू कार्य कर रही थी. बीते साल रक्षाबंधन में वह अपने घर आयी थी. सुबह उसने आरोपी चचेरे भाई को राखी बांधी. राखी बंधवाने के बाद आरोपी भाई ने कहा कि शाम में घर आकर थोड़ा घर की साफ-सफाई कर देना, क्योंकि घर पर कोई नहीं है. जब शाम में वह आरोपी के घर गई, तो उसने जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया. इसके बाद उसने इस घटना की जानकारी किसी को देने पर उसके घरवालों को मार देने की धमकी दी. डर से लड़की ने किसी को कुछ नहीं बताया. इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दो-चार बार और दुष्कर्म किया.

एक माह बाद लड़की पुनः ओडिशा चली गई. वहां कुछ दिन बाद वहां तबीयत बिगड़ने पर उस परिवार ने चिकित्सक के पास जांच कराया. जिसमें उसके गर्भवती होने की बात पता चली. इसके बाद उक्त परिवार ने एक माह पहले लड़की को सारंडा स्थित गांव में माता-पिता पास भेज दिया. गांव आने के बाद इज्जत, प्रतिष्ठा धूमिल होने के डर से दोनों परिवार आपस में चर्चा करते हुए बात दबाये रखे. लेकिन, पीड़िता ने न्याय के लिए महिला समूह को घटना की जानकारी दी और फिर सभी के साथ मंगलवार को किरीबुरु थाना मामला दर्ज कराने पहुंची.

आरोपी ने अपने उपर लगे आरोपों को गलत बताया : दूसरी तरफ आरोपी चचेरे भाई का कहना है कि उसकी बहन जो आरोप लगा रही है, वह गलत है. उसने उसके साथ ऐसा कुछ भी नहीं किया है. उल्लेखनीय है कि सबसे ज्यादा परेशानी नाबालिग लड़की के पेट में पल रहे आठ माह के बच्चे से जुड़ा है. प्रसव के दौरान किशोरी और बच्चे की जान का खतरा भी बना रहेगा. ऐसे में यह मामला काफी गंभीर व संवेदनशील है. पुलिस मामले की जांच कर प्राथमिकी दर्ज करने व अन्य कानूनी प्रक्रिया में लगी है.

हजारीबाग में 9वीं की छात्रा चार माह की गर्भवती

बरकट्ठा (हजारीबाग)। प्रखंड क्षेत्र के एक आवासीय विद्यालय की एक छात्रा के साथ यौन शोषण का मामला प्रकाश में आया है. छात्रा चार माह की गर्भवती

बताई जा रही है. उसने बरकट्ठा थाना पहुचं कर लिखित शिकायत कर प्राथमिकी दर्ज कराई है. 17 वर्षीय छात्रा ने बताया कि करीब एक साल पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बरही निवासी रूपेश राम से उसकी दोस्ती हुई और बाद में दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चलने लगा. इस बीच चार माह पूर्व 19 दिसंबर 2023 को रूपेश विद्यालय पहुंचा और शादी का झांसा देकर उसे अपने साथ बरही ले गया. फिर उसके साथ यौन शोषण किया. इसके बाद बार-बार उसे बहला-फुसला कर अपने साथ ले जाकर यौन शौषण करता रहा. पीड़िता ने बताया है कि अभी वह चार माह की गर्भवती है. अपने प्रेमी रूपेश राम को जब इसकी जानकारी दी, तो उसने शादी करने से इंकार कर दिया. इसके बाद उसने अपने घरवालों को सारी घटना से अवगत कराया. इधर, लड़की के आवेदन पर बरकट्ठा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. मामले में बरकट्ठा थाना प्रभारी राजेश कुमार भोक्ता ने बताया कि छात्रा की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है. छात्रा का न्यायालय में 164 का ब्यान दर्ज करा दिया गया है. वहीं, नामजद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है.

14 शिक्षकों का वेतन रुका, तीन एचएम पर गिरी गाज, शोकॉज जारी

संवाददाता । रांची

झारखंड शिक्षा परियोजना राज्य के सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण कर रही है. दूसरे दिन बुधवार को जिलावार अनुश्रवण कर रहे पदाधिकारियों ने तीन स्कूलों के एचएम के विरुद्ध अनुशासनहीनता के मामले में कार्रवाई की अनुशंसा राज्य शिक्षा परियोजना से की है. जिन स्कूलों के विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा भेजी गयी है, उनमें जिला स्कूल (दुमका), आरके माध्यमिक स्कूल (नाला), राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, भंडरिया (गढ़वा), प्लस टू हाई स्कूल (गिरिडीह) का नाम शामिल है.

शिक्षको को आपने कार्य में लापरवाही बरतने और विभाग के निर्देशों की अवहेलना करने के मामले में राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय, भंडरिया (गढ़वा) के 14 शिक्षकों के वेतन रोकने का आदेश दिया गया है. इस स्कूल के एचएम के विरुद्ध भी कार्रवाई की गयी है. औचक निरिक्षण के दौरान स्कूल में मौजूद सभी शिक्षक कक्षा संचालन के बजाय प्रभारी प्रधानाध्यापक के कक्ष में गप मारते देखे गए. जबकि कक्षा 12 में उपस्थित केवल 8 छात्रों को एक शिक्षिका द्वारा पढ़ाया जा रहा था. सभी शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनहीनता के मामले में रिपोर्ट भेजा गया. जिसके बाद एक्शन लेते हुए राज्य शिक्षा परियोजना द्वारा सभी 14 शिक्षकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक के वेतन को अगले आदेश तक रोकने का आदेश जारी किया गया है.

क्या कहते हैं निदेशक आदित्य रंजन

राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने लापरवाही बरत रहे स्कूलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अनुशंसा करने का निर्देश दिया है. साथ ही निरीक्षण के बाद स्कूलों में बदलाव की समीक्षा का भी प्रत्येक माह निर्देश दिया है. साथ ही राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक द्वारा निरीक्षण किये गए स्कूलों में कार्य प्रगति का मई माह में पुनः आकलन कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है.

एसीबी ने अमीन को दस हजार रिश्वत लेते दबोचा

गुमला । रांची की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने मंगलवार के दोपहर भरनो अंचल में संविदा पर कार्यरत अमीन श्रवण कुमार को दस हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया और अपने साथ रांची ले गई. कुम्हरो ग्राम निवासी अनिल उरांव ने अपने जमीन को आनलाइन करने के लिए 23 सितंबर 2023 में ही अंचल अधिकारी से आवेदन देकर अर्जी की थी. अंचल निरीक्षक और कर्मचारी के प्रतिवेदन के बाद अंचल अधिकारी ने भूमि मापी के लिए आवेदक का आवेदन अमीन श्रवण कुमार को अनुशंसा कर दिया. अमीन ने भूमि मापी के लिए आवेदक से पचास हजार रुपये की मांग की और प्रक्रिया आरंभ करने से पहले दस हजार रुपये की मांग की. आवेदक ने मामले की लिखित शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रांची को दी.

रांची, रामगढ़ व हजारीबाग में सक्रिय था गोविंद

25 हजार के इनामी अपराधी गोविंद को एटीएस ने दबोचा

संवाददाता । रांची

रांची, रामगढ़ और हजारीबाग में सक्रिय पांडे गिरोह के अपराधी गोविंद राय को एटीएस ने गिरफ्तार किया है. एसपी ऋषभ कुमार झा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस की टीम ओडिशा से गोविंद राय को गिरफ्तार किया है. गोविंद इतना खतरनाक अपराधी है कि उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है. इसके खिलाफ कुल सात मामले दर्ज हैं. गोविंद से एटीएस की टीम पूछताछ कर रही है, जल्दी ही एटीएस के एसपी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा करेंगे. गोविंद पर हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं. गोविंद की तलाश हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो के साथ-साथ कई जिलों की पुलिस कर रही थी. इसी दौरान एटीएस को सूचना मिली कि गोविंद ओडिशा में छिपकर रह रहा है. जिसके बाद एटीएस की टीम पिछले कई दिनों से गोविंद के पीछे लगी हुई थी. पांडेय गिरोह के सरगना विकास तिवारी के जेल जाने के बाद गोविंद ही गैंग को संचालित कर रहा था. गोविंद आदतन अपराधी है. रामगढ़ के रहने वाले गोविंद राय पर रामगढ़, बोकारो सहित कई जिलों में हत्या के मामले भी दर्ज हैं.

अरबों रुपये के जीएसटी घोटाले में दो सगे भाई कोलकाता से गिरफ्तार

जमशेदपुर । जमशेदपुर की जीएसटी इंटेलिजेंस ने अरबों रुपये के जीएसटी घोटाले का खुलासा किया है. टीम ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में छापेमारी कर 522 करोड़ के जीएसटी घोटाला करने वाले दो सगे भाई अमित गुप्ता और सुमित गुप्ता को गिरफ्तार किया है. टीम दोनों को मंगलवार को कोलकाता से गिरफ्तार कर जमशेदपुर लेकर पहुंची और एमजीएम अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद दोनों को जेल भेजने की तैयारी में जुट गई. इस मामलें में टीम ने पूर्व में कारोबारी विक्की भलोटिया और शिव कुमार देवड़ा को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा है.

100 से ज्यादा फर्जी कंपनी बनाकर किया फर्जीवाड़ा : मामले का खुलासा तब हुआ जब जमशेदपुर की जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने जांच की. जांच में पाया कि जमशेदपुर में कई ऐसी कंपनियां है जिनमें फर्जी तरीके से लेनदेन किया जा रहा है. जांच के क्रम में पाया गया कि 100 से ज्यादा कंपनियां ऐसी है जिसमें फर्जी तरीके से लेनदेन हो रहा है. अब तक इन कंपनियों में तीन हजार से ज्यादा के लेनदेन सामने आए है. जमशेदपुर में ही 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का जीएसटी घोटाला सामने आया है. इसके बाद एक टीम का गठन किया गया जिसमें सीनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर रौशन कुमार मिश्रा, इंटेलिजेंस ऑफिसर दिनेश कुमार, राजीव रंजन और राजेश कुमार शामिल थे.

सिख समाज के चर्चित व्यक्ति की हत्या से पहले कुख्यात पूरण गिरफ्तार

संवाददाता । रांची

सिख समाज के बड़े व्यक्ति की हत्या से पहले कुख्यात अपराधी पूरण चौधरी को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. मंगलवार को एसएसपी किशोर कौशल ने मामले का खुलासा किया. एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि पूरण चौधरी की गिरफ्तारी एमजीएम थाना क्षेत्र से हुई है. पूरण के पास से पुलिस ने एक हथियार बरामद किया है. वहीं पूरण की निशानदेही पर पुलिस ने राजस्थान के जयपुर में पूरण की बहन सुमित्रा के घर छापेमारी कर दो हथियार बरामद किया है.

दो मामलों में चल रहा था फरार : एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि पूरण चौधरी के खिलाफ जिले के थानों में 11 मामले दर्ज है, जिसमे सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बगान एरिया निवासी मनप्रीत सिंह हत्याकांड और एमजीएम थाना क्षेत्र में रंगदारी मांगने के आरोप में वह फरार चल रहा था. पुलिस पूरण के अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है.

10 लाख में हत्या की ली थी सुपारी

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूरण ने जमशेदपुर के मानगो निवासी एक सिख व्यक्ति की हत्या के लिए 10 लाख में सुपारी ली थी. वह कई बार घटना को अंजाम देने के लिए जमशेदपुर आया, पर सफल नहीं हो सका.

अभय सिंह की डिस्चार्ज अर्जी पर सुनवाई 3 मई को

जमशेदपुर। जमशेदपुर के कदमा थाना अंतर्गत शास्त्रीनगर में बीते साल हुए उपद्रव के मामले में भाजपा नेता अभय सिंह की डिस्चार्ज अर्जी पर एडीजे वन आरके सिन्हा की अदालत में 3 मई को सुनवाई होगी. मामले में चार अन्य आरोपियों ने भी डिस्चार्ज अर्जी दाखिल की है. बताया जाता है कि पांच दर्जन आरोपियों के खिलाफ अदालत में 31 मार्च का आरोप गठन की कार्रवाई हुई है. बता दे कि कदमा शास्त्रीनगर में 10 अप्रैल 2023 को दो पक्षों के बीच हिसंक झड़प हुई थी. इस दौरान सुरक्षा जवानों से भी लोगों ने अभद्रता करने का केस दर्ज हुआ, जिसमें भाजपा नेता अभय सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा व पूर्व भाजपा अध्यक्ष नंदजी प्रसाद समेत 70 आरोपी बनाए गए थे. इनमें 64 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप गठन के साथ दो आरोपी की बेल बॉंड खारिज हो गई. इधर, डिस्चार्ज अर्जी में भाजपा नेता अभय सिंह ने पुलिस पर मामले में बेवजह फंसाने का आरोप लगाया है.

पुलिसकर्मी 30 घंटे से लापता छानबीन में जुटी पुलिस

बालूमाथ (लातेहार) । बालूमाथ थाना में पदस्थापित सहायक पुलिसकर्मी जयराम कुमार पिछले 30 घंटे से लापता है. लापता सहायक पुलिसकर्मी बालूमाथ थाना सीमा क्षेत्र सटे बरियातू थाना क्षेत्र के राजगुरु ग्राम निवासी आदित्य साव का बड़ा पुत्र है. ग्रामीण एवं परिजनों के अनुसार सहायक पुलिसकर्मी सोमवार की सुबह ड्यूटी करने बालूमाथ थाना गया था. दोपहर 12 बजे उसकी तबीयत खराब हो गई, जिसके बाद वह जांच कराने के लिए बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा. इसके बाद वह बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय के आदर्श नगर मोहल्ले में एक परिचित व्यक्ति के यहां चला गया. परीचित व्यक्ति के यहां भी उसकी तालाश की गई लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया. लापता सहायक पुलिसकर्मी ने सोमवार दोपहर अपने भाई श्रीराम कुमार से तबियत खराब होने की शिकायत की थी, उसके बाद से उसका मोबाइल बंद बताने लगा.

बैठक

रांची में 21 अप्रैल को होगा उलगुलान न्याय महारैली का आयोजन

महारैली में भाग लेंगे गढ़वा के 25 हजार कार्यकर्ता

संवाददाता । गढ़वा

रांची में 21 अप्रैल को आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में गढ़वा से 25 हजार कार्यकर्ता भाग लेंगे. जिले के सभी 189 पंचायतों एवं 1170 बूथों से कार्यकर्ता झंडा, बैनर तख्ती, गाजा-बाजा के साथ महारैली में शामिल होंगे. मंगलवार को गढ़वा विधायक व झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता व उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया. जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में ईद,

रामनवमी, सरहूल पूजा की सभी को शुभकामनायें दी गई. मौके पर मुख्य रूप से उक्त सहित पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, शरीफ अंसारी, शम्भू चन्द्रवंशी, आलमगीर अंसारी, राजकिशोर यादव, चंदा देवी, अराधना देवी, मीना देवी, मंजू देवी, गिरीजा देवी, फुजैल अहमद, दशरथ प्रसाद, कामेश्वर सिंह, संजय यादव, अरविन्द यादव, जयगोपाल यादव, अमर राम, कंचन साहू, अजय ठाकुर, विरेन्द्र तिवारी, विजय चैधरी, राजन उरांव सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

प्रखंड प्रभारी की हुई नियुक्ति

जिला सचिव मनोज ठाकुर ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के सभी 20 प्रखंडो में प्रखंड प्रभारी, सह-प्रभारी को मनोनित किया गया है. सभी प्रखंड प्रभारियों को दो दिनों के अंदर प्रखंड में बैठक कर महारैली की तैयारी की स्थिति जिला कमिटी को अविलंब सौंपने का निर्देश दिया गया है. संगठन के सभी प्रकोष्ठ महिला, युवा, अल्पसंख्यक, व्यवसाय, क्रिड़ा आदि के सभी साथियों को प्रभारियों द्वारा बुलाई गई प्रखंड स्तरीय बैठक में अपनी-अपनी कमिटी के साथ भाग लेने का निर्देश दिया गया है.

इनको बनाया गया है प्रभारी

गढ़वा प्रखंड के मो ताहीर अंसारी, कार्तिक पाण्डेय, मेराल प्रखंड के मो. शरीफ अंसारी, दुखन चैधरी, रंका प्रखंड के संजय सिंह छोटू, रामसागर यादव, रमकंडा प्रखंड के मो जैनुल्लाह अंसारी, अनिल चंद्रवंशी, चिनियां प्रखंड के मो अहमद अली, पप्पु यादव, डंडा प्रखंड के हरेन्द्र चैधरी, जैनेन्द्र कुमार सिंह (बबलू), केतार प्रखंड के कामता प्रसाद, खरौंधी प्रखंड के लल्लू राम, भवनाथपुर प्रखंड का धर्मराज पासवान, हरिहरपुर के ब्रजेश सिंह, नगर उंटारी के अमरनाथ पांडे, समेत अन्य लोगों को प्रभारी बनाया गया.

मोटर्स पार्ट्स गोदाम में आग, लाखों का नुकसान

जमशेदपुर। एमजीएम थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच 33 स्थित बालीगुमा के पास एक मोटर स्पेयर पार्ट्स के गोदाम में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई. आग गोदाम के पिछले हिस्से में लगी और देखते ही देखते पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया. जानकारी मिलते ही संचालक फैज अहमद सिद्दीकी ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी. इसके बाद झारखंड अग्निशमन विभाग, टाटा स्टील व टाटा मोटर्स के सात दमकल मौके पर पहुंचे. कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. गोदाम संचालक ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे उन्हें कॉल आया कि उनके गोदाम में आग लगी हुई है. उन्होंने बताया कि आग गोदाम के पीछे लगी थी और धीरे-धीरे उनके गोदाम तक पहुंच गई. इस घटना में लाखों का नुकसान हुआ है.

पेज एक का शेष

हेमंत से जुड़ी भूमि की...

मामलों के निष्पादन में काफी संजीदा हैं. लेकिन एसएसआर कोर्ट में लंबित अन्य मामलों पर गौर करने पर यह पता चलता है कि ऐसी संजीदगी सभी मामलों में नहीं दिखाई जाती, क्योंकि एसएआर कोर्ट में फिलहाल 2100 से ज्यादा केस पेंडिंग है. जिसमें से कई मामले झारखंड गठन से पहले के हैं. इस मामले की सुनवाई करने वाली एसएआर (विशेष विनिमय पदाधिकारी) पदाधिकारी मनीषा तिर्की ने बताया कि तत्कालीन अपर समाहर्ता (एसी) राजेश बरवार के निर्देश पर उन्होंने नंबर 81/2023-2024 की सुनवाई शुरू की थी. तत्कालीन एसी ने इस केस की सुनवाई से पूर्व एसएआर पदाधिकारी को दिशा निर्देश भी दिए थे. आदेश पारित होने के बाद राजकुमार पाहन ने आदेश की कॉपी भी कार्यालय से ले ली है. एसएआर कोर्ट में मामला भू वापसी के लिए आया था.

दिल्ली हाईकोर्ट से केजरीवाल को...

जस्टिस ने कहा कि किसी को किसी भी तरह का विशेषाधिकार नहीं मिल सकता. कहा कि ईडी के पास पर्याप्त सबूत मौजूद हैं. जांच में पूछताछ को लेकर सीएम को छूट नहीं दी जा सकती. कोर्ट ने यह भी कहा कि जज कानून से बंधे हैं, राजनीति से नहीं. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि केजरीवाल न सिर्फ इस पूरी साजिश में शामिल थे, बल्कि रिश्वत लेने और इस अपराध को लेकर जो चीजें हुईं, वो उसमें भी शामिल थे. कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में केजरीवाल खुद शराब नीति बनाने के साथ-साथ रिश्वत का पैसा जमा करने में भी शामिल थे.

गाजा युद्ध के छह माह

क्या पश्चिमी एशिया में शांति के अब तक के तमाम प्रयास कामयाब नहीं हो पाए हैं. पूरी दुनिया पर पश्चिमी एशिया के अशांत माहौल का असर पड़ा है. दुनिया की अनेक ताकतों के प्रयास के बावजूद न तो इजराइल को हथियारों की आपूर्ति रुकी है और न ही उसने संयुक्त राष्ट्र संघ की अपीलों पर ध्यान दिया है. गाज़ा पर इजरायल के हमले को छः महीने हो चुके हैं. एक बड़ी घटना के बाद अब इजराइल ने दक्षिण गाजा से अपनी फौज लौटा ली है. 7 अक्टूबर 2023 को हमास की ओर से इजरायल पर किए गए हमले के खिलाफ बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध का एलान कर दिया था. हमास ने इजरायल से 253 लोगों को बंधक बना लिया था, जिनमें से 130 अब भी बंधक हैं और कम से कम 34 की मौत हो चुकी है. अपने लोगों को छुड़ाने और हमास के खात्मे के नाम पर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पर आक्रमण किया था. इन छह महीनों में न हमास खत्म हुआ, न बंधकों की सुरक्षित रिहाई का कोई रास्ता निकला, लेकिन इस बीच गाजा में खून की नदियां खूब बहीं. कम से कम 30 से 35 हजार लोग मारे जा चुके हैं. इनमें से 14 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत हुई है, 12 हजार से ज्यादा बच्चे बुरी तरह घायल हैं, हजारों बच्चे विकलांगता का शिकार भी हो चुके हैं. ताजा घटनाक्रम में फिलस्तीनी संगठन हमास के साथ युद्धविराम की वार्ता में शामिल होने के लिए भी राजी हुआ है. इजराइल हमास को खत्म करने तक युद्ध जारी रखने जैसी आक्रामक घोषणा करता रहा है.

> युद्ध कार्रवाइयों को संयुक्त राष्ट्र की अनेक एजेंसियों ने नरसंहार बताया. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने भी इस मामले में अब तक जो कहा है, उनसे भी यही संकेत मिला है कि अदालत इस राय से इत्तेफ़ाक रखती है.

युद्ध कार्रवाइयों को संयुक्त राष्ट्र की अनेक एजेंसियों ने नरसंहार बताया. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने भी इस मामले में अब तक जो कहा है, उनसे भी यही संकेत मिला है कि अदालत इस राय से इत्तेफ़ाक रखती है. उधर इन हमलों के कारण पश्चिम एशिया में इजराइल के साथ मुस्लिम देशों के संबंध सामान्य बनाने की चल रही प्रक्रिया गतिरुद्ध हो गई. पश्चिमी देशों में हजारों लोग इजराइल के खिलाफ सड़कों पर उतरे, जिससे वहां की सरकारों पर दबाव बना. इसी बीच हफ्ते भर पहले इजराइल ने सीरिया स्थित ईरानी दूतावास पर हमला कर उसके कई प्रमुख जनरलों को मार डाला. समझा जाता है कि यही घटना टर्निंग प्वाइंट साबित हुई. ईरान ने उस क्षेत्र में मौजूद अपनी 'प्रतिरोध धुरी' के साथ मिलकर इजराइल पर हमले की तैयारी शुरू कर दी. उसने अमेरिका को संदेश दिया कि उसने दखल नहीं दिया, तो ये धुरी (जिसमें हिजबुल्ला, हूती, इराक का इस्लामी प्रतिरोध संगठन और सीरिया शामिल हैं) अमेरिकी ठिकानों को निशाना नहीं बनाएगी. वरना, वे भी हमलों की जद में आएंगे. ईरान ने कहा, युद्ध टालने का एक ही उपाय है कि इजराइल गाजा से अपनी सेना हटाए. अमेरिका ने विस्फोटक स्थिति की गंभीरता को समझा. उसने इजराइल को दो-टूक संदेश दिया कि वह युद्धविराम की वार्ता में शामिल हो. अंततः इजराइल झुका, लेकिन इस बीच वह दुनिया में पहले के किसी मौके की तुलना में अधिक अलग-थलग पड़ चुका है. पास-पड़ोस में उसके अभेद्य किला होने की धारणा भी इस बीच ध्वस्त हो चुकी है.

सुभाषित

अश्वस्य भूषणं वेगो मत्तं स्याद गजभूषणम्।
चातुर्यं भूषणं नार्या उद्योगो नरभूषणम् ॥

तेज चाल घोड़े का आभूषण है, मत्त चाल हाथी का आभूषण है, चातुर्य नारी का आभूषण है और उद्योग में लगे रहना नर का आभूषण है. इस आभूषण के अभाव में घोड़े, हाथी, नारी और नर महत्वहीन हो जाते हैं.

हथकंडों और साजिश की राजनीति कथा

गरीब और कमजोर श्रमिकों के जीवन को सुगम बनाने के लिए कार्य किया जाएगा तथा आर्थिक रूप से कमजोर (ओवीसी) के लिए काम किया जाएगा. इधर, दूसरी ओर विपक्षी उत्साह और रामलीला मैदान की रैली को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेरठ में कहा कि सरकार इस बात का हिसाब लगा रही है कि विभिन्न स्रोतों से आए कालेधन का प्रयोग जनहित के लिए किस तरह किया जाए.

• देश-काल

निशिकांत ठाकुर

अभी तक जो बात समझ में आई है, वह यह कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निश्चय ही अशांति नहीं चाहते, लेकिन जो देखा जा रहा है कि जिस मार्ग पर वे चल रहे हैं, हलचल और विप्लव के भय से विचलित भी होना नहीं चाहते. खासकर, उनको दिया गया दंड और भी ध्यान आकृष्ट करेगा और जैसा कि उनका विश्वास है, समाज उनके उद्देश्यों को और आगे बढ़ाएगा. उनको यह भी विश्वास है कि आत्मबलिदान की मोहकता में यह बात दब जाएगी कि तर्कहीन आग्रह द्वारा वे स्वयं अपने ऊपर विपत्ति लेकर आए हैं. लोकतंत्र में यह विश्वास रखा जाता है कि ऐसी कोई सरकार नहीं है, जो व्यावहारिक लाभप्रद वृत्ति से प्रवृत्त न हो और सभी सरकारें कम-से-कम प्रतिरोध के मार्ग पर चलती है. पिछले दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में जो सर्वदलीय हुजूम उमड़ा, उस जनसैलाब को क्या केंद्रीय सत्तारूढ़ दल भाजपा रोकने में अपने को सक्षम मान रही है? हाथी पृथ्वी का विशाल जीव है, लेकिन जब उसकी सूंड़ में छोटी सी चींटी घुस जाती है, तो उसे भी बेहाल होना पड़ता है और उसकी सारी शक्ति छिन्न-भिन्न होने लगती है.

दिल्ली के खचाखच भरे रामलीला मैदान में पिछले दिनों विपक्षी दलों का जो उत्साह देखने को मिला, वह तो अचंभित करने वाला था. सभी नेताओं ने अपनी अपनी बात कही और अपनी पीड़ा को भी सार्वजनिक किया. साथ ही वर्तमान केंद्र सरकार के विभिन्न मुद्दों को कई नेताओं ने सार्वजनिक करते हुए उसका हल जनता से निकालने के लिए कहा. विपक्षी दलों का जो सबसे बड़ा प्रश्न सत्तारूढ़ दल से यह था कि देश में जो पिछले चालीस वर्षों में युवाओं में बेरोजगारी बढ़ी है, उसके लिए सरकार ने क्या किया. किसान सरकार की नीतियों के विरुद्ध आंदोलन करते रहे, जिसमें लगभग सात सौ किसान अपना जीवन समर्पित कर चुके हैं, उसका कोई हल सरकार द्वारा नहीं निकाला गया. तीसरी महत्वपूर्ण बात विपक्षियों ने आरोप लगाया कि देशभर में महिलाओं के साथ जो अमानवीय और घृणित अपराध किये जा रहे हैं, उसके खिलाफ सरकार चुप क्यों है? इस देश में जो गैर बराबरी का दर्जा अंग्रेजी हुकूमत के बाद भी बंद नहीं किया जा सका, उसके लिए सत्तारूढ़ क्यों चुप है. इसके अतिरिक्त सरकार का यह फार्मूला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि चंदा के बदले धंधा देना एक तरह से काले धन के साथ साथ घुसखोरी को भी बढ़ावा दिया गया है.

इसके अतिरिक्त कांग्रेस ने कहा कि सरकार चाहती है कि वह संविधान बदले, इसलिए विपक्षियों को खत्म कर दिया जाए, इसलिए विपक्षियों के और खासकर सबसे बड़ी विपक्षी कांग्रेस के खाते को फ्रीज कर दिया गया है और गठबंधन के नेताओं को डरा-धमकाकर जेल में बंद किया जा रहा है. ऐसे में, अब चुनाव के समय में कोई दल अपना प्रचार कैसे करे. फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को चुनाव से पहले किसी कार्यवाही को करने से मना कर दिया है, लेकिन केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया है.

रामलीला मैदान में आयोजित सर्वदलीय रैली से पहले ही कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि यदि उनकी सरकार बनती है तो उनकी सरकार किसान, जिस कानून के लिए आंदोलित हैं, उसे ठीक किया जाएगा. महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के निदान के लिए कानून बनाया जाएगा. सेना के जवानों के लिए जो कानून वर्तमान सरकार ने बनाया है, उसमें जवानों के हित के लिए काम करेगी. गरीब और कमजोर श्रमिकों के जीवन को सुगम बनाने के लिए कार्य किया जाएगा तथा आर्थिक रूप से कमजोर (ओवीसी) के लिए काम किया जाएगा. इधर, दूसरी ओर विपक्षी उत्साह और रामलीला मैदान की रैली को देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेरठ में कहा कि सरकार इस बात का हिसाब लगा रही है कि विभिन्न स्रोतों से आए कालेधन का प्रयोग जनहित के लिए किस तरह किया जाए. उन्होंने देश को संबोधित करते हुए कहा कि जो कलाधन आया है, उसे जनता में बांट दिया जाएगा. अब इस बात की चर्चा देश में जगह-जगह हो रही है कि जिस प्रकार पिछले चुनाव में प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि वह विदेशों से कालाधन लाकर अपने देश के प्रत्येक जनता के खाते में पंद्रह लाख जमा कराएगी, जिसे बाद में गृहमंत्री ने 'चुनावी जुमला' करार दिया था, उसी बात को प्रधानमंत्री फिर से दोहरा रहे हैं, इसलिए कि लोकसभा चुनाव इसी महीने होने जा रहा है और चुनाव के बाद इसे भी 'जुमला' करार दिया जाएगा. सच तो यह है कि विभिन्न स्रोतों से आया तथाकथित यह कालाधन तो सरकारी खजाने में जमा हो जाता है, फिर किस अधिकार से यह धन देश की जनता को प्रधानमंत्री द्वारा बांटा जाएगा, यह बात समझ से परे है. समीक्षक इसे भी चुनावी जुमला ही मानते हैं. दूसरी बात जो आज जनता के बीच चर्चा का विषय है, वह यह कि प्रधानमंत्री रामलीला मैदान की रैली से इस कदर डर गए हैं कि सारे नियम, कायदे-कानून को किनारे लगाते हुए अपने विरोधी दलों पर निशाना साधकर एक-एक को भिन्न-भिन्न अपराधों के आरोप लगाकर जेल में बंद कर रहे हैं. वहीं, विपक्षी इसलिए डरे हुए हैं कि पता नहीं किस समय उनके यहां छापा मारकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए. वे तो अब यह भी कहने लगे हैं कि यह अघोषित आपातकाल की स्थिति हो गई है. 25 जून, 1975 को तो आपातकाल की घोषणा के बाद सभी विपक्षियों को जेल में बंद कर दिया गया, लेकिन आज? चुनाव में जीत-हार का निर्णय तो देश की जनता करती है, लेकिन 2024 का यह लोकसभा का चुनाव सत्तापक्ष और विपक्ष के लिए जीने- मरने का प्रश्न बन गया है. ऐसा इसलिए कि सत्तारूढ़ भाजपा को तीसरी बार सत्तारूढ़ होना है, पर विपक्षी महागठबंधन इस बात के लिए कटिबद्ध है कि किसी भी तरह से वर्तमान सरकार को हटाना है और गठबंधन की सरकार बनाना है.

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

धर्म और जीवन

धर्म का उद्देश्य, केवल मानव को ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण सृष्टि को अक्षय सुख उपलब्ध करवाने का मार्ग प्रशस्त करना है. मानव के लिये जीवन के अनुकूल सुख भी एक पडाव मात्र है, लक्ष्य तो निश्चित ही शाश्वत सुख है. सभी जीना चाहते है मरना कोई नहीं चाहता. इसलिए जियो और जीने दो का सिद्धांत अस्तित्व में आया है. शान्ति से जीने और अन्य को भी जीने देने के उद्देश्य से ही सभ्यता और संस्कृति का विकास हासिल किया गया है. यही है धर्म के उद्देश्य की सबसे सरल परिभाषा. इस उद्देश्य को प्रमाण वाक्य मानते हुए ही धर्म शास्त्रों की व्याख्याओं पर दृष्टिपात करना चाहिए. यदि किसी धर्मोपदेश की व्याख्या सभ्यता और संस्कार के विपरित जाती है तो वह सर्वांग मिथ्या व्याख्या है. जो व्याख्या सभ्यता से पतनोमुख करने का कारण बनकर, पुनः आदिम जंगली संस्कार की ओर प्रेरित करे तो धर्मोपदेश की वह व्याख्या निश्चित ही कुमार्ग लक्षी है. हमने युगों के निरंतर, कठिन पुरूषार्थ और दुष्कर संघर्ष के परिणाम स्वरूप ही इस उच्च सभ्यता का संधान किया है. उसका मात्र भ्रांत धार्मिक व्याख्याओं से अद्यपतन कैसे स्वीकार किया जा सकता है. उदाहरण के लिए हमने जंगली, क्रूर, विकृत खान-पान व्यवहार को आज शुद्ध, अहिंसक, सभ्य आहार से सुसंस्कृत कर लिया है. यहां सभ्यता मात्र स्वच्छ और पोषक आहार से ही अपेक्षित नहीं, बल्कि अन्य जीवसृष्टि के जीवन अधिकार से सापेक्ष है. उसी तरह संस्कृति समस्त दृष्टिकोण सापेक्ष होती है. सभ्यता में सर्वांग प्रकृति का संरक्षण निहित होता है. अब पुनः विकृत खान-पान की ओर लौटना धर्म सम्मत कभी नहीं हो सकता. सभ्यता के विकास का अर्थ आधुनिक साधन विकास नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विकास है. ऐसे विकसित आधुनिक युग में यदि कोई अपनी आवश्यकताओं को मर्यादित कर, सादा रहन सहन की शैली अपनाता है और अपने भोग उपभोग को संयमित करता हुआ, पुरातन दृष्टिगोचर होता है तब यह आदिम परंपरा की ओर लौटना नहीं. धार्मिक व्याख्याओं की वस्तुस्थिति पर इसी तरह विवेकशील चिंतन होना नितांत आवश्यक है. इस तरह विकृति धर्म में नहीं होती, सारा गडबडझाला उसके स्वछंद और प्रमादी व्याख्याकारों का किया धरा होता है. यदि हम उक्त 'धर्म उद्देश्य' को प्रमाण लेकर, विवेक बुद्धि से, नीर क्षीर विभाजन के साथ विश्लेषण करेंगे, हेय,गेय और उपादेय का अंतर-भेद करते हुए, उपादेय को ग्रहण करेंगे तभी सत्य के निकट पहुंच सकते हैं और तभी हमारे उद्देश्य सिद्ध हो सकते है.

'ऑकस' की बढ़ती ताकत से बेचैन चीन

• देशांतर

अरविंद जयतिलक

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के नए त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन 'ऑकस' (एयूकेयूएस) समूह में अब जापान भी शामिल होगा. चीन का मुकाबला करने के लिए तीनों सदस्य देशों ने जापान को शामिल करने की रणनीति को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया है. उल्लेखनीय है कि 2021 में तीनों देशों ने मिलकर 'ऑकस' का गठन किया था. 'ऑकस' के उभार से यूरोप से लेकर एशिया तक हलचल मची हुई है. चीन द्वारा बार-बार ऑकस के उभार को हथियारों की होड़ बढ़ाने वाला कदम करार दिया जा रहा है. मजेदार बात यह कि चीन ही नहीं अमेरिका का खास सहयोगी फ्रांस भी ऑकस की बढ़ती ताकत से नाराज है. चीन और फ्रांस की बेचैनी के अलग-अलग निहितार्थ हैं. चीन की बात करें तो उसे कतई पसंद नहीं है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आस्ट्रेलिया की सक्रियता बढ़े. इसलिए कि दक्षिणी चीन सागर में चीन की जबरन कब्जा नीति को आस्ट्रेलिया ने लगातार आलोचना की है. दूसरी ओर क्वाड समूह में आस्ट्रेलिया का सदस्य के तौर पर शामिल होना भी चीन के लिए बर्दाश्त के काबिल नहीं है. चीन को लगता है कि वह अमेरिका, भारत और जापान के साथ मिलकर उसकी घेराबंदी कर रहा है. गौर करें तो आस्ट्रेलिया से चीन की नाराजगी की कई अन्य वजहें भी हैं. मसलन एलएसी विवाद में वह भारत का खुलकर समर्थन कर चुका है. जी-7 देशों की बैठक में विश्व व्यापार संगठन से चीन को बुरे बर्ताव के लिए दंडित करने की भी मांग कर चुका है. उल्लेखनीय है कि चीन ने मई 2020 में जौ की फसल पर 80 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाकर आस्ट्रेलियाई जौ के आयात को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया था. चीन के इस कदम से आस्ट्रेलिया का गुस्सा चरम पर है. वह चीन को सबक सिखाने के लिए मौके की तलाश में है. चीन की चिंता यह भी है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत-आस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते सहयोग से भारत को आस्ट्रेलिया से यूरेनियम मिलने का रास्ता साफ हो सकता है. आस्ट्रेलिया यूरेनियम का बड़ा स्रोत है और अगर वह भारत को यूरेनियम देता है तो भारत को बिजली उत्पादन समेत कई अन्य मानवीय परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी. अभी तक आस्ट्रेलिया परमाणु अप्रसार का तर्क देकर भारत को यूरेनियम आपूर्ति करने से बचता रहा है, लेकिन चीन के खतरनाक रवैए ने भारत-आस्ट्रेलिया को एक मंच पर ला दिया है. वैसे भी गौर करें तो भारत और आस्ट्रेलिया दो बहुसांस्कृतिक एवं बहुलतावादी लोकतांत्रिक देश हैं. विश्व स्तर पर भू-सामरिक एवं भू-आर्थिक संदर्भों में दोनों देशों की अहम भूमिका रही है. परंपरागत लगाव और द्विपक्षीय विवादास्पद मुद्दों के अभाव के अलावा दोनों देश सुरक्षा एवं विश्व व्यवस्था के संदर्भ में समय-समय पर निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं. एक वर्ष पूर्व ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन आस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मारिसन के बीच संपन्न हुए वर्चुअल शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने कोरोना महामारी से निपटने के अलावा सात महत्वपूर्ण समझौते को आयाम दिया, जिसके मुताबिक अब दोनों देशों की सेनाएं हिंद प्रशांत क्षेत्र में एक दूसरे के ठिकानों का इस्तेमाल हथियारों की मरम्मत और आपूर्ति के लिए कर सकेंगी. ऑकस के गठन को लेकर आस्ट्रेलिया कह चुका है कि उसने यह समझौता भारत को विश्वास में लेकर किया है और भारत उसके साथ है. आस्ट्रेलिया ने यह भी कहा कि 'ऑकस' आसियान के सदस्य देशों, प्रशांत क्षेत्र के राष्ट्रों और क्वाड के सदस्यों को भी समर्थन देगा. त्रिपक्षी सुरक्षा गठबंधन से चीन ही नहीं फ्रांस की भी भौंहें तनी हुई हैं. फ्रांस के तत्कालीन विदेशमंत्री ज्यां इव लिद्रियां ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि यह सुरक्षा साझेदारी समझ से परे और पीठ में छूरा घोंपने वाला है. दरअसल फ्रांस की नाराजगी कारोबारी और विशेष रूप से अमेरिका के रवैए को लेकर है. गौरतलब है कि नई सुरक्षा साझेदारी के तहत अमेरिका और ब्रिटेन अगले डेढ़ साल में आस्ट्रेलिया को आठ परमाणु उर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां उपलब्ध कराएंगे. निःसंदेह यह पहल भारत के सुरक्षा चक्र को मजबूत करेगा, क्योंकि भारत और आस्ट्रेलिया के बीच सामरिक गठजोड़ लगातार परवान चढ़ रहा है. गौर करने वाली बात यह कि विगत पांच दशकों में यह पहली बार होगा, जब अमेरिका अपनी पनडुब्बी तकनीक किसी देश से साझा करेगा.

> आस्ट्रेलिया यूरेनियम का बड़ा स्रोत है और अगर वह भारत को यूरेनियम देता है तो भारत को बिजली उत्पादन समेत कई अन्य मानवीय परियोजनाओं को पूरा करने में मदद मिलेगी. अभी तक आस्ट्रेलिया परमाणु अप्रसार का तर्क देकर भारत को यूरेनियम आपूर्ति करने से बचता रहा है, लेकिन चीन के खतरनाक रवैए ने भारत-आस्ट्रेलिया को एक मंच पर ला दिया है.

घुमावदार 'पॉलिटिक्स' में दोस्ती और दुश्मनी!

• सियासत

प्रमोद जोशी

शिवसेना (उद्धव) की ओर से एकतरफा प्रत्याशी घोषित करने के बाद महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में खींचतान है. शरद पवार कांग्रेस और शिवसेना दोनों से नाराज हैं. उनकी शिकायत है कि जब सीटों बंटवारे की बातें चल रही थीं तो एमवीए के घटक दलों ने अलग-अलग सीटें क्यों घोषित कीं? उधर कांग्रेस के संजय निरुपम शिवसेना से नाराज़ हैं. उद्धव ठाकरे भी नाराज़ है. बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) की रस्साकशी भी चल रही है. यूपी में रामपुर और मुरादाबाद की सीटों को लेकर समाजवादी पार्टी के भीतर घमासान चला. आजम खां भले ही जेल में हैं, पर मुरादाबाद के मौजूदा सांसद एसटी हसन का टिकट उन्होंने कटवा दिया और रुचिवीरा को दिलवा दिया. पर रामपुर में उनकी नहीं सुनी गई और मोहिबुल्लाह नदवी को टिकट मिल गया. भारतीय राजनीति उतनी सीधी सपाट नहीं है, जितनी दिखाई पड़ती है. वह जलेबी जैसी गोल है. विचारधारा, सामाजिक-न्याय, जनता की सेवा और 'कट्टर ईमानदारी' जैसे जुमले अपनी जगह हैं. पंजाब में आम आदमी पार्टी को झटका देते हुए जालंधर के सांसद सुशील कुमार रिंकू बीजेपी में शामिल हो गए. रिंकू 17वीं लोकसभा में 'आप' के एकमात्र सांसद थे. वे सुर्खियों में तब आए थे, जब हंगामे की वजह से पूरे सत्र के लिए निलंबित हुए थे. ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है. चुनाव के दौरान अंतिम समय की भगदड़, मारामारी और बगावतें कोई नई बात नहीं. इस बार बीजेपी ने चार सौ से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, उनमें से 17वीं लोकसभा में 291 पर उसके सांसद थे. इनमें 101 को टिकट नहीं मिला. पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 119 सांसदों के टिकट काटे थे. टिकट कटने से बदमज़गी पैदा होती है. गठबंधनों में सीटों के बंटवारे को लेकर भी खेल होते हैं, पर सार्वजनिक रूप से दिखावा किया जाता है कि सब कुछ ठीकठाक है. इस मैदान में कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता. चुनाव के पहले गठबंधन कुछ बनते हैं और परिणाम आने के बाद कुछ और हो जाता है. ममता बनर्जी काफी पहले कह चुकी हैं राजनीति में फिलहाल 'पोस्ट-पेड' का ज़माना है 'प्री-पेड' का नहीं. कुछ इसी तरह की बात सीताराम येचुरी ने तब कही थी, जब इंडिया गठबंधन की बातें चल रही थीं. हैरत नहीं कि जो आज दोस्त हैं, वे कल बेगाने हो जाएं और आज के 'दुश्मन' दोस्त. शरद पवार रिश्तों की इन घुमावदार राहों के आज सबसे अनुभवी यात्री हैं. उनकी नाराज़गी और पसंदगी के मायने समझना आसान नहीं है. आज वे नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़े नेताओं की अगड़ी पांत में हैं, पर पर्दे के पीछे उनके रिश्ते हमेशा मधुर रहे. पवार ने अपनी आत्मकथा 'लोक माझे संगति' में लिखा है कि नरेंद्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने यूपीए और मोदी के बीच संपर्क-सेतु कायम किया था. आज वे कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ गठबंधन में हैं, पर सोनिया गांधी के विदेशी मूल का सवाल उठाकर कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं में वे सबसे आगे थे. महाराष्ट्र में शिवसेना को उसकी हैसियत बताने में भी उनकी भूमिका रही है. 1996 में जब अटल जी की 13 दिन की सरकार बनी, तब सबसे पहले शिवसेना ने उसका साथ दिया. महाराष्ट्र के गठबंधन में शिवसेना भारी पड़ती थी. धीरे-धीरे बीजेपी ने अपना विस्तार शुरू किया. दोनों के बीच टकराव की स्थितियां पैदा होने लगीं. आंतरिक-विग्रह की पृष्ठभूमि सन 2009 में तैयार हुई, जब विधानसभा चुनाव में बीजेपी को शिवसेना से ज्यादा सीटें मिलीं. उसके पहले तक महाराष्ट्र में शिवसेना बड़े भाई की भूमिका में थी. उसे समझ में आने लगा कि भूमिका बदल रही है. 2014 में शिवसेना ने बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ा, पर बीजेपी की ताकत और बढ़ गई. उस मौके पर शरद पवार ने बीजेपी की सरकार को बाहर से समर्थन देने का वायदा कर दिया. शरद पवार 1960 से राजनीति में सक्रिय हैं. पिछले छह दशकों की महाराष्ट्र की राजनीति उनके इर्द-गिर्द घूमती रही. जुलाई 1978 में वे 38 साल की उम्र में महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने थे. तब उनपर आरोप लगा कि 'वसंतदादा की पीठ में खंजर भोंका.' शरद पवार ने 40 समर्थक विधायकों के साथ बगावत की. बाद में वे कांग्रेस में वापस आ गए. फिर सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मामला उठाते हुए पार्टी छोड़ी और राकांपा बना ली. 2019 में महाविकास अघाड़ी गठबंधन का श्रेय भी उन्हें ही दिया जाता है. उनकी नाराज़गी का ज्यादा मतलब नहीं है. चुनाव होने तक माहौल जैसा है, उसमें घड़ी-घड़ी आते बदलाव को देखते रहिए.

> चुनाव के दौरान अंतिम समय की भगदड़, मारामारी और बगावतें कोई नई बात नहीं. इस बार बीजेपी ने चार सौ से ज्यादा सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, उनमें से 17वीं लोकसभा में 291 पर उसके सांसद थे. इनमें 101 को टिकट नहीं मिला. पिछले लोकसभा चुनाव में पार्टी ने 119 सांसदों के टिकट काटे थे. टिकट कटने से बदमज़गी पैदा होती है.

मीडिया में अन्यत्र

राजनीतिक दल और घोषणापत्र

राजनीतिक दल चुनाव से पहले मतदाताओं के सामने घोषणापत्र के जरिए अपने दृष्टिकोण का नमूना पेश करते हैं. व्यक्तित्व-आधारित राजनीति और संचार के तरीकों में तेजी से हुए बदलावों ने भले ही घोषणापत्रों के महत्व को कम कर दिया हो, लेकिन फिर भी वे शासन और राजकीय नीति के प्रति एक राजनीतिक दल के दृष्टिकोण का एक व्यवस्थित दस्तावेज सामने रखते हैं. वर्ष 2024 के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र, जिसे 'न्याय पत्र' का नाम दिया गया है, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की व्यापक वैचारिक परियोजना के सामने पार्टी के राजनीतिक पुनरुद्धार की एक जमीन है. कांग्रेस ने युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और समानता के लिए न्याय जैसी श्रेणियों के तहत 25 गारंटियों की पेशकश की है. पार्टी के मुताबिक, मुख्य जोर सामाजिक न्याय, अर्थव्यवस्था और संवैधानिक संस्थानों की प्रधानता पर है और यह नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा कथित तौर पर किए गए "नुकसान को उलटने" का वादा है. सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक वादा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण पर 50 फीसदी की सीमा को हटाना और देशव्यापी जाति जनगणना कराना है. कांग्रेस इस मामले में एक अनजानी धरातल पर पांव रख रही है, क्योंकि वह लंबे समय तक राजनीति के निर्धारक तत्व के रूप में जाति की हकीकत को नकारती रही है, जबकि भाजपा ने इस पर ध्यान देकर अपना आधार बढ़ाया है. "सभी आपराधिक कानूनों में 'जमानत नियम है, जेल अपवाद है'" को सुनिश्चित करने के लिए एक नया कानून, निजता के अधिकार और व्यक्ति के खान-पान, पोशाक या शादी संबंधी पसंद में हस्तक्षेप करने वाले सभी कानूनों की समीक्षा, मीडिया के लिए स्व-नियमन की एक व्यवस्था और इंटरनेट की आजादी को संरक्षित करने के लिए एक कानून का भी वादा किया गया है. महालक्ष्मी योजना के तहत प्रत्येक गरीब परिवार को बिना शर्त हर साल एक लाख रुपये का नकद हस्तांतरण, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का कानूनी अधिकार और सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना के तहत 25 लाख रुपये तक के नकद रहित (कैशलेस) बीमा के साथ स्वास्थ्य का अधिकार कल्याणकारी योजनाओं की उस श्रृंखला में शामिल हैं, जिसकी पेशकश कांग्रेस मतदाताओं को कर रही है. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मंदार/मदार/मदारी

धर्मशास्त्रों में कहा गया है कि भगवान शंकर को मंदार का फूल बहुत पसंद है. इस फूल से जो उनकी पूजा अर्चना करता है, उस पर भगवान शिव जल्द प्रसन्न हो जाते हैं. इस शब्द का प्रयोग बहुत कम होता है. हिंदी शब्द सागर के अनुसार मंदार संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है स्वर्ग के पांच वृक्षों में से एक देववृक्ष, फरदह का पेड़, नहसुत, आक, स्वर्ग, धतूरा, हिरण्यकश्यप के एक पुत्र का नाम, मंदराचल पर्वत, विंध्य पर्वत के किनारे के एक तीर्थ का नाम. भगवान शंकर जिस मंदार के फूल से प्रसन्न होते हैं, उसे आक और धतूरा के रूप में जाना जाता है. धतूरा कोई अप्रचलित शब्द नहीं है. इसे नशीला पदार्थ के रूप में प्रायः सभी लोग जानते हैं. आक को अकवन भी कहते हैं. इसके फूल सफेद रंग के होते हैं. इसके पत्तों को तोड़ने पर सफेद रंग का दूध जैसा पदार्थ निकलता है. यह दवा बनाने में काम आता है. इससे मिलता-जुलता शब्द है मदार. इसका मतलब है हाथी, धूर्त, चालबाज, सुअर, एक गंधद्रव्य का नाम, कामुक. मदार अरबी भाषा में भी होता है, जिसका अर्थ है शाह मदार के अनुयायी, धूरी, आधार ग्रह नक्षत्रादि के भ्रमण का मार्ग, दायरा. इससे बना शब्द है मदारी. इसका मतलब है एक प्रकार के मुसलमान फकीर जो बंदर, भालू आदि नचाते हैं. वे शाह मदार के अनुयायी होते हैं. शाह मदार का जन्म 1050 ईस्वी में हुआ था और यह स्वयं इस्लाम धर्म में दीक्षित हुए थे. वे फर्रुखाबाद में रहते थे. उस समय कानपुर में मकनदव नाम का एक जिन्न रहता था. शाह मदार उस जिन्न को वहां से निकालकर वहां रहने लगे. इसी से उस स्थान का नाम मकनपुर पड़ा. कहते हैं शाह मदार चार सौ वर्ष तक जीवित रहे और सन 1433 में उनका निधन हुआ. मुसलमान इन्हें जिंदाशाह कहते हैं और अबतक जीवित मानते हैं. शाह मदार का पूरा नाम बदीउद्दीन था.

हे प्रत्याशी ! विचारधारा के चक्कर में न पड़ो

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

प्रत्याशी के पास इतना समय कहाँ है कि वह विचारधारा के चक्कर में पड़ता रहे. किसी भी प्रकार से चुनाव जीतना ही उसका लक्ष्य होता है. विचारधारा के पचड़े में पड़ता तो टिकट नहीं मिल पाता. जिस पार्टी से मांगने गया था, उसने टिकट देने से इन्कार कर दिया. वहीं से चतुर उम्मीदवार ने अपनी कार का रुख दूसरी पार्टी के कार्यालय की ओर कर दिया. वहां टिकट का जुगाड़ ठीक-ठीक बैठ गया. लेकिन फिर किसी ने टांग अड़ा दी. टिकट कट गया. मजबूरी में तुरत-फुरत एक तीसरी पार्टी को सुबह ज्वाइन किया, दोपहर को टिकट हाथ में लेकर चुनाव लड़ने के लिए खड़े हो गए. अब आप ही बताइए, विचारधारा किस चिड़िया का नाम है? सुबह से शाम तक हर तरह की विचारधारा आती रहती है, जाती रहती है. विचारधारा तो एक मौसम की तरह है, जो कभी स्थाई नहीं होती. साल में छह बार ऋतुएं बदलती हैं. इसी का नाम जिंदगी है. जिस दल में गए, उसी की विचारधारा का कंबल ओढ़ कर चलने लगे. अगर कोई दिक्कत-परेशानी है तो चार कार्यकर्ताओं के पास जाकर पूछ लिया कि पार्टी की विचारधारा क्या है? उन्होंने कहा, बैठो विधायक जी! हम आपको पार्टी की विचारधारा समझा देते हैं. कई लोग आश्चर्य करते हैं कि व्यक्ति पांच साल तक विधायक और सांसद रहने के बाद भी पार्टी की विचारधारा से अपरिचित क्यों रहता है? दरअसल मुद्दे की बात यह है कि विचारधारा में ज्यादा घुसने की जरूरत नहीं है. हर पांचवें साल पार्टी बदलनी पड़ती है. या तो पार्टी टिकट काट देती है या फिर मंत्री बनने की आशा में दूसरी पार्टी को ज्वाइन करना पड़ता है. ऐसे में अगर विचारधारा को दिल पर ले लिया तो जीवन में सफलता के रास्ते पर चलने में मुश्किल आएगी. विचारधारा को हमेशा कपड़ों की तरह पहनना चाहिए. जब जरूरत हो, दूसरी कमीज पहन ली. यह थोड़े ही कि त्वचा पर स्थाई टैटू बनवा लिया और अब मिटाना मुश्किल पड़ रहा है! वे लोग कितने मजे में हैं, जिन्होंने विचारधारा से अपना छत्तीस का आंकड़ा रखा. विचारधारा को अपने निवास के परिसर में घुसने नहीं दिया. आसपास भटकती हुई दिख गई तो डांट कर भगा दिया. आज जो लोग उत्साह के साथ राजनीति में दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करते दिखाई देते हैं, इसका कारण उनका विचारधारा-विहीन होना ही है. कार्यकर्ताओं को देखिए! विचारधारा के पीछे अपनी जिंदगी बर्बाद कर देते हैं, लेकिन मरते दम तक विचारधारा नहीं छोड़ते. ऐसे लोग कभी तरक्की नहीं करते. कार्यकर्ता बनकर पैदा होते हैं, राजनीति में आते हैं और कार्यकर्ता बनकर ही दुनिया से चले जाते हैं. उम्मीदवारों को देखो, कैसे मजे मार रहे हैं! कल तक इस पार्टी में थे, आज उस पार्टी में चले गए. जिनकी विचारधारा नहीं होती, यह आनंद उनकी ही किस्मत में लिखा होता है.

Her Story

अमित कुमार पांडेय
इंटीरियर डिजाइनर

बेहतर आवास, शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए शहर की ओर रूख करना हमारी विवशता होती है. रांची, धनबाद, जमशेदपुर, बोकारो जैसे शहरों में पिछले कुछ सालों से बड़े पैमाने पर मॉल, थिएटर, सुपरमार्केट और जीवन जीने के आसान तरीके पेश करने के माध्यम उपलब्ध हो रहे हैं. यहां मैट्रो सिटीज की तरह बड़े सपने और छोटे अपार्टमेंट आज की तस्वीर है. आसान रखरखाव, सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं लोगों को अपार्टमेंट में जाने के लिए आकर्षित कर रही हैं. यदि आप भी अपने छोटे से अपार्टमेंट में रह रहे हैं और वहां अपने पुराने घर का आंगन, दलान, विस्तार, हरियाली, अपनापन जब तब याद करते हैं तो बेहतर है कि अपने इसी फ्लैट को कुछ कस्टमाइज करें जिससे यह बड़ा और खुला-खुला लगे.

छोटा सा घर ये अपना

ग्लास पार्टिशन, दरवाजे, खिड़कियां

ग्लास के पार्टिशन, दरवाजे और खिड़कियों का उपयोग छोटी जगह को बड़ा होने का अहसास दिलाते हैं. दरअसल ग्लास रोशनी को रिफ्लेक्ट कर फ्लैट में जादू सा असर दिखाते हैं. लकड़ी या मेटल की खिड़कियों की तुलना में ग्लास की खिड़कियां कमरे को अधिक हवादार और रोशनीदार बनाती हैं. मेटल की तुलना में ये कम खर्चीली और अधिक टिकाऊ होती हैं. आप प्लेन या डिजाइंड ग्लास को अपने फ्लैट के इंटीरियर के अनुसार पसंद कर सकते हैं.

पेंट का जादू

फ्लैट में अक्सर जगह छोटी ही नहीं होती, बल्कि रोशनी की भी समस्या होती है. इसके लिए एक आसान उपाय है दीवारों के लिए हल्के रंग चुनना. इससे रोशनी अधिकतम होती है और जगह बड़ी दिखाई देती है. सभी दीवारों पर एक ही शेड का उपयोग करना जहां बेहतर और बड़ा लुक देता है. ऑफ-व्हाइट, बेज, स्काईब्लू और क्रीम कुछ शेड्स हैं जो रोशनी को अधिकतम करते हैं. छोटे, सीमित स्थानों में गहरे रंगों का उपयोग करने से बचें क्योंकि इससे बंद-बंद सा अहसास गहराएगा.

फर्नीचर हो मल्टीपरपस

फ्लैट को ऐसे स्मार्ट फर्नीचर से सजाएं जो जगह बचाने वाला और मल्टीपरपस हो. एक छोटे से कमरे में एक बड़ा सोफ़ा रख दीजिए तो फिर जगी ब्लॉक सी हो जाती है और आने-जाने में भी दिक्कत होती है. छोटे या मध्यम आकार के फर्नीचर लें जो आपके कमरे के आकार के अनुरूप हों. मॉड्यूलर स्टोरेज वाले फर्नीचर बेहतर विकल्प हैं. कांच या ऐक्रेलिक से बने फर्नीचर भी घर को बड़ा लुक देते हैं. लकड़ी से बने भारी भरकम कॉफी टेबल को कांच या एक्रेलिक के कॉफी टेबल से बदल कर देखिए, कमरा अधिक बड़ा और खुला नजर आएगा.

न्यूतम सामान

सामानों को समय-समय पर छांट कर हटाना घर को बड़ा दिखाने के लिए जरूरी है. एकबारगी से नहीं निकाल पा रही हैं तो दो-तीन बॉक्स बना लें जिसमें कम पसंद, निकालने लायक सामान आदि को अलग अलग रखें. मौका मिलते ही इन्हें हटा दें. भारतीय अपार्टमेंट में रहने वाले इंटीरियर डिजाइन विचारों में न्यूनतम वस्तुएं और सुव्यवस्थित सजावट एक महत्वपूर्ण मसला है.

इंडोर प्लांट

घर के अंदर प्लांट ताजगी और खुली हवा का अहसास दिलाते हैं. कम देखरेख वाले कुछ इंडोर प्लांट को घर के लिए चयन करें. इन्हें लिविंग रूम के कॉर्नर, बालकोनी आदि में बड़े पॉट में भी रख सकते हैं. या फिर छोटे-छोटे पॉट में रखकर डायनिंग टेबल, सेंटर टेबल, बुकसेल्फ, विंडो आदि जगहों पर सजा सकते हैं. बालकोनी में वर्टिकल गार्डन भी लगा सकते हैं जिसमें आपकी किचन के लिए चेरी टमाटर, हरी मिर्च, हर्ब्स आदि उगाए जा सकते हैं. हैंगिंग प्लांट भी एक बेहतर विकल्प है.

लिविंग कम डाइनिंग एरिया

कई बार हम पार्टिशन देकर लिविंग और डाइनिंग एरिया को डिवाइड कर देते हैं. अधिक दीवारों और पार्टिशन से कमरा छोटा लगता है. बेहतर तो यह हो कि किचन, डाइनिंग और लिविंग एरिया को ओपन रखें. अगर पार्टिशन देना भी हो तो बुक सेल्फ, स्लीक टीवी होल्डर, टिश्यू आदि जैसे हल्के फैब्रिक के पर्दे, ग्लास स्लाइडर आदि के रखें. डाइनिंग टेबल भी बहुत बड़ा नहीं रखें.

बड़ा किचन

फ्लैट में मॉड्युलर किचन अपना कर हम छोटी से छोटी जगह का अधिकतम उपयोग कर पाते हैं. बड़ा काउंटरटॉप स्पेस चाहिए तो पैरलल मॉड्यूलर किचेन डिजाइन पर विचार करें. अगर आप किराए के घर में हैं और इसकी संरचना में बदलाव नहीं कर सकती हैं तो बर्तनों को रखने के लिए खुले ताखों का इस्तेमाल करें. बेहतर हो कि एक सी प्लेट और कटोरे के साथ रखें और उसके साथ एक दो किताबें, थोड़े से ग्रीन प्लांट रखें. सीलिंग से फ्लोटिंग किचन सलेव्स भी अधिक बड़ा स्टोरेज स्पेस उपलब्ध करा देता है.

स्लीक विंडो कर्टेन्स

सफेद या बेज कलर के टिश्यू आदि जैसे फैब्रिक के सीलिंग टू फ्लोर पर्दे कमरे को अधिक स्पेसियस बनाते हैं. दरअसल डार्क कलर के मोटे भारी पर्दे की तुलना में इससे हवा और रोशनी की आवाजाही अधिक हो पाती है. ब्लाइंड का उपयोग भी एक बेहतर विकल्प है क्योंकि ये टिकाऊ होते हैं और इनका मेंटेनेंस भी आसान होता है.

व्यवस्थित बेडरूम

कमरे में कम सामान कमरे को बड़ा महसूस कराती है. भारी भरकम फर्नीचर की जगह दीवारों पर बिल्ट इन सेल्व्स, कॉर्नर सेल्व्स और वार्डरोब बेहर विकल्प है. वार्डरोब अतिरिक्त स्टोरेज के साथ मॉड्यूलर बनवाएं. बेमतलब के और भारी भरकम फर्नीचर नहीं रखें. वार्डरोब के साथ ड्रेसिंग, स्टोरेज वाले बेड, खिड़की के साथ की दीवार में इनबिल्ट सीटिंग एरिया घर को बेहतर और बड़ा लुक देंगे.

पुरानी जींस और ये क्राफ्ट

वार्डरोब के सामने खड़े होने पर क्या पहने यह समझ नहीं आता, पर पुराने कपड़ों पर नजर जब जाती है तो इनका करें क्या...यह भी बड़ा सवाल होता है. फेमस गीत आपने भी सुना होगा- पुरानी जींस और गिटार, मोहल्ले की वो छत और मेरे यार... तो इस गाने को गुनगुनाने जैसा ही आसान काम है पुरानी जींस का री-यूज. उसके बाद शायद आपके लिरिक्स बदल जाएं और आप गाएं- पुरानी जींस और ये क्राफ्ट

कुशन कवर

यह चाहिए : सफ़ेद कपड़ा- 52"x21", 30 षट्कोण आकार में कटे जींस के टुकड़े (अलग-अलग शेड्स वाले), फ़ैब्रिक ग्लू, नीले और सफ़ेद रंग का धागा, 20"x20" का कुशन.

ऐसे बनाएं :

सफ़ेद कपड़े को तीन भागों में काट लें. सामने के हिस्से को 21"x21" के आकार और बाक़ी पीछे के दोनों हिस्सों को 17"x21" और 12"x21" के आकार में काटें. अब हल्के से गहरे शेड में जींस के टुकड़ों को सफ़ेद कपड़े पर रखकर आयरन करें. चाहें तो अब टुकड़ों को पहले ग्लू से चिपकाकर उन्हें सिलें या सीधे सिलाई लगाएं. अब तकिए के आगे व पीछे के हिस्सों को उल्टा करके सिल लें. कवर को सीधा करें और उसमें कुशन को डालें. तैयार है आरामदायक और स्टाइलिश डेनिम कुशन.

कपड़े का बैग

जींस के कपड़े से आप आसानी से बैग बना सकते हैं. आपको बस जींस को घुटने के ऊपर वाले हिस्से से काटना है. अब जींस के पूरे कपड़े को कैंची से काट कर खोल लें और बैग के आकार में सिल लें. ऐसा करने के बाद जींस के बचे हुए हिस्से को बैग की तनी बनाने के लिए यूज करे. आपका बैग तैयार है. सामान को संभाल कर रखने के लिए आप जींस के पीछे वाले हिस्से से पाउच भी बना सकते हैं. आप चाहें तो सिर्फ दोनों जेबों वाले हिस्से को एक साथ सिल कर भी पाउच तैयार कर सकते हैं. ये बैग काफी मजबूत होते हैं. सब्जी लाने या अन्य सामान लाने के लिए भी जींस का बैग तैयार कर सकते हैं.

शॉर्ट्स

पुरानी जींस का शॉर्ट्स भी तैयार कर सकते हैं. इसके लिए आपको जींस को घुटनों को आसपास अपने साइज के हिसाब से काट लेना है, और फिर डिजाइन और अच्छे लुक के लिए जींस के नीचे वाले हिस्से को काटकर शॉर्ट्स में जोड़ लेना है. आपका शॉर्ट्स तैयार है.

पिकनिक रग

अलग-अलग या समान रंग के जींस लें. पीछे के हिस्से के लिए बराबर पट्टियां काट कर इच्छित आकार की सीट तैयार करें. जींस के कुछ टुकड़ों को बराबर साइज में चौकोर काट लें. सीट के ऊपर इन्हें पहले ग्लू से चिपकाएं और फिर सील लें. तैयार है डबल लेयर पिकनिक रग.

चार्जर होल्डर

अपनी जींस की पॉकेट बाहर निकालें और उससे इस तरह से आई कैचिंग चार्जर होल्डर बनाएं.

पांवदान

जींस की लंबी-लंबी स्ट्रिप कैंची से काट लें. कुछ स्ट्रिप का आपस में जोड़ कर उनकी लंबाई बढ़ा लें. अब चोटी की तरह गूंथ लें. इन्हें रोल करते जाएं और इन्हें बीच-बीच से स्टिच कर लें.

छोटी, मगर काम की बातें

रसोई के ये टिप्स जहां स्वाद में इजाफा करेंगे, वहीं बिगड़े काम को भी सही कर देंगे. आजमा कर देखिए

- *कोई भी मीठी डिश बनाते वक्त उसमें एक चुटकी नमक डालें, इससे स्वाद और ज़्यादा उभर कर आएगा.*
- *पूड़ियों को बेलकर, तलने से पहले 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें इससे वो फ्राय करते वक्त ज़्यादा तेल नहीं सोखेंगी.*
- *सूजी को हलवे के लिए भूनते वक्त इसमें आधा चम्मच बेसन भी मिला लें, इससे हलवे के स्वाद में इजाफा होगा.*
- *चावल बनाते वक्त इसके पानी में 1 चम्मच घी और कुछ बूंदें नींबू के रस की डालें, इससे चावल खिले-खिले और बिल्कुल सफेद बनेंगे.*
- *किसी ग्रेवी में अगर तेल या घी ज़्यादा हो जाए तो उसे थोड़ी देर के लिए फ्रिज या फ्रीज़र में रख दें. ऊपर तैर रहा तेल जम जाएगा और आप आसानी से उसे निकालकर फेंक सकती हैं. बाद में अपनी डिश को सर्व करने से पहले दोबारा गर्म कर लें.*
- *ऑमलेट बनाने के लिए अंडा फेंटते वक्त उसमें 2 चम्मच दूध मिला लें, इससे ऑमलेट सॉफ्ट और फ्लफी बनेगा.*

कंफर्ट के लिए बेड, खेलने के लिए बॉल

इन दिनों घर पर जब कोई पालतू (कुत्ता/बिल्ली) लाते हैं तो खुद को पेट ओनर नहीं, बल्कि पेट पैरेंट्स मानते हैं. जब शब्द इतने व्यापक होंगे तो जाहिर है भावनाएं भी कुछ अलहदा होंगी. ऐसे में जमाना वह नहीं रहा जब पालतू दरवाजे के गेट से बंधे रहते थे या बाहर कहीं बोरे पर बैठे-लेटे रहते थे. पालतुओं के लिए बाजार में एक से एक सामान उपलब्ध हैं.

- **बेड :** पेट के कंफर्ट को देखते हुए आप अपने डॉग/कैट के साइज के अनुसार पेट बेड खरीदें. गर्मी और सर्दी के लिए अलग-अलग बेड होते हैं. सर्दियों के लिए पेट बेड में उसका तकिया व फर वाले गद्दे भी शामिल होते हैं. वेलवेट या ऐसी ही किसी फैब्रिक से बने होने की वजह से यह बहुत आरामदायक होते हैं. गर्मी के लिए पेट कूलिंग मैट भी होते हैं जो आसानी से वाशिंग मशीन में धोए जा सकते हैं.
- **करियर बैग :** लंबी यात्रा के लिए पेट के लिए करियर बैग भी मार्केट में उपलब्ध हैं. इसमें कुत्ते बिल्ली दोनों को लेकर घूम सकते हैं.
- **फूड प्लेट :** पेट भी आपके घर के सदस्य हैं पेट को खाना टूटे बदरंग बर्तन में देने की जगह रंग-बिरंगे प्लैटर में दें.
- **कॉलर बेल्ट :** अगर आप पेट के गले में कोई कलरफुल ने कॉलर बेल्ट लेना चाहते हैं तो आप दो-तीन तरह के कलरफुल नेकबंद बांड खरीद सकते हैं. यह ऑनलाइन भी आसानी से उपलब्ध होते हैं. इस पर कुत्ते का नाम उसके मालिक का नाम फोन नंबर लिख सकते हैं जिससे पेट के खो जाने पर आसानी से मालिक से संपर्क किया जा सके. इसके एडजेस्टेबल लेंथ की वजह से यह काफी कंफर्टेबल होता है
- **बॉल :** कुत्ते बिल्लियों को बॉल से खेलना काफी पसंद है. रबड़ की बाल की जगह टेनिस बॉल या इस पदार्थ की बाल पेट्स को पसंद आएगी. क्योंकि यह हल्की और आसानी से उछलने वाली होती है.

वर्कप्लेस की टेंशन यूं होगी उड़न-छू

घर-बाहर दोनों कामों में आप एक्सपर्ट हैं, और बेहतर तरीके से इन्हें हैंडल करती हैं. बावजूद इसके कई बार इनके बीच संतुलन बिगड़ जाता है. वर्कप्लेस पर काम का बोझ तनाव की वजह बनती है और जब ऑफिस में तनाव बढ़ता है तो कहीं न कहीं इसका असर घर-परिवार पर भी पड़ता है. ऑफिस प्रेशर से खुद का स्वास्थ्य भी गड़बड़ाता है और चीजें बिगड़ती चली जाती हैं. आइए, छोटे-छोटे टिप्स को एक बार फिर आपको याद दिलाएं जो ऑफिस के काम को मैनेज करने में सहायक हो और आपकी वर्क के साथ पर्सनल लाइफ, दोनों ही ठीक रहे-

- **टाइम मैनेजमेंट स्किल्स :** आपक वर्किंग विमन हैं तो टाइम मैनेजमेंट स्किल आपके लिए खास मायने रखती हैं. कामों की प्राथमिकता तय करें और उसके अनुसार उसका समय तय करें. इस मामले में आदर्शवादी नहीं, बल्कि थोड़ा व्यवहारिक बनें. एक छोटा सा स्टिकी नोट बनाकर चाहें तो मोबाइल फोन में या फिर अपनी डेस्क पर नोट बनाकर लगा लें कि आपको कौन से काम पहले और कौन से काम बाद में करने हैं. इससे आपका कोई काम छूटने का डर खत्म हो जाएगा. प्राथमिकता के अनुसार एक बार चीजें शेड्युल हो जाएं उसके बाद उसे समय पर पूरा करने की पूरी कोशिश करें. इससे घर और काम के बीच अपने समय का मैनेज करने में मदद मिलेगी.
- **पूरी नींद लें :** रात की आपकी नींद ही पूरे दिन के लिए आपके तन-मन को तैयार करती है. तनाव, थकावट, दवाब आदि को डिटॉक्स करती है. इसलिए नींद से समझौता नहीं करें. कामों को इस तरह व्यवस्थित करें कि आपकी नींद पूरी हो. कम से कम 7 घंटे की नींद लें. नींद पूरी होगी तो पूरी ताजगी से दिन की शुरुआत कर सकेंगी.
- **बात करें :** अगर ऑफिस के किसी बात से, किसी काम के दवाव से परेशां हैं तो इस बारे में अपने सहकर्मियों, मित्रों और परिवार के लोगों से बात करें. इससे जहां मन हल्का होगा, वहीं राह भी खुलेगी. लेकिन ध्यान रखें कि किसी अविश्वसनीय पात्र के सामने अपना दुखड़ा नहीं रोएं. ऐसे में काम आसान होने की बजाय और उलझ सकता है.
- **डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज :** तनाव से राहत दिलाने में कुछ तकनीक भी कारगर हैं. अपनी दिनचर्या में ध्यान, डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज और माइंडफुलनेस को शामिल करें. ये तनाव से राहत दिलाने वाली तकनीक हैं. यू-ट्यूब पर एक दो सेशन देख कर आप आसानी से कर सकती हैं. यह आपके दिमाग को तनावपूर्ण स्थिति से हटाने में मदद कर सकता है. सांस लेते, चलते या भोजन करते वक्त अपनी इन एक्टिविटी पर फोकस करने की कोशिश करें.
- **खुद को समय दें :** मी टाइम यानी खुद को समय देना भी जरूरी है. खुद से सवाल करें कि आखिर चूक कहां हो रही है. मन में जो तनाव चल रहा है, उसे कभी एकांत में कागज के पन्नों पर लिखें. पहले यह खुद मानें कि आपके अंदर वो काबलियित है कि आप किसी भी काम को बेस्ट तरीके से कर सकते हैं. इसके बाद एक रुपरेखा बनाएं कि आपको आगे कैसे काम करना है. यकीं मानिए, खुद की गई यह कोशिश जरूर कोई नतीजा देगी.
- **मल्टीटास्किंग से बचें :** हम महिलाओं की एक खासियत मल्टीटास्किंग होना है, लेकिन कई बार यही खासियत हमें परेशानी में दे देती है और कई बार काम की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है. इसलिए बेहद जरूरी है कि, जो काम करें वो अच्छे से करें. इसलिए काम उतना ही अपने हाथ में लें, जितने को आप बेहतर तरीके से तय समय में निपटा सकें. जहां जरूरी हो, वहां ना कहना सीखें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल : अपराजेय राजस्थान रॉयल्स और जूझ रही गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला आज

जीत की लय कायम रखने उतरेंगे रॉयल्स

भाषा । जयपुर

अब तक अपराजेय राजस्थान रॉयल्स इंडियन प्रीमियर लीग में खराब दौर से जूझ रही गुजरात टाइटंस के खिलाफ बुधवार को उतरेगी तो यशस्वी जायसवाल पर अच्छी पारी खेलने का दबाव होगा. रॉयल्स की शुरूआत शानदार रही है, जिसने चार में से चारों मैच जीते हैं. लेकिन भारतीय टीम के लिये शानदार प्रदर्शन करने वाले जायसवाल चार मैचों में सिर्फ 39 रन ही बना सके हैं. उनके सलामी जोड़ीदार जोस बटलर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ नाबाद शतक जमाकर फॉर्म में वापसी की है.

कप्तान संजू सैमसन ने चार मैचों में 178 रन बनाये हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं. रॉयल्स के लिये इस सत्र की खोज रियान पराग रहे हैं. गुवाहाटी के इस हरफनमौला ने अब तक 185 रन बना लिये हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं. शिमरोन हेटमायेर और ध्रुव जुरेल को मध्यक्रम में अच्छी पारियां खेलनी होगी.

राजस्थान की गेंदबाजी मजबूत : राजस्थान के पास ट्रेंट बोल्ट और नांद्रे बर्गर के रूप में उम्दा तेज गेंदबाज हैं जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है. रविचंद्रन अश्विन का खराब फॉर्म हैरानी का सबब है जिन्होंने अभी तक चार मैचों में एक ही विकेट लिया है. दूसरी ओर गुजरात टाइटंस ने अभी तक पांच में से दो मैच जीते और तीन गंवाये हैं.

- जायसवाल का फॉर्म राजस्थान के लिए चिंता का सबब
- चार मैचों में सिर्फ 39 रन ही बना सके हैं जायसवाल
- राजस्थान ने चार में से चारों मुकाबले जीते हैं
- मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा
- गुजरात ने पांच मैचों में तीन मैच गवांए हैं

हार की हैट्रिक से बचना चाहेगी गुजरात की टीम

शुभमन गिल गुजरात हार की हैट्रिक से बचना चाहेगी लेकिन रॉयल्स के खिलाफ यह आसान नहीं होगा. लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ खराब प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाजों को बेहतर खेल दिखाना होगा. गिल ने अभी तक पांच मैचों में 183 रन बनाये हैं. उनके सलामी जोड़ीदार बी साइ सुदर्शन अभी तक अर्धशतक नहीं बना सके हैं. गेंदबाजी में मोहित शर्मा और उमेश यादव ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन पंजाब किंग्स के शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा जैसे गुमनाम बल्लेबाजों के सामने वे कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके. अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान और नूर अहमद को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा.

टीमें

- **गुजरात टाइटंस**: शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रोबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, सुशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार.
- **राजस्थान रॉयल्स**: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, अवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल और तनुष कोटियान.

हॉकी टीम की 33 सदस्यीय कोर ग्रुप में राज्य की पांच खिलाड़ी

खेल संवाददाता । रांची

हॉकी इंडिया ने पुणे में आयोजित हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर देश के विभिन्न राज्यों की टीमों से चयनित 60 खिलाड़ियों चयन किया गया था. 60 खिलाड़ियों के लिए साई सेंटर बेंगलुरु में सात दिनों का विशेष प्रशिक्षण सह ट्रायल आयोजित किया गया. इसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 33 खिलाड़ियों का चयन सीनियर भारतीय महिला कोर टीम के लिए किया गया. चयनित खिलाड़ी आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी. इस 33 सदसयी कोर ग्रुप में झारखंड की पांच खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे, संगीता कुमारी, दीपिका सोरेंग और रोपनी कुमारी शामिल है. निक्की प्रधान डिफेंडर है और झारखंड की खूंटी जिला की रहने वाली है. जबकि सिमडेगा की सलीमा टेटे मिडफील्डर, संगीता कुमारी और दीपिका सोरेंग फॉरवर्ड व रोपनी कुमारी डिफेंडर भी कोर ग्रुप में शामिल हैं.

हम पिच को बेहतर भांप सकते थे : वरुण चक्रवर्ती

भाषा । चेन्नई

कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल के मैच में पिच को सही ढंग से पढ नहीं पाने का खामियाजा उनकी टीम को भुगतना पड़ा. पिछले दो मैचों की तुलना में इस मैच की पिच अलग थी. केकेआर नौ विकेट पर 137 रन ही बना सकी जिसे चेन्नई ने 14 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया. चक्रवर्ती ने मैच के बाद कहा कि मैने जब विकेट को देखा तो यह सपाट लगा लेकिन यह पूरी तरह से अलग था.

उन्होंने कहा कि हम पिच को बेहतर भांप सकते थे क्योंकि शुरूआत में यह धीमी थी. गेंद से संपर्क करना कठिन था लेकिन मुझे लगा कि 160 का स्कोर ठीक रहता. इसके अलावा ओस भी थी. शिवम दुबे को जो मैने आखिरी ओवर डाला , उससे काफी फर्क पड़ा क्योंकि मैं गेंद पर पकड़ नहीं बना पा रहा था. उन्होंने कहा कि हमने हर बल्लेबाज के लिये योजना बनाई थी लेकिन अहम बात उन पर अमल करना था. हर टीम में कुछ बल्लेबाजों का दबदबा रहता है जिन पर रोक लगानी होती है.

ब्रीफ खबरें

आमिर, इमाद की पाक टीम में वापसी

लाहौर । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का फैसला बदलने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर और बाएं हाथ के स्पिनर इमाद वसीम की 18 अप्रैल से न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी-20 मैच की श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की 17 सदस्यीय टीम में वापसी हुई है. दस दिन तक चलने वाली इस श्रृंखला के तीन मैच रावलपिंडी जबकि दो मैच लाहौर में खेले जाएंगे.

न्यूजीलैंड का दौरा करेगी इंग्लैंड टीम

लंदन । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को ऐलान किया कि उनकी टीम 28 नवंबर से तीन टेस्ट के दौरे पर न्यूजीलैंड जायेगी. श्रृंखला का पहला मैच क्राइस्टचर्च में खेला जायेगा जबकि दूसरा मैच छह दिसंबर से वेलिंगटन और तीसरा 14 दिसंबर से हैमिल्टन में होगा. दोनों टीमों की टेस्ट श्रृंखला में टक्कर पिछले साल फरवरी मार्च में हुई थी.

पाकिस्तान के सहायक कोच बनेंगे अजहर महमूद

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला अजहर महमूद को सभी प्रारूपों में टीम का सहायक कोच बनाया जा सकता है. महमूद को न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 अप्रैल से शुरू हो रही घरेलू श्रृंखला के लिये अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया. बोर्ड ने अभी तक विदेशी कोचों जैसन गिलेस्पी व गैरी कर्स्टन के साथ दीर्घकालिन अनुबंध का ऐलान नहीं किया है.

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग का किया अनावरण

रांची में होगा पहला चरण

संवाददाता । रांची

- आठ टीमें प्रतियोगिता में लेगीं हिस्सा
- पहला चरण 30 अप्रैल से 10 मई तक होगा

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-25 का अनावरण किया. लीग को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा. उद्घाटन चरण 30 अप्रैल से 10 मई 2024 तक झारखंड के रांची में होगा. इस चरण के दौरान सभी मैच मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे. इस प्रतियोगिता में 14 वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप शीर्ष आठ में रहने वाली टीम भाग लेगी. जिसमें हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, मध्य प्रदेश, बंगाल, मिजोरम, मणिपुर और ओडिशा की टीमें शामिल हैं.

क्या है राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग : राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग भारत में अपनी तरह की पहली घरेलू महिला लीग है, जो प्रतिभा और कौशल का शानदार प्रदर्शन करने का वादा करती है. उभरते एथलीटों को एक मंच प्रदान करने और देश में महिला हॉकी के कद को बढ़ाने के उद्देश्य से, लीग में शीर्ष राज्य टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी. विशेष रूप से, लीग युवा प्रतिभाओं के लिए भी अपने दरवाजे खोलेगी, जिसमें 21 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे. युवा खिलाड़ियों का यह समावेश प्रतिभाओं को पोषित करने और जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देने के लिए हॉकी इंडिया के समर्पण को रेखांकित करता है.

प्रतिभा पहचान है उद्देश्य

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग राष्ट्रीय टीम के लिए एक महत्वपूर्ण स्काउटिंग प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगी, जो चयनकर्ताओं को भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने लीग के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग भारतीय हॉकी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है खासकर हमारी महिला एथलीटों के लिए.

हॉकी के लिए महत्वपूर्ण छलांग : भोलानाथ

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा हम राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग की शुरुआत करते हुए रोमांचित हैं, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महिला हॉकी को बढ़ावा देने के हमारे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण छलांग है. यह लीग न केवल शीर्ष प्रतिस्पर्धा के लिए एक मंच प्रदान करेगी, बल्कि युवा लड़कियों को हॉकी के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित भी करेगी.

हसरंगा के विकल्प के तौर पर सनराइजर्स से जुड़े विजयकांत

नयी दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में चोटिल वानिंदु हसरंगा की जगह श्रीलंका के युवा लेग स्पिनर विजयकांत व्यासकांत को टीम में शामिल किया. श्रीलंका के लिए एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले 22 वर्षीय विजयकांत लेग स्पिनर हसरंगा के समान विकल्प हैं. विजयकांत 50 लाख रुपये के आधार मूल्य पर सनराइजर्स से जुड़े हैं. आईपीएल ने एक बयान में कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के बाकी मुकाबलों के लिए चोटिल वानिंदु हसरंगा के विकल्प के रूप में विजयकांत व्यासकांत को अनुबंधित किया है.

हॉकी : ऑस्ट्रेलिया-भारत के बीच मुकाबला आज

हार की हैट्रिक से बचना चाहेगी भारतीय टीम

भाषा । पर्थ

पिछले दो मैच गंवा चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में बुधवार को जब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य हार की हैट्रिक से बचने का होगा. पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण इस श्रृंखला में भारत को पहले मैच में 5-1 और दूसरे में 4-2 से पराजय का सामना करना पड़ा. इस दौरे से भारतीय टीम को अपनी ताकत और कमजोरियों का पता चलेगा. पहले दोनों मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत के डिफेंस को दबाव में रखा. कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय डिफेंडरों ने पहले दो मैचों में कई आसान गोल और पेनल्टी कॉर्नर गंवाये. वहीं फॉरवर्ड पंक्ति विरोधी खेमे में हमले नहीं बोल सकी. मनदीप सिंह, अभिषेक, ललित उपाध्याय, गुरजंत सिंह और सुखजीत को मौकों को भुनाना होगा. मिडफील्ड में प्रदर्शन अभी तक अच्छा रहा है और मिडफील्डरों ने काफी मौके बनाये हैं. भारतीय कोच क्रेग फुल्टोन ने पहले दो मैचों में अलग रणनीति आजमाने की कोशिश की.

कीर्ति में 350 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता । रांची

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) रांची के तत्वावधान में खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आईडेंटिफिकेशन (कीर्ति) का आयोजन किया गया. टैलेंट आईडेंटिफिकेशन के तीसरे दिन 350 से अधिक खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई. उभरती व छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को तरासने और उभारने के लिए भारत सरकार द्वारा टैलेंट हंट के माध्यम से ओलंपिक पोडियम तक पहुंचाने के लिए एक रोड मैप बनाया है. रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में कीर्ति परियोजना अन्तर्गत 9 वर्ष से 18 वर्ष तक के बालक एवं बालिकाओं के लिए 7 से 10 अप्रैल तक चार दिवसीय खेलो इंडिया टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन गया है. जिसके तहत एथलेटिक्स, फुटबॉल,तीरंदाजी एवं हॉकी खेलों के बालक एवम बालिका खिलाड़ियों ने जनरल फिटनेस के अंतर्गत ऊंचाई, वजन,सीट एंड रीच,मेडिसिन बॉल थ्रो,30 मी फ्लाइंग रेस,सटल रन,स्टैंडिंग जंप,वर्टिकल जंप, सीट अप,800 मी. और 1600 मी. टेस्ट में भाग लिया. वहीं स्पेशिफिक टेस्ट अंतर्गत फुटबॉल, हॉकी, तीरदांजी में खेलों के प्रदर्शन कर तथा एथलेटिक्स में अपने व्यक्तिगत इवेंट्स 60 मीटर,600 मीटर, स्टैंडिंग शॉटपुट, स्टैंडिंग टेनिस बॉल थ्रो,05 मीटर अप्रोच लंबी कूद, सीजर तकनीक ऊंची कूद स्पेसीफिक टेस्ट में भाग लिया.

आईपीएल चेन्नई के युवा कप्तान ने कहा, कप्तानी के बारे में नहीं हुई थी गहरी बातचीत

कप्तानी के बारे में 2022 में बताया गया था : गायकवाड़

भाषा । चेन्नई

महेंद्र सिंह धौनी ने 2022 में ही रूतुराज गायकवाड़ को चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी के लिये तैयार रहने के लिये कहा था और वह तभी से तैयार है हालांकि दोनों के बीच कप्तानी को लेकर गहरी बातचीत नहीं हुई. कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सोमवार की रात मिली जीत में गायकवाड़ ने मोर्चे से कप्तानी की थी. उन्हें 22 मार्च को आईपीएल की शुरूआत के एक दिन पहले ही कप्तान बनाया गया. गायकवाड़ ने केकेआर पर सात विकेट से मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि ईमानदारी से कहूं तो इस बारे में गहरी बातचीत नहीं हुई. मैं इत्मीनान से था. सिर्फ एक बार बात हुई.

हम अभ्यास कर रहे थे और उन्होंने मेरे पास आकर यह कहा. उन्होंने कहा कि बाहर सभी को लगता होगा कि मुझे उनके जैसे महान खिलाड़ी की जगह लेना है लेकिन मेरा मानना है कि मेरी अपनी शैली होगी.

खास बातें

- आईपीएल के एक दिन पहले कप्तान बने थे गायकवाड़
- गायकवाड़ ने कहा, सिर्फ एक बार हुई थी कप्तानी की बाल

टीम कल्चर बनाये रखना चाहता हूं

गायकवाड़ ने कहा कि मैं टीम कल्चर को बनाये रखना चाहता हूं. उन्होंने कहा कि 2022 में मुझसे कहा था कि शायद अगले साल नहीं लेकिन उसके बाद मुझे कप्तानी करनी होगी तो उसके लिये तैयार रहूं. मैं उसके बाद से हमेशा से तैयार था. मैं पिछले साल भी हर मैच के बाद कोच स्टीफन फ्लेमिंग से कप्तानी के हर पहलू पर बात करता था. यह पूछने पर कि कप्तान के तौर पर वह क्या बदलाव लेकर आये हैं, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसकी जरूरत है. मैं सीएसके का कल्चर बनाये रखना चाहता हूं. हमने इसके दम पर ही इतनी सफलता पाई है तो मैं कोई बदलाव नहीं चाहता.

रचा इतिहास : जोकोविच ने तोड़ा फेदरर का रिकॉर्ड

टेनिस: सबसे उम्रदराज नंबर एक खिलाड़ी बने नोवाक जोकोविच

भाषा । लंदन

नोवाक जोकोविच ने रोजर फेडरर का एक और रिकॉर्ड तोड़ दिया और एटीपी टूर की कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग में नंबर एक पर रहने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए. जोकोविच अगले महीने 37 वर्ष के हो जायेंगे. फेडरर जून 2018 में जब आखिरी दिन रैंकिंग में शीर्ष पर थे तब वह जोकोविच से छोटे थे. जोकोविच को शीर्ष पर कुल 420 सप्ताह हो गए जबकि फेडरर 310 सप्ताह तक नंबर एक पर थे. जोकोविच ने पुरूष टेनिस के इतिहास में सर्वाधिक 24 ग्रैंडस्लैम जीते हैं. फेडरर के नाम 20 और राफेल नडाल के नाम 22 खिताब हैं. कोच गोरान इवानीसेविच से अलग होने के बाद जोकोविच पहला टूर्नामेंट 26 मई से फ्रेंच ओपन खेलेंगे. ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन यानिक सिनेर सोमवार को जारी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं जबकि स्पेन के कार्लोस अल्काराज तीसरे नंबर पर हैं. डब्ल्यूटीए रैंकिंग में इगा स्वियातेक शीर्ष पर, एरिना सबालेंका दूसरे और कोको गॉ तीसरे स्थान पर हैं.

खास बातें

- 420 सप्ताह से शीर्ष पर काबिज हैं जोकोविच
- जोकोविच ने इतिहास में सर्वाधिक 24 ग्रैंडस्लैम जीते हैं

ब्रीफ खबरें

अपराधियों ने ट्रक चालक को मारी गोली

भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र अपराधियों ने ट्रक चालक को गोली मार दी. घटना आरा-छपरा फोरलेन पर हरीपुरा पैसठवा बालू घाट स्थित पेट्रोल पंप के समीप की है. हथियारबंद अपराधियों ने झारखंड निवासी एक ट्रक चालक को गोली मार दी. चालक को गोली दाहिने पैर के जांघ पर लगी. चालक को लेकर खलासी कोईलवर पीएचसी पहुंचा. यहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना रेफर कर दिया गया. जख्मी युवक झारखंड के देवघर निवासी जयराम यादव का 28 वर्षीय पुत्र विक्रम कुमार है.

गंगा किनारे मिला लापता युवक का शव

मुंगेर। लापता युवक का शव गंगा किनारे मिला. घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र की है. जहां रहिया टोला गांव निवासी शनिचर सिंह का पुत्र सुमन कुमार उर्फ छोटू का शव मंगलवार सुबह गंगा किनारे गड्ढे में भरे पानी में मिला. इसे बरियारपुर थाना पुलिस ने बरामद किया. शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया. सुमन शनिवार की रात से लापता था. इसे लेकर मृतक के भाई इंदर कुमार ने भाई की हत्या की आशंका जताते हुए बरियारपुर थाने में आवेदन दिया था. थानाध्यक्ष राजेश ने कार्रवाई करते हुए पैरु मंडल टोला निवासी प्रिंस कुमार, दिलखुश कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य दो युवक और एक महिला को हिरासत में लिया.

सड़क किनारे लहूलुहान मिला युवक का शव

नालंदा। घर से करीब एक किलोमीटर दूर लहुलुहान हालत में युवक का शव मिला. युवक की पहचान तेल्हाड़ा थाना क्षेत्र के नैयमा गांव निवासी मुन्नी चौधरी के 25 वर्षीय बेटे विपिन कुमार के रूप में हुई. परिजनों ने प्रेम प्रसंग में हत्या की बात कही. मामला मंगलवार का हिलसा थाना क्षेत्र के यारपुर गांव के राइस मिल के पास का है. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. युवक के जेब से शक्तिवर्धक दवा भी मिला. इसके साथ ही उसके पॉकेट से बाइक की चाभी भी मिली.

ट्रेन की चपेट में आने से चार लोगों की हुई मौत

सीवान। रेल हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई. घटना सीवान-मैरवा रेलखंड पर कटिहार से अमृतसर जाने वाली गाड़ी संख्या 15707 अप आम्रपाली एक्सप्रेस से हुई. मरने वालों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं. बताया जाता है कि महिलाएं रेल लाइन के पास काम कर रही थीं. जब दोनों बच्चे खेलने के दौरान ट्रैक पर चले गए. इसी दौरान सामने से आ रही ट्रेन से बचाने गई दोनों महिलाएं भी चपेट में आ गईं. मृतकों में मैरवा थाना क्षेत्र के सुमेरपुर मुडियारी टोला निवासी गोविंद राजभर की तीस वर्षीय पत्नी नीतू देवी, त्रिभुवन राजभर की पत्नी श्रीमती देवी और उसके बच्चे पांच वर्षीय खुशी व दस वर्षीय दिलबहार शामिल हैं.

भोला पासवान शास्त्री की पुत्रवधू सह राजद महिला प्रकोष्ठ की पूर्व जिलाध्यक्ष हैं सुशीला

सुशीला भारती ने राजद छोड़ पप्पू यादव से मिला लिया हाथ

संवाददाता। पूर्णिया

जैसे-जैसे चुनाव का दिन नजदीक आता जा रहा है, पूर्णिया सीट बिहार में राजनीति का केंद्र होता जा रहा है. जब से पप्पू यादव ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरा है, तब से राजद उम्मीदवार बीमा भारती के लिए चुनौती बढ़ती जा रही है. वहीं यह सीट तेजस्वी यादव के लिए नाक का सवाल बन गया है.

इसी बीच महागठबंधन को पूर्णिया में एक बहुत बड़ा झटका लगा है. तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके स्वर्गीय भोला पासवान शास्त्री की पुत्रवधू सह राजद महिला प्रकोष्ठ के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशीला भारती ने राजद छोड़ दिया है. अब निर्दलीय और चर्चित उम्मीदवार राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव से हाथ मिला लिया है. साथ ही पप्पू यादव को समर्थन देने का एलान किया है. इसकी पुष्टि खुद निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर किया. सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भोला पासवान शास्त्री जी की बहू सह महिला राजद जिला अध्यक्ष सुशीला भारती का मैं आभार व्यक्त करता हूं कि पूर्णिया के लिए हमें समर्थन दिया है.

आपके समर्थन से पूर्णिया लोकसभा की जनता के जीतने की सम्भावना प्रबल हो रही है. पूर्णिया की जनता को उम्मीदवारों की कार्यशैली, कार्यक्षमता और कार्य करने की नियत के पैमाने पर तुलना कर इस बार मतदान करने की जरूरत है. बता दें कि भोला पासवान शास्त्री की आज भी ईमानदारी का मिसाल दी जाती है. भोला पासवान तीन बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे थे. बता दें कि बीमा भारती पहले नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू में थीं और पूर्णिया के रुपौली विधानसभा सीट से विधायक थीं. लोस चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद बीमा ने जेडीयू से इस्तीफा देकर आरजेडी ज्वाइन कर ली थी जिसके बाद लालू यादव ने उन्हें तुरंत पूर्णिया से लोकसभा चुनाव का उम्मीदवार घोषित कर दिया था.

झटका लगा

- सुशीला ने पप्पू यादव को समर्थन देने का एलान किया
- इसकी पुष्टि खुद पप्पू यादव ने सोशल मीडिया पर किया

सम्राट चौधरी ने क्रिकेट से राजनीति में आए तेजस्वी पर साधा निशाना, बोले

पानी ढोने का काम करते थे

संवाददाता। पटना

चुनावी बिगुल बजते ही राजनीतिक योद्धाओं ने प्रचार के दौरान एक-दूसरे पर निशाना साधना शुरू कर दिया है. इसमें एक तरफ एनडीए खेमा है तो दूसरी ओर महागठबंधन है. बता दें कि बिहार में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान है. ऐसे में चुनाव प्रचार भी तेज हो गया है. सभी नेता राजनीतिक पिच पर आक्रामक बयानबाजी कर रहे हैं. इसी में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने राजद सुप्रीमो लालू यादव के पूरे परिवार पर निशाना साधा.

उन्होंने तेजस्वी, तेजप्रताप, रोहिणी आचार्य और मीसा भारती पर भी तीखे बयान दिए. सम्राट चौधरी ने कहा कि आरक्षण के नाम पर कुछ लोग पहले पत्नी को मुख्यमंत्री बनाते हैं. फिर अपने बेटा को उपमुख्यमंत्री बनाते हैं. तेजस्वी पर हमला बोलेते हुए सम्राट ने कहा कि वो क्रिकेट नहीं खेलते थे, वे पानी ढोने का काम करते थे. कुछ मीडिया साथी लिख रहे हैं कि क्रिकेट से राजनीति में आए तेजस्वी. लेकिन ये बताना पड़ेगा कि तेजस्वी ने कहां-कहां क्रिकेट खेली. पानी ढोने वाले को, क्योंकि वो लालू का बेटा था. उसको बिहार का उपमुख्यमंत्री बना दिया. तेज प्रताप पर तंज कसते हुए कहा कि लालू का दूसरा बेटा हरे राम- हरे राम जपता रहता है, उसको भी मंत्री बना दिया. सम्राट चौधरी ने सारण से आरजेडी प्रत्याशी रोहिणी आचार्य और पाटलिपुत्र से मीसा भारती पर भी निशाना साधा, बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब सिंगापुर से एक बेटी आ गई है. जनता का कल्याण तो दूर-दूर से पता नहीं चलता है. लेकिन सिंगापुर से चुनाव लड़ाने के लिए लालू यादव ने अपनी बेटी को उतार दिया है. वहीं दूसरी बेटी मीसा भारती चुनाव हार जाती हैं, तब भी राज्यसभा भेज दिया.

प्रदेश अध्यक्ष

- 19 अप्रैल को है बिहार में पहले चरण का मतदान है
- लालू का दूसरा बेटा हरे राम हरे राम जपता रहता है

यह बेटी आप सबकी सेवा करेगी : रोहिणी आचार्य

सम्राट चौधरी के तेजस्वी के पानी पिलाने के सवाल पर रोहिणी आचार्य कहा कि यह लोग क्या करते थे? तेजस्वी यादव ने इस बार ऐसा पानी पिलाया है कि बार-बार पीएम मोदी को खुद आना पड़ रहा है. यह फर्जी डिग्री वाले क्या बोलेंगे. यह लोग फ्रॉड हैं. कितना केस इनलोगों पर हुआ. चुनाव प्रचार के लिए छपरा रवाना होने से पहले राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा कि माताएं और बहनें मुझे दुर्गा समान मान रहीं हैं. इस धूप में बहन-बेटियां समेत सारी शक्तियां खड़ी हैं अपनी इस शक्ति के लिए. नवरात्रि में बेटी-बहनों की पूजा की जाती है. मेरा आग्रह है कि आप सभी लोग अपनी इस बेटी (रोहिणी) को प्यार, दुलार और इज्जत दीजिए. यह बेटी आपको भरोसा दिलाती है कि आप सबकी सेवा करेगी. लालू-राबड़ी राज पर सवाल उठाने वालों पर तंज कसते हुए रोहिणी आचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज में भ्रष्टाचारी और बलात्कारियों को पनाह दिया जा रहा है. बालिका गृह कांड के बार में मुख्यमंत्री क्यों नहीं कुछ नहीं बोल रहे हैं? भाजपा वाले ताकत पर लड़ते हैं. हमलोग प्यार मोहब्बत से लड़ते हैं. ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग कर लोगों को डराने का काम करते हैं. लालू को जंगलराज के सवाल रोहिणी ने कहा कि बालिका गृह कांड किसके समय में हुआ था. इस पर कोई क्यों नहीं बोल रहा है.

घर में लगी आग, छह लोगों की मौत

संवाददाता। सासाराम

रोहतास जिले में मंगलवार को एक घर में आग लगने से छह लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई. घटना कछवा थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर की है. बताया जाता है कि आग लगने की घटना में तीन बच्चे और तीन महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई. आग लगते ही आसपास के लोगों ने दमकल विभाग को सूचना देते हुए आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका. घटना में एक लोग गंभीर रूप से झुलस गये.

उन्हें सासाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया. जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी बताई जा रही है. बताया जाता है कि झोपड़ी नुमा घर के पास ही बिजली का ट्रांसफार्मर लगा है. दोपहर को ट्रांसफार्मर में अचानक फॉल्ट हुआ. इसमें चिंगारी निकली जो झोपड़ी नुमा घर के ऊपर गिरी. देखते ही देखते घर में आग लग गई. आग ने पलभर में पूरे घर को चपेट में ले लिया. हादसे के वक्त घर में मौजूद परिवार आग की चपेट में आ गया. इसमें छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. मृतकों में 30 वर्षीय पुष्पा देवी, उसकी तीन बेटियां, एक बेटा मोहा कुमार और गर्भवती ननद (25 वर्षीय) माया देवी शामिल हैं. वहीं हादसे में एक शख्स गंभीर रूप से झुलस गया. उसे आसपास के लोगों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. इधर मामले की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय थाना पुलिस और अन्य अधिकारी पहुंच गए हैं.

अपने पंचायत क्षेत्र के हाईस्कूल में कराएं नामांकन

संवाददाता। पटना

शिक्षा विभाग ने नया फरमान जारी किया है. एसीएस केके पाठक के आदेशानुसार अब जिस पंचायत क्षेत्र के बच्चे हैं, उन्हें उसी पंचायत में नामांकन कराना होगा. इससे बच्चों के अभिभावकों को मुश्किल में हैं. कई बच्चों का पंचायत में हाईस्कूल करीब पांच किमी तक है. जो स्कूल घर के नजदीक है वो दूसरी पंचायत में आता है. जिसके चलते पास वाले स्कूल में एडमिशन लेते हैं. अगर बच्चे दूसरे पंचायत के हाईस्कूल में नामांकन करवाते हैं तो उन्हें पहले-अपने पंचायत के स्कूल से ट्रांसफर सर्टिफिकेट लेना होगा. फिर डीईओ से प्रमाणित कराना होगा. इसके बाद ही दूसरे पंचायत के हाईस्कूल में एडमिशन ले सकेंगे. इस आदेश के चलते कुछ बच्चे दूर के स्कूलों में एडमिशन कराने को विवश हैं. तो कुछ ट्रांसफर सर्टिफिकेट बनवाने के लिए घूम रहे हैं. शिक्षा विभाग ने आदेश दिया है कि स्कूल के प्रधान शिक्षक को बैठक करनी होगी. जिसमें बच्चों के पैरेंट्स टोला सेवक, तालिमी मरकज, आंगनबाड़ी सेविका और स्कूल की सहायिका भी मौजूद रहेंगी. इन सब की जिम्मेदारी अनामांकित बच्चों की खोज कर उनका नामांकन कराने की है. विभाग ने कहा है कि कक्षा एक से चार और छह से सात के बच्चों का नामांकन उत्तीर्ण होने के बाद एडमिशन खुद हो जाता है, तो कक्षा पांच और आठ के बच्चों का नामांकन लिया जाता है.

कारोबार

नैटको को यूएसएफडीए से मिला चेतावनी पत्र

नयी दिल्ली। नैटको फार्मा को तेलंगाना स्थित विनिर्माण संयंत्र के लिए अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से चेतावनी पत्र मिला है. अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने कंपनी की कोतूर स्थित फॉर्मूलेशन सुविधा का निरीक्षण करने के बाद फॉर्म-483 के तहत आठ टिप्पणियां जारी की. यूएसएफडीए ने नौ अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2023 तक यह निरीक्षण किया था. नैटको फार्मा ने बताया कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी को यूएसएफडीए से आठ अप्रैल 2024 को एक चेतावनी पत्र मिला है.

हाजिर मांग से कच्चे तेल के भाव में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में मंगलवार को कच्चा तेल की कीमत 40 रुपये की तेजी के साथ 7,219 रुपये प्रति बैरल हो गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का अप्रैल माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 40 रुपये या 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,219 रुपये प्रति बैरल हो गया. विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से कच्चा तेल वायदा कीमतों में तेजी आई.

स्टीलबर्ड का राजस्व रिकॉर्ड 27 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। स्टीलबर्ड हाई-टेक का राजस्व वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 711 करोड़ रुपये से अधिक रहा. कंपनी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में स्टीलबर्ड का राजस्व 711 करोड़ रुपये से अधिक रहा. कंपनी प्रबंधन सालाना आधार पर 27 प्रतिशत की यह शानदार वृद्धि हासिल करने पर पूरे दल और सहयोगियों का उनकी कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त करता है. स्टीलबर्ड के प्रबंध निदेशक राजीव कपूर ने भविष्य की योजनाओं पर कहा कि स्टीलबर्ड प्रति दिन 50000 हेलमेट बनाने का लक्ष्य रखा है.

ताइवान की कंपनी पेगाट्रॉन के भारत में लगभग 9,500 कर्मचारी हैं

पेगाट्रॉन की इंडिया यूनिट खरीदेगा टाटा ग्रुप

भाषा । नयी दिल्ली

देश की टाटा ग्रुप कंपनी एक के बाद एक नई यूनिट स्थापित करती जा रही है. टाटा कंपनी छोटे से लेकर बड़े उत्पाद बनाती है. वहीं अब टाटा ग्रुप की नजर ताइवानी कंपनी पेगाट्रॉन की इंडिया यूनिट पर है, जहां टाटा मैज्योरिटी स्टेक खरीदने के लिए की तैयारी में है. दोनों कंपनियों के बीच बातचीत एडवांस स्टेज में है. इससे पहले टाटा ग्रुप ऐपल की एक और कॉन्ट्रैक्ट मैन्यूफैक्चरर विस्ट्रॉन को खरीद चुकी है. सूत्रों का कहना है कि यह डील आने वाले दो से तीन महीनों में पूरा होने की उम्मीद है. हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह विस्ट्रॉन की तरह का अधिग्रहण होगा या जॉइंट वेंचर.

अभी दोनों विकल्प खुले हैं. पेगाट्रॉन और फॉक्सकॉन की तरह विस्ट्रॉन भी ऐपल के लिए कॉन्ट्रैक्ट पर आईफोन बनाती है. टाटा ग्रुप ने पिछले साल नवंबर में 12.5 करोड़ डॉलर (1,000 करोड़ रुपये) में इसकी लोकल यूनिट को खरीदा था और आईफोन बनाने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई. टाटा के पेगाट्रॉन की खरीदने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह जानकर खुशी हुई कि मोबाइल फोन निर्माण में भारतीय चैंपियन उभर रहे हैं. जैसे-जैसे यह सेक्टर बढ़ रहा है, ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं.

सूत्रों का कहना है कि इस डील की रकम विस्ट्रॉन सौदे से कम होने वाली है. इसकी वजह यह है कि पेगाट्रॉन एक छोटी कंपनी है. जब यह अधिग्रहण पूरा होगा तो उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के तहत दो साल से भी कम समय बाकी रहेगा. बताया जाता है कि टाटा ग्रुप अपनी सहायक कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के जरिए यह डील पूरा करने की तैयारी में है. जानकारों का कहना है कि ऐपल इस डील को जल्द से जल्द बंद करना चाहती है ताकि एनुअल लॉन्च से पहले पहले ऑनरशिप को लेकर किसी तरह का कनफ्यूजन न हो. कंपनी सितंबर में नए आईफोन लॉन्च करेगी जिनका प्रॉडक्शन जून-अगस्त में शुरू होगा. इस बारे में टाटा ग्रुप, पेगाट्रॉन और ऐपल ने प्रश्नों का जवाब नहीं दिया. पेगाट्रॉन के भारत में लगभग 9,500 कर्मचारी हैं और वह सालाना लगभग 45 लाख आईफोन बनाती है.

12.5 करोड़ डॉलर में विस्ट्रॉन की यूनिट खरीदी थी टाटा ने

बातचीत जारी

- पेगाट्रॉन सालाना लगभग 45 लाख आईफोन बनाती है
- विस्ट्रॉन भी ऐपल कंपनी के लिए आईफोन बनाती है

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन मार्केट है भारत

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन मार्केट है. पेगाट्रॉन ऐपल के तीन कॉन्ट्रैक्ट मैन्यूफैक्चरर्स में से एक है जिन्हें स्मार्टफोन पीएलआई स्कीम के तहत चुना गया है. लेकिन इसे केवल चार साल ही फायदा मिलेगा क्योंकि उसने फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन की तुलना में एक साल बाद निर्माण शुरू किया था. कंपनी ने पीएलआई स्कीम के तहत एफवाई23 और एफवाई25 के बीच 1,132 करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया था. अभी भारत में अधिकांश आईफोन फॉक्सकॉन बनाती है. सूत्रों के मुताबिक अगर टाटा और पेगाट्रॉन की डील होती है तो पेगाट्रॉन के कर्मचारी नई यूनिट में चले जाएंगे. एक सूत्र ने कहा कि ऐपल भारत में अपना बिजनस बढ़ाना चाहती है और टाटा द्वारा पेगाट्रॉन का अधिग्रहण इसी योजना का हिस्सा हो सकता है. ऐपल चीन में इसी रणनीति के तहत काम करती है जहां 90% आपूर्तिकर्ता चीनी हैं. वियतनाम का मामला अलग है क्योंकि वहां कोई मजबूत कंपनी नहीं है. कंपनी वियतनाम में आईपैड और मैक पर्सनल कंप्यूटर बनाती है लेकिन वहां आईफोन नहीं बनाए जाते हैं.

इस्मार्ट की हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी डिक्सन

एजेंसी। नयी दिल्ली

डिक्सन टेक्नोलॉजीज (इंडिया) की योजना इलेक्ट्रॉनिक व मोबाइल उपकरण विनिर्माण कंपनी इस्मार्ट इंडिया में बहुमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की है. कंपनी ने बताया कि यह अधिग्रहण पूरी तरह से नकद समझौता होगा. उसने इस्मार्ट सिंगापुर, ट्रांसन टेक्नोलॉजी लिमिटेड, 5ए एडवाइजर्स एलएलपी से पहली किश्त में 50.10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए शेयर खरीद समझौता किया है. बयान के अनुसार, पहली किश्त में शेयरों का अधिग्रहण कुल 238.36 करोड़ रुपये में होने का अनुमान है. डिक्सन कहा कि यह अधिग्रहण इस व्यवसाय क्षेत्र में बढ़ने तथा रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने और व्यावसायिक विस्तार की डिक्सन टेक्नोलॉजीज की रणनीति के अनुरूप है. कंपनी के वाइस चेयरमैन अतुल लाल ने कहा कि दोनों कंपनियों की संयुक्त विशेषज्ञता, इंजीनियरिंग कौशल और अन्य विनिर्माण क्षमताएं उभरते भारतीय ईएमएस उद्योग में विकास के अवसरों को भुनाने में मदद करेगी.

जेटीएल इंडस्ट्रीज ने नाभा में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

एजेंसी। नयी दिल्ली

जेटीएल इंडस्ट्रीज ने नाभा स्टील्स एंड मेटल्स में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है. हालांकि, कंपनी ने इस सौदे के मूल्य का खुलासा नहीं किया है. जेटीएल इंडस्ट्रीज शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में अधिग्रहीत संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता दो लाख टन है. यहां कॉइल और बिलेट जैसे स्टील उत्पादों का उत्पादन होता है. कंपनी के अनुसार, उसने नाभा स्टील्स एंड मेटल्स में 67 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है. कंपनी ने सौदे का वित्तीय विवरण साझा किए बिना कहा कि नाभा स्टील्स एंड मेटल्स ने जबर्दस्त राजस्व वृद्धि दिखाई है. कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2022-23 के 113 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 225 करोड़ रुपये हो गया है.

अमोनिया

एक्मे ग्रुप अक्षय ऊर्जा व लिक्विड ऑर्गेनिक हाइड्रोजन कैरियर्स क्षेत्र में काम करती है

ओमान में अमोनिया का प्लांट लगाएगी एक्मे ग्रुप

भाषा । नयी दिल्ली

एक्मे ग्रुप की नजर अब अमोनिया और ग्रीन हाइड्रोजन पर है. कंपनी इस क्षेत्र में बड़ी शुरुआत करने जा रही है. कंपनी ने जर्मनी की कंपनी हाइड्रोजेनियस एलओएचसी टेक्नोलॉजीज से हाथ मिलाया है. इसकी योजना ओमान में अमोनिया एवं ग्रीन हाइड्रोजन का प्लांट लगाने की है.

वहां बने ग्रीन हाइड्रोजन की सप्लाई यूरोपीय और अमेरिकी बाजार में होगी. बता दें कि एक्मे ग्रुप अक्षय ऊर्जा और लिक्विड आर्गेनिक हाइड्रोजन कैरियर्स क्षेत्र में काम करने वाला देश का एक अग्रणी फर्म है. कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार एक्मे ग्रुप का जर्मन फर्म हाइड्रोजेनियस एलओएचसी टेक्नोलॉजीज से एक रणनीतिक सहयोग के लिए एमओयू हो गया है. इस एमओयू के तहत, दोनों संगठन संयुक्त रूप से हाइड्रोजेनियस की अभिनव एलओएचसी तकनीक का लाभ उठाते हुए ओमान में प्लांट लगाएंगे. इसके साथ ही यूरोपीय देशों में बड़े पैमाने पर हाइड्रोजन की सप्लाई के लिए फीजिबिलिटी स्टडी भी करने का प्रावधान है. इस साझेदारी के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में भी ग्रीन हाइड्रोजन की आपूर्ति पर काम होगा. ओमान प्रचुर मात्रा में नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की उपस्थित है. इनमें सौर और तटवर्ती पवन ऊर्जा शामिल हैं. इसी के साथ अमेरिकी मुद्रास्फीति कटौती अधिनियम प्रतिस्पर्धी हाइड्रोजन उत्पादन लागत को बढ़ावा देते हुए उत्पादन प्रोत्साहन प्रदान करता है. ओमान में एक्मे द्वारा उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन को एलओएचसी में कुशलतापूर्वक संग्रहित किया जा सकता है व टैंकर द्वारा यूरोप तक पहुंचाया जा सकता है. एक्मे ग्रुप के प्रेसिडेंट अश्वनी डुडेजा का कहना है कि ग्रीन हाइड्रोजन एक परिवर्तनकारी अवसर के रूप में उभर रहा है. यह डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए वैश्विक ऊर्जा प्रणालियों को दोबारा आकार देने में सक्षम है. जर्मन कंपनी हाइड्रोजेनियस के साथ साझेदारी करने का उनका निर्णय ग्राहकों के लिए कॉस्ट इफेक्टिव मूल्य प्रस्ताव प्रदान करने में एक रणनीतिक कदम का प्रतिनिधित्व करता है.

मिलाया हाथ

- यूएस में भी ग्रीन हाइड्रोजन की आपूर्ति पर काम होगा
- ओमान में नवीकरणीय ऊर्जा के पर्याप्त संसाधन हैं

गोदरेज की 22,500 करोड़ रुपये की रही बिक्री बुकिंग

एजेंसी। नयी दिल्ली

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 84 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 22,500 करोड़ रुपये रही. आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग बिक्री वृद्धि की प्रमुख वजह रही. गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज समूह की बिक्री बुकिंग के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. प्रेस्टीज समूह ने पिछले वित्त वर्ष में 21,040 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग होने की सोमवार को जानकारी दी थी.

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में 14,520 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की है. डीएलएफ ने अभी तक अपने आंकड़ों की घोषणा नहीं की है. गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे 2023-24 में क्रमशः अपनी अब तक की सबसे अच्छी तिमाही और वार्षिक बिक्री दर्ज की है. वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में गोदरेज प्रॉपर्टीज की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर दोगुनी होकर 9,500 करोड़ रुपये से अधिक रही. पिछले वित्त वर्ष में इसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 84 प्रतिशत बढ़कर 22,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गई. कंपनी के अनुसार, यह भारत में किसी भी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा घोषित अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री है.

नव वर्ष मंगलमय हो...

मुंबई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा, महाराष्ट्रीयन नव वर्ष के अवसर पर पारंपरिक पोशाक पहनकर एक रैली में शामिल हुईं महिलाएं . -फोटो : पीटीआई

ब्रीफ खबरें

करोड़ों की शराब, मादक पदार्थ और नकद जब्त

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव के लिए पिछले महीने आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से हरियाणा में कानून प्रवर्तक एजेंसियों ने करीब 14 करोड़ रुपये कीमत के मादक पदार्थ, शराब और बेहिसाबी नकदी जब्त की है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक 10.50 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध शराब और मादक पदार्थ तथा 3.62 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए हैं.

मुख्य चुनाव आयुक्त को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने संभावित खतरों के मद्देनजर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को सशस्त्र कमांडो की जेड श्रेणी की वीआईपी सुरक्षा प्रदान की है. सूत्रों के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को इस कार्य के लिए करीब 40-45 जवानों की एक टुकड़ी उपलब्ध कराने का जिम्मा सौंपा है. केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा तैयार की गयी खतरा संबंधी धारणा रिपोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार के लिए कड़ी सुरक्षा की सिफारिश की गयी है.

पूर्व पीएम गिलानी सीनेट के सभापति निर्वाचित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रज़ा गिलानी मंगलवार को सीनेट के सभापति और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज़ (पीएमएल-एन) के सईद-अल खान नासिर उपसभापति निर्वाचित हुए. जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसदों के विरोध के बीच, इन दोनों पदों पर दोनों नेता निर्विरोध निर्वाचित हुए. इन दोनों पदों पर गिलानी और नासिर के अलावा किसी और ने नामांकन नहीं भरा था.

गुरुग्राम में 'असुरक्षित' टावरों को गिराने का आदेश

गुरुग्राम। गुरुग्राम के जिला प्रशासन ने यहां सेक्टर 109 में चिंटेल्स पैराडाइसो परिसर में रहने के लिए असुरक्षित घोषित कर दिये गये पांच टावर को गिराने का आदेश जारी किया है. एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि गुरुग्राम के उपायुक्त निशांत कुमार यादव द्वारा सोमवार को जारी किये गये आदेश में इस आवासीय सोसायटी में डी, ई, एफ, जी और एच टावर को गिराने की अनुमति दी गयी है.

देश के विकास में खलल डालने की कोशिश कर रहे है 'इंडिया' गठबंधन के नेता

धमकी दे रहे हैं 'इंडिया' के नेता : मोदी

भाषा। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि इसके घटक दल भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं और देश के विकास को रोकने के लिए उन्हें गालियां और धमकियां दे रहे हैं. मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव एक नए भारत के निर्माण का मिशन है. उन्होंने सत्तारूढ़ एनडीए के तीसरे कार्यकाल में बड़े और ऐतिहासिक निर्णय लेने के लिए लोगों का आशीर्वाद मांगा. उन्होंने कहा कि उन्हें सुनने के लिए उमड़ी भीड़ से पता चलता है कि चार जून को चुनाव परिणाम क्या होंगे.

मोदी देश की सुरक्षा की गारंटी देता है : प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल उन्हें बचाने का काम कर रहे हैं जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं. उन्होंने कहा कि जब मोदी देश की सुरक्षा की गारंटी देता है तो वे मुझे गाली देते हैं, जब मोदी अनुच्छेद 370 (जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देता था) को हटाने की गारंटी पूरा करता है, तो वे पाकिस्तान की भाषा में बोलना शुरू कर देते हैं. उन्होंने कहा कि हमें विकास के रॉकेट को बहुत ऊपर ले जाना है. मप्र में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को बालाघाट में मतदान होगा.

गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं है मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भगवान महाकाल के भक्त हैं और किसी से नहीं डरते. उन्होंने कहा कि मोदी या तो भगवान महाकाल के सामने झुकता है या जनता जर्नादन के सामने. मैंने महाकाल के लिए, देश सेवा के लिए गालियां खाना और अपमान को बर्दाश्त करना सीखा है और मैंने देशविरोधी ताकतों को अंजाम तक पहुंचाना भी सीखा है. मोदी इनकी गीदड़ भभकियों से डरने वाला नहीं है. मोदी ने यह भी कहा कि जब उन्होंने अयोध्या मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गारंटी पूरी की तो विपक्षी नेताओं ने उन्हें गालियां दीं. राष्ट्रपति मुर्मू के संदर्भ में मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने भारत की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति को हराने की साजिश रची. उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने और मतदान के सभी रिकॉर्ड तोड़ने को कहा.

खास बातें

- लोकसभा चुनाव एक नए भारत के निर्माण का मिशन है
- हमें विकास के रॉकेट को बहुत ऊपर तक ले जाना है

तुष्टीकरण के दलदल से बाहर नहीं निकल सकती कांग्रेस

इससे पहले पीएम मोदी ने पीलीभीत में आयोजित चुनावी रैली में कहा कि कांग्रेस पर आरोप लगाया कि तुष्टीकरण के दलदल में कांग्रेस इतना डूब गई है कि उससे कभी वह बाहर नहीं निकल सकती. कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र बनाया है वह कांग्रेस का नहीं है. ऐसा लगता है कि यह मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र है. उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण के दबाव में ही कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, वे नागरिकता (संशोधन) कानून का भी विरोध कर रहे हैं. समाजवादी पार्टी भी आज उस कांग्रेस के साथ खड़ी है, जिसने 1984 में हमारे सिख भाई-बहनों के साथ क्या किया था, वह कोई भूल नहीं सकता.

इंडी गठबंधन शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए कहा कि आज नवरात्रि के पहले दिन, शक्ति पूजा के पहले दिन मैं देश को यह भी याद दिला रहा हूं कि कैसे इंडी गठबंधन ने शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है. आज देश भर में जिस शक्ति की पूजा हो रही है उस शक्ति का कांग्रेस ने घोर अपमान किया है. जिस शक्ति के आगे हम शीश झुकाते हैं उस शक्ति को उखाड़ फेंकने की बात यह कांग्रेस के नेता कर रहे हैं. शक्ति का कोई भी उपासक इंडी गठबंधन को इस अपमान के लिए माफ नहीं करेगा.

इंडी गठबंधन से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती

पीलीभीत में आयोजित रैली में पीएम ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर सरकार वल्लभभाई पटेल का भी सम्मान नहीं करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि यह लोग विदेश जाकर घूम आते हैं लेकिन अपने ही देश में सरदार पटेल की प्रतिमा के दर्शन नहीं करते. जिन सरदार पटेल ने पूरे देश को एक किया, उनका भी वे बहिष्कार करते हैं.

11 को करौली-धौलपुर में जनसभा करेंगे पीएम मोदी

जयपुर। पीएम मोदी गुरुवार को करौली-धौलपुर में भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे, वहीं शुक्रवार को बाड़मेर में चुनावी सभा करेंगे. भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 11 अप्रैल को 12.30 बजे जयपुर हवाई अड्डा पहुंचेंगे. यहां से वे करौली के लिए रवाना होकर दोपहर 1.15 बजे करौली में विजय शंखनाद सभा को संबोधित करेंगे. उन्होंने बताया कि मोदी 12 अप्रैल को बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में सुबह 11.40 बजे विजय शंखनाद आमसभा को संबोधित करेंगे. इसके बाद दोपहर तीन बजे दौसा में सोमनाथ चौराहा से गुप्तेश्वर दरवाजा तक रोड शो करेंगे.

आप ने 'जेल का जवाब वोट से' अभियान की शुरुआत की

भाषा। नयी दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने जेल का जवाब वोट से अभियान के तहत मंगलवार को दिल्ली के शाहदरा में घर-घर जाकर तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए समर्थन मांगा. अभियान के तहत आप नेता उन चार लोकसभा क्षेत्रों में हर घर का दौरा करेंगे जहां पार्टी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं. आप के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने शाहदरा में अभियान की शुरुआत की. उनके साथ पार्टी के पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार कुलदीप कुमार भी थे. केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने 21 मार्च को दिल्ली की अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था. वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं. कांग्रेस के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही आप ने चार सीटों नयी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और पश्चिमी दिल्लीपर उम्मीदवार उतारे हैं. कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी की शेष तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है.

खास बातें

- गोपाल राय ने शाहदरा में अभियान की शुरुआत की
- धनशोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया है

सीट शेयरिंग : एमवीए ने सीट-बंटवारा समझौते की घोषणा की

21 सीटों पर चुनाव लड़ेगी शिवसेना

- कांग्रेस 17 और शरद पवार की पार्टी 10 को मिलीं 10 सीटें

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में विपक्षी महा विकास अघाडी (एमवीए) ने लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपने सीट-बंटवारा समझौते की घोषणा की, जिसके तहत राज्य में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) 21, कांग्रेस 17 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) 10 सीट पर चुनाव लड़ेंगी. कांग्रेस ने विवादास्पद सांगली और भिवंडी सीट पर अपना दावा छोड़ दिया और वहां से अब क्रमशः शिवसेना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) चुनाव लड़ेंगी. राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि सहयोगी दलों के बीच किसी भी सीट को लेकर कोई मतभेद नहीं है. शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि गठबंधन का लक्ष्य भाजपा को हराना है और कांग्रेस के नाना पटोले ने कहा कि पार्टी ने इस उद्देश्य को हासिल करने के लिए उदारता का परिचय देने का फैसला किया है. पवार, ठाकरे और पटोले ने कई सप्ताह की बातचीत के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में राज्य की 48 संसदीय सीट के लिए चुनावी समझौते की घोषणा की.

कौन कहां से लड़ेगा चुनाव

शिवसेना (उद्धव) : जलगांव, परभणी, नासिक, पालघर, कल्याण, ठाणे, रायगढ़, मावल, उस्मानाबाद, रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग, बुलढाणा, हातकणंगले, औरंगाबाद, शिरडी, सांगली, हिंगोली, यवतमाल- वाशिम, मुंबई दक्षिण, मुंबई दक्षिण मध्य, मुंबई उत्तर पश्चिम और मुंबई . **कांग्रेस :** नंदुरबार, धुले, अकोला, अमरावती, नागपुर, भंडारा-गोंदिया, गढ़चिरौली-चिमूर, चंद्रपुर, नांदेड़, जालना, मुंबई उत्तर मध्य, मुंबई उत्तर, पुणे, लातूर, सोलापुर, कोल्हापुर और रामटेक . **राकांपा (एसपी) :** बारामती, शिरूर, सतारा, भिवंडी, डिंडोरी, माढा, रावेर, वर्धन, अहमदनगर दक्षिण और बीड .

न्यूज अपडेट

आईपीईएफ आयोजित करेगा निवेशक मंच की बैठक

नयी दिल्ली। इंडो-पैसेफिक इकनॉमिक फ्रेमवर्क फॉर प्रॉसपैरिटी (आईपीईएफ) सिंगापुर में निवेशक मंच बैठक का आयोजन करेगा. इसमें घरेलू जलवायु तकनीकी उद्यमियों और कंपनियों को अपने उत्पादों को वैश्विक निवेशकों के सामने प्रदर्शित और पेश करने का मौका मिल सकता है. भारत और अमेरिका समेत 14 सदस्यीय मंच का मकसद सदस्य देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाना है. वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि सरकार ने पांच-छह जून को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए घरेलू जलवायु तकनीकी उद्यमियों और कंपनियों से आवेदन आमंत्रित किये हैं. आवेदन करने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल है और आवेदनों का मूल्यांकन क्षेत्रीय और उद्योग विशेषज्ञ करेंगे.

बीआरएस नेता के कविता की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने यहां आबकारी नीति से संबंधित धनशोधन मामले में भारत राष्ट्र समिति की नेता के कविता की न्यायिक हिरासत मंगलवार को दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी. ईडी एवं सीबीआई मामलों से संबंधित विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कविता की हिरासत 23 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी. उन्हें पिछली न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने पर अदालत में पेश किया गया था. न्यायाधीश ने सोमवार को यह कहते हुए कविता को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था कि प्रथम दृष्टया उन्होंने न केवल सबूत नष्ट किया बल्कि उन्होंने गवाहों को प्रभावित भी किया और यदि उन्हें राहत दी जाती है तो इस बात की 'पूरी संभावना' है कि वह ऐसा करती रहेंगी.

चीन 'एक इंच' जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता : शाह

लखीमपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में चीन 'एक इंच' जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता है. उन्होंने दावा किया कि जनता कभी नहीं भूल सकती कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने 1962 में चीन के हमले के दौरान असम और अरुणाचल प्रदेश को 'बाय-बाय' कह दिया था. असम के लखीमपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने बांग्लादेश से लगती सीमा को सुरक्षित किया और घुसपैठ पर रोक लगाई.

अभद्र भाषा का प्रयोग निंदनीय: सद्गुरु जग्गी वासुदेव

चेन्नई। आध्यात्मिक नेता सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने हालिया राजनीतिक विमर्श में महिलाओं के लिए इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि इसे बदले जाने की आवश्यकता है.उन्होंने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा कि महिलाओं के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए. आध्यात्मिक नेता ने कहा कि पिछले दो हफ्तों में, राजनीतिक विमर्श में महिलाओं के बारे में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा में रेट कार्ड, माता-पिता के बारे में सवाल और 75 वर्षीय महिला के बारे में घृणित टिप्पणियां शामिल हैं. कृपया ऐसे लोगों पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगवाने का काम करें.

'द केरल स्टोरी' आरएसएस का एजेंडा है: विजयन

कोल्लम (केरल)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विवादास्पद फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर मंगलवार को एक बार फिर हमला करते हुए आरोप लगाया कि यह राज्य को नीचा दिखाने के भगवा संगठन के एजेंडे का हिस्सा है. उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की कल्पना में एक 'साफ झूठ' गढ़ा गया और राज्य की छवि खराब करने के लिए इसे एक फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया गया. उन्होंने यहां चावरा में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि न केवल केरलवासी बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों के लोग भी इस फिल्म के खिलाफ पहले ही अपना कड़ा विरोध दर्ज करा चुके हैं.

इमरान की सुरक्षा पर हर महीने 12 लाख का खर्च

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सुरक्षा पर हर महीने 12 लाख रुपये का खर्च आ रहा है. जेल अधिकारियों की ओर से लाहौर उच्च न्यायालय में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक, 71 वर्षीय खान को जेल परिसर के अंदर विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं जिसमें पांच लाख रुपये की लागत से पृथक सीसीटीवी प्रणाली शामिल है. यह सात हजार कैदियों की निगरानी करने वाली प्रणाली से अलग है. 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, खान का खाना सहायक अधीक्षक की निगरानी में एक अलग रसोई में पकाया जाता है और भोजन परोसे जाने से पहले मेडिकल अधिकारी या उपाधीक्षक उसकी जांच करते हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

फाइन आर्ट्स में छिपा क्रिएटिव कॅरिअर ऑप्शन, विदेशों में भी मिलेंगे अवसर

रजनीश प्रसाद। रांची

फाइन आर्ट के तौर पर इस कॅरियर को चुनने का मुख्य कारण यह है कि आर्ट एक ऐसा माध्यम है, जिससे आप जो सोचते हैं उसे व्यक्त कर सकते हैं. एक खाली कैनवास पर आप अपनी सोच का अच्छे से वर्णन कर सकते हैं. आजकल, आर्ट पारंपरिक कला तकनीकों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि विभिन्न शैलियों जैसे कांच पर आर्ट, कपड़े, मिट्टी के बर्तनों आदि तक फैल गई है. आर्ट क्षेत्र में थ्री-डी आर्ट्स और एनिमेशन जैसी टेक्नोलॉजी के आने से आर्ट को एक अच्छे कॅरियर विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है. आर्ट में एक रोमांचक कॅरियर बनाने के लिए दुनिया भर में हजारों छात्र पेशेवर और डिग्री प्रोग्राम, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स का चयन कर रहे हैं.

फाइन आर्ट में कॅरियर बनाने के लिए स्किल्स

- आपके पास रंगों, स्वरों और हाइलाइट्स के ज्ञान को लागू करने जैसी स्किल्स होनी चाहिए जिससे आप कला और क्रिएटिविटी के साथ निश्चित समय सीमा में अपना कार्य पूरा कर पाए.
- आपको उच्च स्तर पर काम करने में सक्षम होना चाहिए. एक टीम में हो या अकेले, उसे ईमानदारी से अपना कार्य पूरा करना आना चाहिए.
- आपको प्रॉफेशनल और विनम्र होना चाहिए, मौखिक और लिखित निर्देशों को समझें और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें.
- आपको विभिन्न रंगों और उन्हें मिलाने में मदद करने वाली विधियों से अच्छी तरह वाकिफ होना चाहिए.
- आपके पास अपना काम प्रस्तुत करने के लिए अच्छा संचार और भाषा कौशल होना चाहिए.

फाइन आर्ट्स कोर्सेज

- डिप्लोमा इन पेंटिंग
- जूनियर डिप्लोमा कोर्स पार्ट-1
- जूनियर डिप्लोमा कोर्स पार्ट-2
- सर्टिफिकेट कोर्स इन पेंटिंग
- सर्टिफिकेट कोर्स इन विजुअल आर्ट्स - पेंटिंग
- जूनियर सर्टिफिकेट इन फाइन आर्ट्स पार्ट-1
- जूनियर सर्टिफिकेट इन फाइन आर्ट्स पार्ट-2
- बीए इन पेंटिंग एंड ड्राइंग
- पेंटिंग में बीए
- पेंटिंग में बीएफए
- बीएफए अप्लाइड आर्ट्स
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ डिजाइन (ऑनर्स)
- बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ आर्ट्स ऑफ थिएटर एंड परफॉर्मिंग स्टडीज
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स (इलुसट्रेशन)
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स इन ग्राफिक्स डिजाइनिंग
- बैचलर इन फाइन आर्ट्स इन डिजिटल कम्युनिकेशन आर्ट्स
- बैचलर ऑफ इंटीरियर डिजाइन (ऑनर्स)
- बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर आर्किटेक्चर (ऑनर्स)
- बैचलर ऑफ डिजाइन इनोवेशन (एनीमेशन एंड विजुअल इफेक्ट्स)
- बैचलर इन आर्ट्स ऑफ विजुअल कम्युनिकेशन-फोटोग्राफी
- बैचलर ऑफ आर्ट्स इन आर्किटेक्चरल स्टडीज
- मास्टर इन फाइन आर्ट्स इन फिल्म एंड टेलीविजन
- मास्टर इन फाइन आर्ट्स
- मास्टर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन
- मास्टर इन आर्ट्स (आर्किटेक्चर)
- मास्टर ऑफ फाइन इन फोटोग्राफी
- एमए इन विजुअल आर्ट्स (फाइन आर्ट्स डिजिटल)
- एमए इन प्लानिंग
- एमए इन फाइन आर्ट्स पेंटिंग
- एमएफए इन फाइन आर्ट्स

आर्ट में करियर बनाने के लिए भारतीय विश्वविद्यालय

- कला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- दृश्य कला संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- फैकल्टी ऑफ़ फाइन आर्ट्स, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय
- चामराजेंद्र एकेडमी ऑफ विजुअल आर्ट्स, मैसूर विश्वविद्यालय
- कला भवन, विश्व भारती विश्वविद्यालय
- इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़
- जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना
- रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता
- सर जेजे स्कूल ऑफ आर्ट, मुंबई
- हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)